www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक | संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

35 YEARS

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार, 24 जून 2025 । वर्ष – 35 । अंक –55 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु.

युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं : जगदंबिका पाल — पृष्ठ 3

■ इमरजेंसी के पचास साल : मीडिया या तानाशाही की आंखों पर बंधी पट्टी
■ मोदी और ट्रंप की दोस्ती का सुनियोजित मिथक क्लस्टर बम की तरह फटा — पृष्ठ 4

■ पाक ने ट्रंप को दिया झटका, चीन-रूस के साथ दिखाई एकजुटता
■ डीएचएस ने दी आतंकवादी हमलों की चेतावनी — पृष्ठ 9

भारत की बढ़त 150 रन के पार, केएल राहुल ने संभाला मोर्चा — पृष्ठ 10

ईरान के समर्थन में आया रूस

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिकी हमलों की निंदा की, बोले-तेहरान को हरसंभव मदद देंगे

मास्को, 23 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच 10 दिनों से चल रहे संघर्ष के चलते आज दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ गया है। वहीं ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद रूस ने सोमवार को ईरान को हरसंभव मदद देने का वादा किया है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बढ़ते तनाव के बीच सोमवार रूस ने कहा है कि वह ईरान को हर तरह की मदद देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान को किस तरह की मदद चाहिए, यह फैसला तेहरान को करना है।

रूस ने ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे तनाव को लेकर भी अपना पक्ष साफ किया है। पेसकोव ने कहा कि रूस का यह रुख भी ईरान के लिए समर्थन का एक अहम तरीका है। उन्होंने कहा कि हमने इस मुद्दे पर खुलकर अपना पक्ष दुनिया के सामने रखा है। यह भी ईरान के प्रति हमारे समर्थन का संकेत है। पेसकोव ने यह भी बताया कि हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत में ईरान का मुद्दा कई बार उठा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप की हाल की बातचीत में ईरान का जिक्र कई बार हुआ है।

पुतिन से मिले ईरान के विदेश मंत्री

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हुए अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोमवार को मॉस्को में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात के दौरान इन हमलों को बेवजह बताया। पुतिन ने कहा कि आप ऐसे समय रूस आए हैं जब आपके देश और पूरे क्षेत्र में हालात काफी तनावपूर्ण हैं। उन्होंने अमेरिकी हमलों को गलत ठहराते हुए कहा कि रूस ईरानी जनता की हर संभवमदद करने की कोशिश कर रहा है।

खामेनेई ने व्लादिमीर पुतिन को लिखा पत्र, रूस से खुलकर समर्थन करने की मांग की

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने अपने विदेश मंत्री अब्बास अराघची को एक पत्र पुतिन को देने के लिए कहा है, जिसमें खुलकर समर्थन करने की मांग की है। रूस अभी तक जिस तरह से समर्थन कर रहा है वो ईरान को पसंद नहीं आ रहा है। खामेनेई के लिखे पत्र में कहा गया है कि पुतिन इजरायल और अमेरिकी के खिलाफ और ज्यादा खुलकर आगे आएं और समर्थन करें। हालांकि तेहरान किस तरह की सहायता चाहता है ये अभी साफ नहीं हुआ है।

ईरान ने इजरायल पर लगाई हवाई हमलों की झड़ी

तेहरान। इजरायली हवाई हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने सोमवार को इजरायल पर हवाई हमलों की झड़ी लगा दी जिससे दक्षिणी इजरायल में हजारों इजरायलियों को भूमिगत बंकरों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा जबकि एक ईरानी मिसाइल के हमले में बिजली ग्रिड बाधित होने की खबर है। द टाइम्स आफ इजरायल के मुताबिक हमलों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और अधिकांश बुनियादी ढांचा सुरक्षित है लेकिन दक्षिणी इजरायल में बिजली ग्रिड के बाधित होने की सूचना है। इजरायली रक्षा बलों ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि ईरान से 40 मिनट की अवधि में चार श्रृखंलाओं में छह-सात मिसाइलें दागी की गईं। इजरायल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन ने कहा कि बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिणी इजरायल में ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

मुख्यमंत्री पर सीधा हमला करने से बच रहे वरिष्ठ पार्टी नेताओं पर भड़के भूपेश

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में उठाया मामला

रायपुर, 23 जून (देशबन्धु)। कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की आज हुई बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं पर सरकार के खिलाफ निष्क्रिय रहने का आरोप लगाते हुए जमकर नाराजगी जाहिर की।

आज राजीव भवन में कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट की मौजूदगी छत्तीसगढ़ कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जमकर भड़क उठे। उन्होंने राज्य के कुछ बड़े नेताओं की चुप्पी को लेकर अपनी कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। सूत्रों के मुताबिक बघेल ने कहा- मुख्यमंत्री पर सीधा हमले करने से हमारे ही कुछ सीनियर नेता बचते रहते हैं। वे राज्य के मुद्दों और सरकार के खिलाफ सीधा हमला नहीं करते। ऐसे में जनता के बीच हम अपनी मजबूत मौजूदगी कैसे दर्ज कराएंगे?

बघेल ने कहा कि मीडिया में बयान देना हो या फिर सोशल मीडिया पर कुछ लिखना या सड़क पर मुखर होकर उतरना या सदन में घेरना। कुछ नेता ऐसे हैं जो बड़े मौकों पर शांत रह जाते हैं साधारण तरीके से विरोध दर्ज कराते हैं। अगर हमें जनहित के मुद्दों पर लड़ना है, राज्य सरकार के खिलाफ लड़ना है, तो सीधे सरकार को, मुख्यमंत्री को टारगेट करना होगा।

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

टीएस सिंहदेव ने भूपेश बघेल के बयान का किया समर्थन

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी भूपेश बघेल के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि पहले मुख्यमंत्री पर सीधे हमला किया जाता था, आज व्यक्तिगत हमला नहीं होता। सत्ता के मुखिया और प्रमुख लोगों पर कोई सवाल नहीं होता है।

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, महान शिक्षाविद्, और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में डॉ. मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया।

एयर इंडिया विमान को आपात स्थिति में उतारा गया

नई दिल्ली। एयर इंडिया के विमानों में तकनीकी खराबी की घटनाएँ कम नहीं हो रहीं हैं और सोमवार को दिल्ली से जम्मू जाने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी समस्या आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस उतारना पड़ा। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि सोमवार 23 जून को दिल्ली से जम्मू के लिए संचालित होने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स 2564 को उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली उतारना पड़ा। उन्होंने कहा कि तकनीकी समस्या के कारण मूल विमान के दिल्ली लौटने के बाद हमारी दिल्ली-जम्मू उड़ान को संचालित करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री अच्युतानंदन अस्पताल में भर्ती

तिरुवनंतपुरम। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन को सोमवार सुबह दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने बताया कि श्री अच्युतानंदन की स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक है और फिलहाल उनका पट्टम एसयूटी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष में इलाज चल रहा है।

भारत-फ्रांस की सेनाएं कर रही ड्रोन-रोधी प्रशिक्षण

नई दिल्ली। भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास 'शक्ति' इस समय फ्रांस के कैंप लारजैक, ला कावेलरी में पूरी गति से जारी है। भारत व फ्रांस यहां अपने अत्याधुनिक हथियारों से कॉम्बैट व गोलाबारी का अभ्यास कर रहे हैं। यहां आधुनिक हवाई खतरों से निपटने के लिए दोनों पक्षों ने मिलकर ड्रोन-रोधी तकनीक पर भी प्रशिक्षण लिया। इस अभ्यास में आक्रामक ड्रोन को निष्क्रिय करने वाले अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म्स का लाइव प्रदर्शन किया गया है।

इजराइल-ईरान जंग रोकने का प्रयास करना चाहिए था : खरगे

■ हमारे प्रधानमंत्री विश्व गुरु बनने का नारा लगाते हैं, जबकि जंग हो रही है
■ ईरान हमारा पुराना दोस्त

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ईरान-इजराइल संघर्ष पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री विश्व गुरु बनने का नारा लगाते हैं। जबकि दूसरी तरफ ईरान और इजराइल के बीच जंग हो रही है। हमें इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए था। खरगे ने कहा, चाहे आप (मोदी जी) विश्व गुरु हों या घर के गुरु। लोगों को पेट्रोल, डीजल, खाना, कपड़े और सिर पर छत चाहिए। हम चाहते थे कि वे इन चीजों के लिए प्रयास करें। खरगे ने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा भारत का समर्थन किया है क्योंकि देश अपनी ईंधन की जरूरत का 50 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात करता है।

विपक्ष के लिए मोदी के मन में सम्मान नहीं–कर्नाटक के रायचूर में सोमवार को जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा- पीएम मोदी हमेशा विपक्ष को नीचा दिखाते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में पीएम गायब रहे। इससे साफ पता चलता है कि विपक्ष के लिए उनके मन में बिल्कुल भी सम्मान नहीं है। खरगे ने कहा, आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों की हत्या कर दी। जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों पर हमले किए और आतंकवादियों को खत्म कर दिया। उस वक्त पूरा देश सेना के साथ खड़ा था, लेकिन ऐसे समय में भी कुछ लोग व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे।

चार राज्यों के 5 विधानसभा उपचुनाव के आए परिणाम

'आप' को पंजाब व गुजरात में मिली जीत

■ गुजरात के विसावदर, पंजाब के लुधियाना में आप जीती
■ केरल में यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदन शौकत को मिली जीत

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर आम आदमी पार्टी के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल दूसरे नंबर पर रहे।

केरल में यूडीएफ उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने सीपीआईएम के एम.स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट आप के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे।

पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर टीएमसी प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया। इन सभी पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी। वहीं, कालीगंज सीट के लिए जारी काउंटिंग के बीच कृष्णानगर थाना क्षेत्र के बाराचंदगर इलाके में एक विस्फोट हुआ। घटना में 9 साल की बच्ची की मौत हो गई।

मैं राज्यसभा नहीं जा रहा: केजरीवाल

लुधियाना से संजीव अरोड़ा के चुनाव जीतने पर वे राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। उनकी खाली हुई राज्यसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा जाने की अटकलें हैं। हालांकि, अरोड़ा के चुनाव जीतने के बाद दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि पार्टी की ओर से राज्यसभा में किसे भेजा जाना है यह फैसला आप की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी लेगी, मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं।

'आप' की जीत से केजरीवाल गदगद, कहा, जनता ने भाजपा और कांग्रेस को नकारा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के गढ़ गुजरात में विसावदर विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है। इन दोनों सीट पर मिली जीत से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गदगद हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों सीट पर जनता ने भाजपा और कांग्रेस को नकार दिया है।

प्रसूता की मौत का मामला

स्त्री रोग विशेषज्ञ अंजना निलंबित

रायपुर, 23 जून (देशबन्धु)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरगांव में प्रसव के बाद महिला मरीज की मौत के मामले में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंजना कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

जांच में सामने आया कि डिलीवरी के बाद रात के समय किसी भी चिकित्सा अधिकारी की ड्यूटी नहीं थी। डॉ. अंजना कुमार द्वारा मरीज की स्थिति का आवश्यक फॉलोअप नहीं लिया गया और यही लापरवाही के कारण प्रसूता की मौत हुई। निलंबन की अवधि में डॉक्टर अंजना कुमार बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगी। साथ ही उन्हें इस अवधि में नियमानुसार निर्वाहन भत्ता दिया जाएगा। 22 वर्षीय साक्षी निषाद की डिलीवरी बीरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई थी। परिजनों के अनुसार, डिलीवरी के करीब 12 घंटे बाद 10 और 11 जून की दरमियानी रात साक्षी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से की मुलाकात

रायपुर, 23 जून (देशबन्धु)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में सुकमा में आईईडी विस्फोट में शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से सौजन्य भेंट की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सांत्वना प्रदान की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे की वीरता और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी शहादत देश के लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा और उनकी शहादत को कभी व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। शाह ने शहीद के साहस को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को राष्ट्र के लिए अमूल्य करार दिया। इस अवसर पर शाह ने शहीद के परिजनों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार शहीदों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

लालू प्रसाद ने अध्यक्ष पद के लिए भरा नामांकन

पटना, 23 जून (देशबन्धु)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कर दिया है। लालू यादव राजद कार्यालय पहुंचे और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। उनका फिर से राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। राजद के सांगठनिक सत्र 2025-2028 के लिए यह नामांकन किया गया है। लालू के नामांकन दाखिल करने के दौरान उनके साथ राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, मीसा भारती सहित राजद के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। राजद पार्टी के गठन के बाद से ही लालू यादव ही पार्टी के अध्यक्ष हैं। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लालू यादव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा है। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता लालू यादव के नामांकन को लेकर खुशी जता रहे हैं। वे 12 बार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर पूरा कर चुके हैं। यह 13वीं बार के लिए उन्होंने नामांकन भरा है। हम सभी लोगों को इसकी खुशी है। लालू यादव के खिलाफ अब तक किसी और ने नामांकन नहीं दाखिल किया है, जिससे यह तय माना जा रहा है कि वे एक बार फिर से राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे।

सपा ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाला

■ अभय सिंह, राकेश प्रताप व मनोज पांडे पर कार्रवाई
■ पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के हैं आरोप

लखनऊ, 23 जून (एजेंसिया)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में अपने तीन विधायकों को बाहर का रास्ता दिख दिया है। इन विधायकों में गोशाईगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय का नाम शामिल है। पार्टी ने अपने विधायकों के खिलाफ की गई इस कार्रवाई की जानकारी अपने सोशल मीडिया 'एक्स' हैंडल पर दी है।

इन विधायकों पर आरोप है कि इन्होंने राज्यसभा चुनाव में सपा पार्टी के खिलाफ काम किया था। उस समय पार्टी विधायक होने के बावजूद उन्होंने भाजपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की। हालांकि सपा के पास तीन उम्मीदवारों को राज्यसभा भेजने के लिए पर्याप्त संख्या बल था, लेकिन उसके कम से कम सात विधायकों की क्रॉस वोटिंग के कारण भाजपा सपा को नुकसान हुआ। राज्यसभा चुनाव के बाद से ही भाजपा के साथ घुलते-मिलते, उसके कार्यक्रमों में हिस्सा लेते और सपा की राजनीतिक लाइन से खुद को दूर रखते रहे हैं। अपने निष्कासन के बावजूद तीनों विधायक तकनीकी रूप से विधानसभा रिकॉर्ड में समाजवादी पार्टी के विधायक बने हुए हैं।

टकराव — चमलियाल मेले में पाक रेंजर नहीं करेंगे शिरकत

इस बार भी सीमा पर नहीं बंटेगी शक्कर-शर्बत

■ पाकिस्तानी रेंजरों को अभी तक नहीं दिया गया न्यौता

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 23 जून (देशबन्धु)। तीन दिनों के उपरांत अर्थात 26 जून बृहस्पतिवार को रामगढ़ सेक्टर में चमलियाल सीमांत पोस्ट पर आयोजित किए जाने वाले बाबा चमलियाल के मेले में इस बार भी लगातार 8वीं बार दोनों मुल्कों के बीच 'शक्कर' और 'शर्बत' के बंटने की उम्मीद नहीं है।

कारण स्पष्ट है। अभी तक पाकिस्तानी रेंजरों को शिरकत करने का न्यौता ही नहीं दिया गया है। यह भी सच है कि बंटवारे के बाद 70 सालों से चली आ रही परंपरा का निर्वाह करते हुए पाकिस्तानी व भारतीय सेनाओं के जवान इस सीमा चौकी पर 'शक्कर' और 'शर्बत' बांट कर उन हजारों लोगों को सुकून पहुंचाते थे, जो चौकी पर स्थित बाबा दीलिप सिंह मन्हास अर्थात बाबा चमलियाल की दरगाह पर माथा टेकने आते थे, लेकिन बावजूद इस आदान-प्रदान के इच्छाएं हमेशा ही बंटी हुई रही हैं। यह इच्छाएं उन पाकिस्तानियों की हैं जो 1947 के बंटवारे के बाद उस ओर चले तो गए लेकिन बचपन की यादें आज भी ताजा हैं। इस बार भी पाक रेंजरों के अड़ियलपन के कारण पाकिस्तानी नागरिकों को बाबा का प्रसाद भी नसीब नहीं होगा।

बंटवारे के पहले से लगता रहा मेला

भारत-पाक बंटवारे के पहले से ही यह मेला लगता आ रहा है। बंटवारे के बाद 1965, 1971 व 1999 में करगिल युद्ध हुआ। कई बारा दोनों देशों में तनाव हुआ। लेकिन, बाबा चमलियाल के प्रति दोनों देशों के लोगों की आस्था बनी रही। 2002 में दोनों देशों में तनाव के चलते मेला मजार स्थल से दो किमी पीछे गांव दग-छन्नी में लगाया गया। इसमें पाक रेंजर्स अधिकारियों ने शिरकत नहीं की थी। 2018 में भी मेला पारंपरिक रीति से संपन्न नहीं हो पाया था। मेले से छह दिन पूर्व पाकिस्तान की फायरिंग में बीएसएफ के चार जवानों की शहादत के बाद बीएसएफ ने पाक रेंजरों को न्यौता नहीं दिया था, न ही पाकिस्तान से मजार पर चढ़ाने के लिए चादर आई। कोरोना काल में 2020 व 2021 में मेला स्थगित कर दिया गया था। परंपरा को ही निभाया था। सूत्रों के अनुसार इस बार भी पाक रेंजर मेले में शिरकत नहीं करेंगे। न ही पाकिस्तान से बाबा की मजार पर चढ़ाने के लिए चादर आएगी। गांव के पूर्व सरपंच ओम प्रकाश, सन्नी चौधरी, बिल्लू चौधरी ने बताया कि मेले की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अभी से रोजाना हजारों श्रद्धालु बाबा के स्थान पर आकर माथा टेक रहे हैं। इस मेले का एक अन्य मुख्य आकर्षण भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा ट्रालियों तथा टैंकरों में भरकर 'शक्कर' तथा 'शर्बत' को पाक जनता के लिए भिजवाना होता है। इस कार्य में दोनों देशों के सुरक्षा बलों के अतिरिक्त दोनों देशों के ट्रैक्टर भी शामिल होते हैं और पाक जनता की मांग के मुताबिक उन्हें प्रसाद की आपूर्ति की जाती रही है जिसके अबकी बार संपन्न होने की कोई उम्मीद नहीं है। यह लगातार 8वीं बार होगा की न ही पाक रेंजर पवित्र चाद्दर को बाबा की दरगाह पर चढ़ाने के लिए लाएंगें, जिसे पाकिस्तानी जनता देती है और न ही वे प्रसाद को स्वीकार करेंगे।

फर्जी निवेश कंपनी के दो डायरेक्टर गिरफ्तार, 5.53 करोड़ की धोखाधड़ी का खुलासा

मुंगेली पुलिस की कार्रवाई, 8 साल से फरार थे आरोपी

मुंगेली, 23 जून (देशबन्धु)। जिले की सरगांव पुलिस ने बी.एन. गोल्ड रियल स्टेट एण्ड एलाएड लिमिटेड नामक फर्जी निवेश कंपनी से जुड़े बहुचर्चित धोखाधड़ी मामले में दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में मध्यप्रदेश के सिहोर जिले से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार आरोपियों के नाम चरण सिंह ठाकुर (44 वर्ष) और विक्रम सिंह सोनालिया (47 वर्ष) हैं, जो कथित कंपनी में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थे। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने निवेशकों से धोखाधड़ी कर ?5,53,22,722 की अवैध रकम जमा करने की बात कबूली है। उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

8 वर्षों से फरार चल रहे थे आरोपी

यह मामला वर्ष 2016 में तब सामने आया जब बैतलपुर निवासी एक महिला ने शिकायत की थी कि कंपनी के एजेंट ने हर माह ?1000 निवेश कर 5 वर्षों में व्याज सहित रकम लौटाने का झांसा देकर ?38,000 की ठगी की। जब कंपनी और एजेंट गायब मिले, तो सरगांव थाना में IPC की धारा 420, 34 सहित इनामी चिट और धन अधिनियम, स्कीम पाबंदी अधिनियम 1978 और निवेशक संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।अब तक इस प्रकरण में कुल 11 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें झाबुआ, कोरबा, बिलासपुर, महाराष्ट्र, पंजाब, बिहार और मध्यप्रदेश से संबंध रखने वाले आरोपी शामिल हैं।

पुलिस की टीम ने की मेहनत

एसपी भोजराम पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा और डीएसपी नवनीत पाटिल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सरगांव संतोष शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने आरोपियों की मध्यप्रदेश में पतासाजी कर दबिश दी और दोनों को गिरफ्तार कर मुंगेली लाया गया। इस सफलता में उपनिरीक्षक संतोष शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक महादेव खुंटे, आरक्षक जितेंद्र जाधव व रिपिन बनर्जी की अहम भूमिका रही।

हर्ष शर्मा का राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए चयन

मुंगेली 23 जून (देशबन्धु)। जिले के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी हर्ष शर्मा ने महासमुंद में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। लगातार पांच मुकाबले जीतते हुए हर्ष ने फाइनल में कड़े संघर्ष के बाद खिताब अपने नाम किया। उनके प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो अगले माह सूरजपुर में आयोजित होगी। हर्ष की सफलता पर जिले में खुशी की लहर है। कोच विनोदी गोयल सहित साथियों और खेलप्रेमियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और इसे जिले के लिए गर्व की बात बताया।

डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

तखतपुर 23 जून (देशबन्धु)। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को मोहन वाटिका, तखतपुर में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा महान सपूतों की सोच ने भारत देश को महान बनाया है। पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी हमारे आदर्श हैं। उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक संविधान और एक प्रधान' के सिद्धांत के लिए अपना बलिदान दिया। देश उनके इस त्याग को कभी नहीं भूलेगा।

कल कांग्रेस करेगी कलेक्ट्रेट का घेराव

प्रदेश स्तरीय नेता हो सकते हैं शामिल

मुंगेली। जिले में युक्तियुक्तकरण, बिजली संकट और किसानों की समस्याओं जैसे गंभीर और जनहित के मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में 25 जून को कलेक्ट्रेट घेराव किया जाएगा। इस बड़े प्रदर्शन में प्रदेश स्तर के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर 9 जून से शिक्षक युक्तियुक्तकरण योजना के विरोध में लगातार आंदोलन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में 25 जून को जिला स्तर पर व्यापक घेराव किया जाएगा।

वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की युक्तियुक्तकरण नीति के तहत 10,463 स्कूलों को बंद करने और लगभग 45,000 शिक्षकों एवं कर्मचारियों के पद समाप्त करने की योजना है, जो शिक्षा के हित में नहीं है और इससे प्रदेश की भावी पीढ़ी प्रभावित होगी।घेराव के दौरान बिजली कटौती, खाद-बीज की किल्लत, और किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस समय किसान खरीफ फसल की तैयारी में लगे हैं, लेकिन खाद और बीज की भारी कमी से वे संकट में हैं। कांग्रेस की मांग है कि प्रत्येक किसान को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जाए।इस घेराव में खनिज निगम के पूर्व अध्यक्ष गिरीश देवांगन, युका कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, और हस्र्ड्ड के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पाण्डेय समेत अन्य कई प्रदेश स्तरीय नेताओं के शामिल होने की संभावना है। प्रदर्शन में जिला, शहर, ब्लॉक कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवा दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होंगे।

कांग्रेस ने सभी जन संगठनों और जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतांत्रिक ढंग से हो रहे इस जनआंदोलन में शामिल होकर जनहित की आवाज को बुलंद करें।

ग्रामीणों की मांग- शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला सेमरा को पुनः प्रारंभ किया जाए

जिला पंचायत सदस्य श्याममणि बृजलाल राठौर एवं सरपंच तूफान सिंह ने कलेक्टर से की मांग

हाई कोर्ट ने भी शिक्षा विभाग को विद्यालय पुनः प्रारंभ करने का दिया था निर्देश

गौरेला 23 जून (देशबन्धु)। जिला पंचायत सदस्य श्याम मणि बृजलाल सिंह राठौर एवं सेमरा के सरपंच तूफान सिंह ने कलेक्टर गौरेला पेंड्रा मरवाही को ज्ञापन सौंप कर ग्राम पंचायत सेमरा में पूर्व में संचालित रहे शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक सेमरा विकासखण्ड-गौरेला को पुनः प्रारम्भ कराने की मांग की है। कलेक्टर को सौंपें ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम पंचायत-सेमरा के अंतर्गत शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला-सेमरा विकासखण्ड-गौरेला में संचालित रहा जिसे कुछ वर्षों पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी-गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही के द्वारा बंद करा दिया गया। उक्त विद्यालय को बंद किये जाने के विरूद्ध माननीय छ.ग. उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका (पी.आई.एल.) क्रमांक-92/2022, 58/2022 एवं 93/2020 प्रस्तुत हुआ था जिसमें सुनवाई पश्चात् मान. उच्च न्यायालय बिलासपुर के द्वारा दिनांक 06.07.2023 को छ.ग. शासन स्कूल शिक्षा विभाग को आदेश पारित किया गया था कि, छ.ग. शासन हिन्दी माध्यम से अध्ययनरत् छात्रों के लिए पूर्व में संचालित शालाओं में ही अध्यापन की व्यवस्था करेगी।इस संदर्भ में छ.ग. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय छ.ग. के माध्यम से पूर्व में संचालित विद्यालय को यथावत् संचालन किये जाने का दिशा निर्देश जारी किया गया था। उक्त परिस्थिति में शासकीय कन्या पूर्व माध्य. शाला सेमरा, विकासखण्ड-गौरेला को पुनः प्रारम्भ किया जाना उचित होगा।

शिक्षिका के स्थानांतरण की भी रखी मांग

इसके अलावा ग्राम सेमरा के सरपंच तूफान सिंह एवं सभी पांचों तथा ग्रामीणों ने कलेक्टर से अंग्रेजी माध्यम आत्मानंद विद्यालय सेमरा में पदस्थ एक विवादित शिक्षिका के स्थानांतरण की भी मांग रखी है।

लता भूषण पाली बनी निर्विरोध अक्ष्यक्ष

तखतपुर 23 जून (देशबन्धु)। गडरिया ढेंगर समाज के जिला स्तरीय चुनाव रविवार को तखतपुर मंडी प्रांगण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत लोकमाता अहिल्या देवी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर की गई। तत्पश्चात समाज के महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुआ। जिसमें लता भूषण पाली को महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया। इसके साथ मीरा पाली को जिला सचिव एवं अंजू पाली को कोषाध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं युवा प्रकोष्ठ से कोमल पाली को अध्यक्ष, अनिल पाली को जिला सचिव तथा गोविंद पाली को कोषाध्यक्ष निर्विरोध रूप से चुना गया।।चुनाव प्रक्रिया जिला अध्यक्ष पन्ना पाली के नेतृत्व में सम्पन्न हुई जिसमें जिला सचिव प्रदीप पाली एवं कोषाध्यक्ष लक्ष्मण पाली का विशेष योगदान रहा। बैठक में प्रदेश मीडिया प्रभारी नारायण प्रसाद पाली, जिला मीडिया प्रभारी निलेश धनकर, बिलासपुर नगर अध्यक्ष मनोज धनकर, तखतपुर नगर अध्यक्ष डॉ. नवीन पाली, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय पाली, भूषण पाली, प्रज्ञा पाली, सुखचंद पाली, नवीन पाली, मोहित पाली, कृष्ण पाली, पवन पाली, विदेशी धनकर, लखन धनकर, बलबीर धनकर निर्मला धनकर, प्यारी बाई धनकर, भुवनेश्वरी धनकर, प्रतिभा धनकर सहित अन्य उपस्थित रहे।

हाई स्कूल सिलतरा मे शाला प्रवेशोत्सव संपन्न

तखतपुर 23 जून (देशबन्धु)। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान का माध्यम नही बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक चेतना, और राष्ट्र निर्माण की नींव है। इसी विचार को आत्मसात करते हुए शासकीय हाई स्कूल, मिडिल तथा प्राथमिक शाला सिलतरा मे संयुक्त रूप से शाला प्रवेशोत्सव संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ मे माँ सरस्वती के छाया चित्र पर द्वीप प्रजवालित एवं माल्यार्पण किया गया। शिक्षकों ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया तथा छात्राओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। नव प्रवेशी बच्चों का परारम्परिक तरीके से स्वागत हुआ उन्हे तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया गया इस अवसर पर विद्यार्थियों को निः शुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित जिला पंचायत उपाध्यक्ष ललिता संतोष कश्यप ने कहा कि नये शिक्षा सत्र के प्रारम्भ मे विद्यालय का वातावरण एक पर्व के रूप मे आभाष होता है, जिसमे बच्चों के अलावा उनके अभिभावक तथा जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होते हैँ, वास्तव मे प्रवेश उत्सव शिक्षा का महापर्व है।

कर्यक्रम की अध्यक्षता कर रही जनपद पंचायत अध्यक्ष माधवी वस्त्रकार ने कहा कि हमे अपने जीवन मे बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करनी चाहिए जिससे हम और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित हो सके, जो लोग मजबूत संकल्प और सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य तय करके काम करते हैँ उन्हे देर से से ही सहीं लेकिन कामयाबी जरूर मिलती है।

संस्था के प्राचार्य भागवत जायसवाल ने स्वागत उदबोधन मे बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ देते कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है तथा सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा वे शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं और अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। प्रवेशोत्सव का संचालन व्याख्याता राकेश डहरे तथा आभार प्रदर्शन प्रधान पाठक गणेश शिवहरे ने किया।

कार्यक्रम मे - ललिता संतोष कश्यप, माधवी वस्त्रकार, सरपंच सत्यभामा साहू,संतोष कश्यप हेतराम कश्यप, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू , सुनील साहू, राकेश भरद्वाज,शशिकांत सोनी, अखिलेश मिश्रा, मंजुला तिवारी, अशोक मिश्रा, नलिनी साहू, नितेश सिंगरौल, शाला विकास समिति के सभी सदस्य, अभिभावकगण स्थानीय जन प्रतिनिधि, पंचगण, ग्रामवासी, छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

मुंगेली 23 जून (देशबन्धु)। जनसंघ के संस्थापक और भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में सोमवार, 23 जून को भाजपा कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकतंत्र सेनानी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारिका जायसवाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा मानते थे और उन्होंने संसद में धारा 370 के विरोध में मुखर स्वर उठाया था। अगस्त 1952 की विशाल रैली में उन्होंने ऐलान किया था— (या तो मैं आपको भारतीय संविधान दिलाऊंगा या फिर इसके लिए अपने प्राणों का बलिदान दूंगा।) जिला मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश आईटी सेल कार्यसमिति सदस्य सुनील पाठक ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने 1953 में बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, जहां उन्हें गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया गया। 23 जून 1953 को उनकी जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। नगर मंडल के पूर्व महामंत्री रामशरण यादव ने डॉ. मुखर्जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। युवामोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य यश गुप्ता ने उनके ऐतिहासिक नारे— (एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे)— को आज भी प्रासंगिक बताया। जिला कार्यालय मंत्री कोटूमल दादवानी, गणेश बाजपेयी सहित अन्य वक्ताओं ने भी श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन नगर मंडल महामंत्री मन्नूलाल श्रीवास्तव ने किया, आभार नगर मंडल महामंत्री महावीर सिंह ने व्यक्त किया।इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री श्रीमती सरस्वती सोनी, श्वेता सोनी, गायत्री भोई, रितिमा लाल, यशोदा यादव, रमेश बुनकर, विजय यादव, सुनील सोनी, हीरालाल साहू, शैलेंद्र यादव, अनूप जैन, होरीलाल सोनकर, राहुल पाठक, रविंद्र केशरवानी, प्रमोद जांगड़े, विजेंद्र देवांगन, पवन मिश्रा, संतोष लखवानी, हरीश दरड़ा, सचिन यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ईरान ने इजरायल पर लगाई ...

एक 'रणनीतिक बुनियादी ढांचा सुविधा'के पास टकराई जिससे क्षेत्र के कई शहरों में अस्थायी रूप से बिजली गुल हो गई।

इजरायल ने ईरान की जेल पर किया हमला-तेल अवीव। ईरान की राजधानी तेहरान में एविन जेल पर इजरायली वायुसेना ने हमला किया है। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, यह हमला जेल के प्रशासनिक, सुरक्षा और अदालत खंडों को निशाना बनाकर किया गया। इस जेल को लंबे समय से राजनीतिक दमन का प्रतीक माना जाता है। इजरायली हमले में एविन जेल के मुख्य द्वार क्षतिग्रस्त हो गये। फिलहाल, कैदी सुरक्षित हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) के आधिकारिक मीडिया तस्नीम समाचार ने बताया कि उत्तरी तेहरान के एविन पड़ोस में एक विद्युत फीडर पर हमला किया गया जिससे इलाके में बिजली की आपूर्ति ठप हो गई। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने आज कहा, अब इजरायली सेना तेहरान के बीचों-बीच ईरानी सरकार के प्रतिष्ठानों और दमन करने वाले कार्यालयों पर जबरदस्त हमला कर रही है। उन्होंने कहा है कि इजरायल पर हर हमले के बदले ईरानी तानाशाह को सजा दी जाएगी, और हमारी जवाबी कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी।

ईरान अमेरिकी हमलों के बाद ले सकता है प्रतिशोध : गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमलों के बाद चेताया कि ईरान इन हमलों का प्रतिशोध ले सकता है।श्री गुटेरेस ने संयुक्त सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमला पहले से संकटग्रस्त क्षेत्र को और खतरनाक मोड़ पर ले आया है। उन्होंने कहा, मैंने इजरायल-ईरान संघर्ष के आरंभ से ही पश्चिमी एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने की बार-बार निंदा की है, क्योंकि वहां के लोग अब और विनाश नहीं झेल सकते। अब बदले की कार्रवाई का अंतहीन सिलसिला शुरू होने का खतरा है।

मुख्यमंत्री पर सीधा हमला ...

वहीं बैठक के दौरान कुछ वरिष्ठ नेताओं ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें तो किसी तरह की जिम्मेदारी ही नहीं दी जा रही है। जबकि सीनियर नेताओं के अनुभवों का लाभ लेना चाहिए। लेकिन देखने में यह मिल रहा है कि वरिष्ठ नेताओं की ठीक से पूछ-परख नहीं हो रही है। ऐसे में समन्वय कैसे बनेगा ?

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट की मौजूदगी में यह बैठक आयोजित थी।करीब डेढ़ घण्टे तक यह बैठक चली। बैठक में नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत,प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष दीपक बैज सहित कई पूर्व मंत्री, कई पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

स्त्री रोग विशेषज्ञ ...

जिसके बाद वार्ड ब्वॉय द्वारा दिए गए इंजेक्शन और पानी पिलाने के बाद उसकी हालत और बिगड़ गई, लेकिन समय पर कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं था। दर्द से कराहती साक्षी की कुछ देर बाद मौत हो गई। इस दौरान स्टाफ द्वारा परिजनों से दुर्व्यवहार भी किया गया।

निधन

राजकिशोर कौशिक

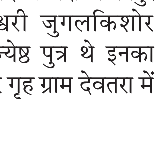

तखतपुर। ग्राम देवतरा निवासी राजकिशोर कौशिक (जीत्तू) 35 वर्ष का 23 जून को निधन हो गया है। वे पूर्व जनपद अध्यक्ष तखतपुर श्रीमती राजेश्वरी जुगलकिशोर कौशिक के ज्येष्ठ पुत्र थे इनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम देवतरा में किया गया।

डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान एवम् राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण प्रेरणाश्रोत -प्रणव मरपच्ची

गौरेला पेंड्रा मरवाही 23 जून (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी जिला गौरेला,पेंड्रा,मरवाही द्वारा जिला भाजपा कार्यालय गौरेला में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई गई। भारत माता, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवम् पं. दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र में माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलंन एवम् वंदे मातरम से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवन चरित्र एवम् राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुये मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रणव कुमार मरपच्ची ने कहा की डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एक महान नेता, शिक्षाविद् और देशभक्त थे। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की और जम्मू-कश्मीर के लिए एक अलग संविधान और झंडे के विरोध में आवाज उठाई। उनकी बलिदान और राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने भारतीय राजनीति में राष्ट्रवाद की विचारधारा को मजबूत किया और शिक्षा, संस्कृति, और सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी शहादत 1953 में जम्मू-कश्मीर में हुई थी, जो आज भी याद की जाती है।जिला भाजपा अध्यक्ष लालजी यादव,किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजलाल सिंह राठौर, जिला मीडिया प्रभारी बालकृष्ण अग्रवाल, बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओं के जिला संयोजक मथुरा सोनी ने भी महान शिक्षा विद,चिंतक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व पर विस्तार से बताते हुये उन्हें सच्चा देशभक्त बताया जिन्होंने अखण्ड भारत हेतु अपना बलिदान कर दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामन्त्री राकेश चतुर्वेदी ने एवम् आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के सह संयोजक छोटेलाल सोनी ने किया।

इस अवसर पर पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष कन्हैया सिंह राठौर, नगरपालिका अध्यक्ष मुकेश दुबे,कुबेर सिंह सर्राटी, नीरज जैन, दिलीप यादव, द्वारिका प्रसाद सोनी,दयाचंद पोर्ते,संदीप जायसवाल, पवन पैकरा,अजय तिवारी,कमलेश यादव,अजय रजक, राजकुमार पुरी, डा. लुशनसिंग राठौर,दिनेश मरावी, भूधर सोनी, शिव शर्मा,आयुष मिश्रा,घनश्याम राठौर, निर्मोण जायसवाल, जीवन सिंह राठौर, अरुण तिवारी हुकुम यादव, हेमराज राठौर,अजय राय,दिलेश्वं सिंह राजपूत उपेंद्र शर्मा,,आदित्य गुप्ता, राम बहादुर सिंह कामता यादव आश्विन चतुर्वेदी रोहित गुर्जर आनंद साहू , दीपक शर्मा,जितेंद्र गुर्जर,रंजीत गुर्जर,जगमोहन सोनी,रजनीश तिवारी,गणेश यादव,हरेंद्र राठौर मनीष सोनी सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवम् कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार अकलतरा
जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
// ईश्तहार //

क्रमांक/ क्यू./ तह./ वा./ 2025
अकलतरा, दिनांक 19/06/2025
रा.प्र.क्र. ..../ ब-121/ 2025
ग्राम कटघरी प.ह.नं. 11

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता आवेदक सहदेव पिता कुंजराम जाति कंवर ग्राम कटघरी थाना अकलतरा तहसील अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) ने आवेदन मय शपथपत्र पेश कर निवेदन किया है कि उनके पुत्र वीरू कंवर पिता सहदेव की जन्म दिनांक 10.10.2004 को ग्राम कटघरी में हुआ पर भूलवश जन्म पंजीयन ग्राम कटघरी में नहीं करा पाने के कारण जन्म पंजीयन दर्ज कर प्रमाण पत्र की मांग किया गया है, जिसका प्रकण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 04/07/2025 को दावा आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के सीलमुहर द्वारा जारी किया गया।

सील
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
अकलतरा (छ.ग.)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
विवाह प्र.क्र. / ब-121/ 2024-2025
ग्राम- पोड़ीराछा तहसील-नवागढ़
// ईश्तहार //

आवेदक मिनेश कुमार उम्र 23 वर्ष पिता श्री लखनलाल केंवट जाति केंवट निवासी पोड़ीराछा तहसील व थाना नवागढ़ जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) एवं आवेदिका तासु उम्र 22 वर्ष पिता श्री त्रिलोचन बंजारे जाति सतनामी निवासी कोटिया तहसील व थाना नवागढ़ जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

बनाम

छत्तीसगढ़ शासन

आम जनता ग्राम पोड़ीराछा तहसील नवागढ़ जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक मिनेश कुमार उम्र 23 वर्ष पिता श्री लखनलाल केंवट जाति केंवट निवासी पोड़ीराछा तहसील व थाना नवागढ़ जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) एवं आवेदिका तासु उम्र 22 वर्ष पिता श्री त्रिलोचन बंजारे जाति सतनामी निवासी कोटिया तहसील व थाना नवागढ़ जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत आशयित विवाह की सूचना आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः इस संबंध में किसी को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वह अपनी दावा/ आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 09.07.2025 को 11.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.05.2025 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
विवाह अधिकारी
जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

कार्यालय प.ह.नं. 60 उसलापुर तहसील सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.)
// सीमांकन सूचना //

प्रति,
1. श्री बरातू मरावी पिता सालिकराम मरावी, 2. सुभाष पटेल पिता गनपत, 3. एम.आर.ध्रुवे पिता अर्जुन, 4. सीमा मरावी पति परमेश्वर, 5. रजनी मिश्रा पति प्रमोद मिश्रा, 6.मनकी श्रीवास पिता मुण्डा श्रीवास 7.सुमित एक्का पिता राजेश एक्का, 8. अन्य संबंधित/ समीपस्थ भू-स्वामी।

विषयः- सीमांकन/ बटांकन / स्थल निरीक्षण में उपस्थित रहने बाबत्।

संदर्भः- न्यायालय तहसीलदार/ अति.तह./ ना.तह. सकरी के ज्ञापन दिनांक 29/04/2025

संदर्भित विष्यांतर्गत ज्ञापन के पालन में ग्राम उसलापुर प.ह.नं. 60 रा.नि.मं. सकरी तह. सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.) के अंतर्गत खसरा नं. 323/2 रकबा 0.0220 हे. भूमि स्वामी बरातू पिता सालिकराम निवासी उसलापुर के द्वारा सीमांकनद्य बटांकन/ स्थल निरीक्षक का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूमि का सीमांकन/ बटांकन / स्थल निरीक्षण दिनांक 25/06/2025 को लगभग 11.00 से 5.00 बजे किया जावेगा।

अतः आप समीपवर्ती भूमि संबंधी दस्तावेज सहित नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होवें। अनुपस्थिति की दशा में आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगा। अतः सूचना जाने।

टीपः- विशेष परिस्थिति में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन/ बटांकन / स्थल निरीक्षण तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

पटवारी
ह.नं. 60
उसलापुर तहसील सकरी
जिला बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र./ निर्माण/ 2025 दिनांक 19.06.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र 51 अंतर्गत प्रा.शाला डांडपारा में नवीन भवन का निर्माण कार्य (जि.ख.न्या.मद) (द्वितीय निविदा)	16.95	08.07.2025 (T.No. 170310)
2	वार्ड क्र 51 स्यामुड़ी शा.प्रा.शाला आश्रम स्याहीमुड़ी में नवीन भवन का निर्माण कार्य (जि.ख.न्या.मद) (द्वितीय निविदा)	16.95	08.07.2025 (T.No. 170311)

उपरोक्त कार्यो की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कोटा जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
ई.प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(तृतीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 170286 निविदा सूचना क्र. 07/ व.ले.लि./ ई-प्रोक्यूरमेंट/ 2025-26 दि. 20.06.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 07-07-2025 17:30 बजे तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम- बिलासपुर जिले के लोवर मनियारी व्यपवर्तन योजना के ऊंचाई में वृद्धि एवं नहर लाईनिंग कार्य।

अनुमानित लागत - रू. 356.66 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27-06-2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

जी-252601720/2
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कोटा
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

देश

उवाच “ इंडिया ब्लॉक में सब कुछ ठीक है। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीट बंटवारे को लेकर भी चर्चा हुई है। कांग्रेस कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इसे आने वाले दिनों में तय कर लिया जाएगा। चुनाव से संबंधित जो भी फैसले लिए जाएंगे, मीडिया को जरूर बताया जाएगा।

–अखिलेश प्रसाद सिंह,कांग्रेस सांसद

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35`	3`
मुंबई	3`	26`
कोलकाता	29`	28`
चेन्नई	32`	29`

वित्तीय निगरानी तंत्र हो समावेशी व लोगों के सरोकारों के प्रति उत्तरदायी : ओम बिरला

- मुंबई स्थित विधान भवन सभागृह में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का किया उद्घाटन
- प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण व जन-केंद्रित शासन के माध्यम से वित्तीय निगरानी को मजबूत करने का किया आह्वान

नई दिल्ली/मुंबई, 23 जून (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और जन–केंद्रित शासन के माध्यम से वित्तीय निगरानी को मजबूत करने का आह्वान किया। सार्वजनिक व्यय में अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता सुनिश्चित करने में वित्तीय अनुशासन के महत्व को रेखांकित करते हुए बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि शासन को लोगों की जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वित्तीय निगरानी तंत्र न केवल प्रभावी हो बल्कि समावेशी और लोगों के सरोकारों के प्रति उत्तरदायी भी हो। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक व्यय का मूलमंत्र दक्षता, पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन है। बिरला ने सोमवार को महाराष्ट्र विधान भवन, मुंबई में संसद और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के विधानमंडलों की प्राक्कलन समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह टिप्पणियां कीं। इस सम्मेलन का आयोजन भारत की संसद की प्राक्कलन समिति के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर किया जा रहा है।

स्मारिका का किया विमोचन

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय संसद की प्राक्कलन समिति की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारिका का विमोचन भी किया। वित्तीय अनुशासन, प्रशासनिक दक्षता और प्रणालीगत सुधारों के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में इसकी उभरती भूमिका का प्रतिबिंब भी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दशकों से, समिति एक महत्वपूर्ण निगरानी तंत्र के रूप में विकसित हुई है जो बजटीय अनुमानों की जांच करती है, कार्यान्वयन का मूल्यांकन करती है और सरकार के कार्यों को बेहतर बनाने के लिए कार्रवाई योग्य सिफारिशें करती है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि समिति ने सचिवालय के पुनर्गठन, रेलवे की क्षमता एवं इसकी परिचालन क्षमता, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, गंगा नदी के कायाकल्प आदि सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में अग्रणी योगदान दिया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख करते हुई खुशी जताई कि सरकारों ने समिति की 90 से 95 प्रतिशत सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री, देवेन्द्र फडणवीस; महाराष्ट्र के उप–मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे और अजित पवार; महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति, राम शिंदे; महाराष्ट्र विधान सभा के अध्यक्ष, राहुल नार्वेकर तथा भारतीय संसद की प्राक्कलन समिति के सभापति, संजय जायसवाल ने इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट जन समूह को संबोधित किया। राज्यसभा के उप–सभापति, हरिवंश तथा महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता, अंबादास दानवे उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे। बिरला ने राज्य विधानमंडलों की प्राक्कलन समितियों के सभापतियों से राज्य स्तर पर वित्तीय जवाबदेही के संरक्षक के रूप में कार्य करने का आह्वान किया।

सार्वजनिक व्यय का मूलमंत्र दक्षता, पारदर्शिता व वित्तीय अनुशासन : ओम बिरला

संसदीय समितियां वाद-विवाद, चर्चा व जवाबदेही सुनिश्चित करने का मंच : लोस अध्यक्ष

इस बात का उल्लेख करते हुए कि संसदीय समितियां गहन वाद–विवाद, रचनात्मक चर्चा और कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करती हैं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि यह समितियां राजनीतिक विचारधाराओं से परे ज्ञानप्रद विचार–विमर्श को बढ़ावा देकर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय समितियों का उद्देश्य विरोध करना या आरोप लगाना नहीं है, बल्कि नीतियों और सरकारी कामकाज की जांच करना तथा आम सहमति एवं विशेषज्ञतापूर्ण सिफारिशों के माध्यम से बेहतर शासन में योगदान देना है। उन्होंने संसदीय समितियों के कामकाज में डिजिटल टूल्स, डेटा एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का समर्थन किया, ताकि गहन जांच की जा सके और साक्ष्य–आधारित सिफारिशें की जा सकें।

युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं : जगदंबिका पाल

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। ईरान–इजराइल में बढ़ रहे तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ फोन पर बातचीत में शांति से मुद्दों को सुलझाने की अपील की है। उनकी इस बातचीत पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने सोमवार को कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा कहा है कि युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है। जगदंबिका पाल ने सोमवार ईरान–इजराइल के तनाव पर कहा कि पीएम मोदी चाहते हैं कि दोनों देशों में शांति बहाल हो। रूस–यूक्रेन संघर्ष के दौरान भी पीएम मोदी की पहल को दुनिया ने देखा है। उनके नेतृत्व में भारत की विदेश नीति लगातार गुटनिरपेक्षता और संतुलित कूटनीति के रास्ते पर रही है। जब से पीएम मोदी ने नेतृत्व संभाला है, उन्होंने दुनिया भर में शांति की सक्रिय रूप से वकालत की है। युद्ध कभी भी किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं हो सकता है, समाधान सिर्फ शांति से ही होगा।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को वाराणसी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ–साथ प्रत्येक राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री भाग लेंगे। राज्यों के मुख्य सचिव और केन्द्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे। मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्य शामिल हैं। बैठक का आयोजन गृह मंत्रालय में अंतर–राज्य परिषद सचिवालय और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 की धारा 15 से 22 के अंतर्गत पांच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री इन पांचों क्षेत्रीय परिषदों के अध्यक्ष हैं। सदस्य राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप–राज्यपाल और प्रशासक इनके सदस्य हैं जिनमें से सदस्य राज्यों से एक राज्य के मुख्यमंत्री (हर साल बारी–बारी से) उपाध्यक्ष होते हैं। प्रत्येक सदस्य राज्य से राज्यपाल द्वारा दो मंत्रियों को परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले संबन्धित क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है। स्थायी समिति में विचार के बाद शेष मुद्दों को क्षेत्रीय परिषद की बैठक में विचार के लिए प्रस्तुत किया जाता है। क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकारी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ये विभिन्न क्षेत्रों में आपसी समझ और सहयोग के स्वस्थ बंधन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित हुई हैं।

सभी राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से पिछले ग्यारह वर्षों में विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 61 बैठकें की गई हैं।

- सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के संग प्रत्येक राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री लेंगे भाग

सार संक्षेप

बिहार की यात्रा पर रहेंगे जगदीप धनखड़

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को बिहार की यात्रा पर रहेंगे और मुजफ्फरपुर के एल.एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि होंगे। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि धनखड़ 24 जून को बिहार के मुजफ्फरपुर जाएंगे। इस दौरान वह भगवानपुर स्थित एल.एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के स्थापना दिवस में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। धनखड़ छात्रों और संकाय सदस्यों से बातचीत भी करेंगे।

बाबा साहब की मूर्ति के खिलाफ साजिश संविधान पर हमला : पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना को लेकर खड़ा किया गया विवाद अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पटवारी ने भोपाल में आयोजित ‘संविधान सत्याग्रह’ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना को लेकर खड़ा किया गया विवाद यह संविधान विरोधी ताकतों की सुनियोजित साजिश है, जो देश के मूलभूत सिद्धांतों को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं।

गडकरी ने सरस्वती कराड अस्पताल का किया उद्घाटन

पुणे। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सेवा को सर्वोच्च गुण बताते हुए इसे समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया है। उन्होंने यहां सरस्वती कराड अस्पताल के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते आम लोगों और गरीब लोगों की खुशियों में इजाफा करने की दिशा में पहल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए दूरदर्शिता बहुत महत्वपूर्ण है और इसमें सरकार के साथ-साथ अब समाज को भी ‘समाज’ के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवा और संस्कृति के माध्यम से ही गरीबों की सेवा की जानी चाहिए।

ग्रामीण विकास मंत्री का जनता दरबार आज

रांची। झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह मंगलवार को जनता दरबार में जन समस्याओं को सुनेंगी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्री सिंह अब 24 जून को कांग्रेस भवन में जनता दरबार में जन समस्याओं को सुनेंगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉक्टर इरफान अंसारी का कांग्रेस भवन में जनता दरबार आयोजित हुआ था।

मंगल पांडेय के खिलाफ जन सुराज पार्टी के नेताओं ने किया प्रदर्शन

पटना, 23 जून (देशबन्धु)। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के खिलाफ जन सुराज पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया और उनके आवास का घेराव कर दिया। पटना में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के खिलाफ हल्ला बोलने सड़क पर उतरे जन सुराज के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए मंत्री के आवास के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती पहले से की गई थी। पुलिस ने जन सुराज के कार्यकर्ताओं को तितर–बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया। जन सुराज के कार्यकर्ताओं को मंगल पांडेय के आवास के पास से हटाने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ीं। जन सुराज के कार्यकर्ता स्वास्थ्य मंत्री को पद से हटाए जाने की मांग कर रहे थे। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी रेप कांड मामले में पीड़िता की मौत के बाद जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं का आरोप था कि पीएमसीएच में पीड़िता का सही समय पर इलाज नहीं हुआ जिसके कारण उसकी मौत हो गई। पीड़िता की मौत के बाद जन सुराज पार्टी ने बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए थे। जन सुराज पार्टी ने बिहार में खराब स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के आवास का घेराव करने पहुंचे जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, उपाध्यक्ष ललनजी, पूर्व विधायक किशोर कुमार सहित अन्य नेताओं और कार्यकर्ता को पुलिस ने हिरासत में लिया।

- बिहार के स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की

देश की प्रगति में भागीदार रहा आईसीएमएआई

- राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने आईसीएमएआई के राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई) के राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह में कहा कि आईसीएमएआई देश की प्रगति में भागीदार रहा है क्योंकि यह नीति निर्माताओं, केंद्र और राज्य सरकारों के साथ–साथ विभिन्न संगठनों को लागत–कुशल रणनीतियां, प्रणालियां और मैनुअल विकसित करने में मूल्यवान सहायता प्रदान करता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जलवायु परिवर्तन के संकटों के मद्देनजर लेखाकारों से पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखने पर जोर देते हुए कहा है कि उनकी जिम्मेदारियां वित्तीय लेखांकन से कहीं आगे हैं। मुर्मु ने सोमवार को यहां भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई) के राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह में कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना कर रही है और सतत विकास अब एक नारा नहीं है यह एक जरूरत बन गई है। उन्होंने कहा कि बदली हुई परिस्थितियों में लेखाकारों की भूमिका और जिम्मेदारी भी बदल गई है। उन्होंने कहा कि वह समय बीत चुका है जब कॉर्पोरेट संगठन केवल लाभ के उद्देश्य से काम करते थे। अब उन्हें पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखना होगा। और यहीं पर सीएमए अपने कौशल के साथ ग्रह के भविष्य में एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों को यह ध्यान रखने की सलाह दी कि उनकी जिम्मेदारियां वित्तीय लेखांकन से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उन्होंने कहा कि लागत लेखाकार के रूप में वह 2047 तक देश के विकास में योगदान देने के लिए अद्वितीय स्थिति में हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईसीएमएआई द्वारा दी जाने वाली शिक्षा उन्हें न केवल सफल पेशेवर बनने में सक्षम बनाएगी, बल्कि राष्ट्र–निर्माता भी बनाएगी।

जलवायु परिवर्तन के संकट को देखते हुए पर्यावरणीय लागतों पर भी ध्यान दें लेखाकार : मुर्मु

राष्ट्रपति ने लेखाकारों के महत्व का किया उल्लेख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लेखाकारों के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि लेखांकन और जवाबदेही गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम जवाबदेही को महत्व देते हैं, इसलिए हम लेखांकन को विशेष महत्व देते हैं। भारतीय लागत लेखाकार संस्थान आधुनिक समय में इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहा है। देश में लागत और प्रबंधन लेखाकारों के पेशे के नियमन तथा विकास के लिए आईसीएमएआई की स्थापना 1944 में की गई थी। यह संस्थान स्वतंत्रता के बाद भारत के आर्थिक परिवर्तन की गाथा का गवाह होने के साथ साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जगन रेड्डी ने की नायडू की आलोचना

विजयवाड़ा, 23 जून (एजेंसियां)। आन्ध प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर राज्य की राजनीति के स्तर को गिराने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी हालिया रेंटापल्ला यात्रा पर जानबूझकर रोक लगाई गई थी। उन्होंने पूछा कि विपक्षी नेताओं को अपने समर्थकों से मिलने या किसानों व नागरिकों के साथ एकजुटता दिखाने से क्यों रोका जा रहा है। जब वह सत्ता में थे तब मुख्यमंत्री चंद्रबाबू या पवन कल्याण को ऐसी रोक का सामना नहीं करना पड़ा। रेड्डी ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया और कहा कि इससे सिर्फ लोकतंत्र को ही नहीं, बल्कि बुनियादी शालीनता को भी खतरा है।

मेरी जान को खतरा : तेज प्रताप

- अपनी सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

पटना, 23 जून (देशबन्धु)। बिहार की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनकी जान को खतरा है।

दरअसल, सोमवार सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अध्यक्ष पद के लिए अपने परिवार के साथ औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया। इसके बाद राजनीति में हलचल था। इस बीच मीडिया के सामने आकर तेज प्रताप यादव ने अपने दर्द को बयां किया है। तेज प्रताप यादव ने साफ शब्दों में कहा कि अभी मैं असुरक्षित महसूस कर रहा हूं। राजद के अंदरूनी कलह पिछले कुछ वर्षों से सुर्खियों में रही है। तेज प्रताप यादव ने कई बार सार्वजनिक मंचों से अपनी नाराजगी और असहमति व्यक्त की है। उन्होंने खुद को दरकिनार किए जाने का आरोप भी लगाया है। पार्टी से निलंबन के बाद यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने गंभीर आरोप लगाए हैं और अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि तेज प्रताप का यह बयान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजद की रणनीति और आंतरिक एकता पर सवाल खड़े कर सकता है।

सरकार से की सुरक्षा की मांग

पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि मेरी सुरक्षा बढ़ाई जाए क्योंकि मेरी जान को खतरा है। हमारा स्टैंड बिल्कुल क्लियर है, हम अपने स्टैंड से पीछे नहीं हटेंगे। जो लोग भी चार-पांच मिलकर मेरे जीवन को बर्बाद करने का काम कर रहे हैं, चाहे उन्होंने मेरे निजी जीवन को उजागर करने की कोशिश की हो, उन लोगों को मैं नहीं छोड़ूंगा। वहीं, उन्होंने अपने पिता के लिए कहा कि पिता जी को मेरी शुभकामनाएं। उनको मेरी भी आयु लगे। उनका भविष्य उज्ज्वल हो। तेजस्वी आगे बढ़े, बिहार के मुख्यमंत्री बनें, ये मेरा आशीर्वाद है।

ईडी के समन राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित : डी के सुरेश

बेंगलुरु,23 जून (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद डीके सुरेश ने सोमवार को आरोप लगाया कि ऐश्वर्या गौड़ा से जुड़े सोने की धोखाधड़ी के मामले में उन्हें तलब करने लिए प्रवर्तन निदेशालय की और से जारी नोटिस राजनीति से प्रेरित है। ईडी कार्यालय में पेश होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में सुरेश ने कहा उनका आरोपी से कोई वित्तीय या व्यक्तिगत संबंध नहीं है लेकिन वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और अपने वकील के माध्यम से जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने जो दस्तावेज मांगे हैं उनमें से कुछ मेरे लिए अप्रासंगिक हैं। मैं यह समझने में असफल हूं कि जब मेरा इस मामले से कोई संबंध नहीं है तो ऐसा नोटिस क्यों जारी किया गया। ऐश्वर्या गौड़ा सोने की धोखाधड़ी के एक मामले में मुख्य आरोपी हैं जिसके साथ उनके संबंध होने की गलत बात फैलाई गयी है। किसी ने उसे मेरी बहन बता दिया। लेकिन मैने खुद उसके खिलाफ दूसरों के साथ धोखाधड़ी करने के मामलों में पुलिस उपायुक्त के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

गुजरात में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट

बनासकांठा, 23 जून (एजेंसियां)। गुजरात के कई जिलों में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। साथ ही मौसम विभाग ने बारिश के चलते मछुआरों को अगले पांच दिनों तक समुद्र में न जाने की सलाह दी है। वहीं, लोगों से सावधान रहने की भी अपील की गई है। मौसम विभाग के डॉ. अशोक कुमार दास ने बताया कि पूर्वानुमान के मुताबिक, गुजरात रीजन और सौराष्ट्र के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। इन क्षेत्रों में अगले सात दिनों में मध्यम से भारी बारिश की उम्मीद है। गुजरात रीजन और सौराष्ट्र के कई क्षेत्रों में येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम और कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। जिन क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, उनमें दाहोद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, पंचमहल, नर्मदा, सूरत, नवसारी, वलसाड और दादरा नगर हवेली शामिल हैं। सौराष्ट्र क्षेत्र के जूनागढ़, अमरेली, भावनगर और गिर सोमनाथ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, सौराष्ट्र–कच्छ के सुरेंद्रनगर, राजकोट और पोरबंदर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां भारी बारिश का पूर्वानुमान है। साथ ही कई क्षेत्रों में आंधी–तूफान की चेतावनी दी गई है। उन्होंने कहा कि गुजरात रीजन के गांधीनगर, अरावली, खेड़ा, अहमदाबाद, आणंद, पंचमहल, दाहोद और वडोदरा समेत कई जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

- गांधीनगर से वडोदरा तक जमकर बरसेंगे मेघ

चुनौती अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय सीमा का हीरानगर सेक्टर चुनौतीपूर्ण

बार्डर से लेकर नेशनल हाईवे तक भारी सुरक्षा बल तैनात

जम्मू, 23 जून (देशबन्धु)। सुरक्षाधिकारियों ने इसे स्वीकार किया है कि कई आतंकी हमलों और कई घुसपैठों का साक्षी रहा जम्मू संभाग के इंटरनेशनल बार्डर का हीरानगर सेक्टर इस बार अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती साबित हो सकता है। दरअसल हीरानगर सेक्टर से गुजरने वाला नेशनल हाईवे इंटरनेशनल बार्डर से कुछ ही किमी की दूरी पर है। यही कारण था की हीरानगर सेक्टर की संवेदनशीलता को देखते हुए।

सीमावर्ती इलाकों में भी चौकसी बढ़ा दी गई है। बार्डर से लगते गांवों से लेकर हाईवे तक हर गली, हर मोड़, हर मार्ग की कड़ी निगरानी की जा रही है। सुरक्षाबलों द्वारा पैदल गश्त भी बढ़ा दी गई है और स्थानीय स्तर पर खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया गया है।

इसे भूला नहीं जा सकता कि इस बार की अमरनाथ यात्रा सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। प्रशासन ने हर स्थिति से निपटने की रणनीति तैयार कर ली है। ड्रोन की मदद से संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। हीरानगर सेक्टर के कुछ हिस्सों में हाई–डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो सीधे कंट्रोल रूम को फीड भेज रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सेना भी हीरानगर के बार्डर क्षेत्रों में हाई अलर्ट पर है। अधिकारियों ने बताया कि इंटरनेशनल बार्डर से लगे हुए मार्गों पर स्पेशल चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं, ताकि किसी भी संभावित घुसपैठ या आतंकी गतिविधि को पहले ही रोका जा सके। सभी एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर लिया गया है और फील्ड अफसरों को नियमित रूप से ब्रीफिंग दी जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि अमरनाथ यात्रा आस्था का महापर्व है और इसमें किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सरकार और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हीरानगर सेक्टर में हर मोर्चे पर सतर्कता बरती जा रही है ताकि बाबा बर्फानी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालु निश्चिंत होकर अपनी यात्रा पूरी कर सकें। इस बीच सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर का दौरा कर अमरनाथ यात्रा के लिए की जा रही सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कश्मीर क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों और अधिकारियों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था और हालात की जानकारी ली। उनकी चर्चा और चिंता का विषय भी इस बार अमरनाथ यात्रा ही थी। भारतीय सेना के अनुसार, जनरल द्विवेदी को मौजूदा आपरेशनल स्थिति और रणनीतिक पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें यह भी दिखाया गया कि सेना किस तरह आधुनिक तकनीकों को अपने अभियानों में शामिल कर रही है, जिससे सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था और बेहतर हो रही है। सेना प्रमुख ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को पूरी सुरक्षा दी जाए और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर स्तर पर तैयारियां पूरी रहें। अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। पिछले साल करीब 4.5 लाख तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा के दर्शन किए थे।

- संवेदनशील क्षेत्रों की ड्रोन की मदद से की जा रही निगरानी

देशबन्धु
बिलासपुर, मंगलवार 24 जून 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

उपचुनावों में भाजपा को मात

चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सोमवार को आए, जिसमें केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। गुजरात की कड़ी और विसावदर विधानसभा सीट, पंजाब की लुधियाना सीट, केरल की नीलांबुर सीट और प.बंगाल की कालीगंज सीट पर 19 जून को मतदान हुआ था।

पंजाब में आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा और प.बंगाल में टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद को जीत मिली, यानी इन दो राज्यों में सत्तारुढ़ दलों के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। लेकिन गुजरात में भाजपा के लिए मामला फंस गया, क्योंकि यहां की कडी सीट पर तो भाजपा के राजेंद्र कुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावड़ा ने जीत दर्ज की है, लेकिन विसावदर सीट पर अब आप की जीत हुई है। आप प्रत्याशी गोपाल इटालिया ने भाजपा के कीर्ति पटेल को हराया है।

वहीं केरल में भी नीलांबुर सीट पहले एलडीएफ के पास थी, लेकिन अब उस पर कांग्रेस के आर्यदान शौकत को जीत मिली है। कुल पांच सीटों में भाजपा के पास केवल एक सीट आई है और एक सीट उसने गंवाई है। बेशक इन पांच सीटों से देश की मौजूदा सियासी तस्वीर पर तत्काल कोई असर पड़ते हुए नहीं दिख रहा है, लेकिन इसका दूरगामी परिणाम क्या हो सकता है, यह समझना कठिन नहीं है।

गुजरात की कुल 182 विधानसभा सीटों में भाजपा के पास 161 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 12 और आप के पास चार हैं। एक सीट समाजवादी पार्टी और दो निर्दलीय के पास है। लेकिन अब भाजपा की एक सीट घट गई है और आप की सीट अब पांच हो गई है। अगर इंडिया गठबंधन के लिहाज से देखें तो कुल 18 सीटें हो सकती हैं। हालांकि दिल्ली चुनाव में जिस तरह आप और कांग्रेस के बीच तल्खी बढ़ी जो अब पंजाब में भी देखी जा रही है, उसे देखकर कहना कठिन है कि इंडिया गठबंधन में अब आप और कांग्रेस की एकता कैसे कायम होगी। लेकिन अगर लोकसभा चुनावों में मिली जुली कोशिशें ये दल याद करेंगे तो उन्हें समझ आएगा कि भाजपा को हराने के लिए विपक्षियों में एकता कितनी जरूरी है।

वैसे गुजरात में भाजपा को बड़ा झटका इसलिए माना जा रहा है कि उसने जीती हुई सीट गंवा दी है। कडी सीट तो भाजपा विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी के निधन के कारण खाली हुई थी और वो अब भाजपा के पास ही है। लेकिन विसावदर में आप ने भाजपा के खेल का जवाब दे दिया है। यहां पहले आम आदमी पार्टी से ही भूपेंद्रभाई गंडूभाई भायानी विधायक बने थे, लेकिन दिसंबर 2023 में अपने पद से इस्तीफा देकर वो भाजपा में शामिल हुए थे। तब से ये सीट खाली है। इससे पहले साल 2022 में भाजपा के हारे प्रत्याशी हर्षद रीबडिया ने गुजरात हाईकोर्ट में भायानी की जीत को चुनौती दी थी। लेकिन अभी मार्च में हर्ष रीबाडिया ने अपनी याचिका वापस ले ली थी, तो उपचुनाव का रास्ता साफ हुआ और जनता ने एक बार फिर आप को ही मौका दिया। इस जीत से आप का ग्राफ थोड़ा और बढ़ गया है।

उधर पंजाब में तो आप की जीत का दोहरा असर होता दिख रहा है। आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल फरवरी 2025 में हुए दिल्ली चुनाव में अपनी सीट भी हारे थे और सत्ता भी गंवाई थी। तब से आप कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी टूटा हुआ दिख रहा था। इस बीच कई नेता भाजपा खेमे में शामिल हो गए थे। लेकिन पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर उपचुनाव से आप के हौसले अब सातवें आसमान पर हैं। पार्टी मुखिया ने इस संभावना से तो इंकार किया है कि वे संजीव अरोड़ा की खाली सीट पर राज्यसभा जाएंगे, लेकिन ये दावा उन्होंने किया है कि अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में आप की आंधी नहीं बल्कि तूफान आएगा, क्योंकि हमारे प्रत्याशी को पिछली बार की अपेक्षा दोगुने वोट देकर जनता ने हमारे काम पर मुहर लगाई है।

पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में आप के पास 91 सीटें हैं। जो अब 92 हो जाएंगी। कांग्रेस के पास 18, शिरोमणि अकाली दल के पास 3 सीट, बसपा 1 और बीजेपी की 2 सीटें हैं। एक विधायक निर्दलीय है। यानी केजरीवाल की आसान जीत तय है। मुख्यमंत्री न रहने और सत्ता जाने के बाद केजरीवाल के पास जो सरकारी सुविधाएं नहीं थीं, वो अब उन्हें मिल जाएंगी और उनके खिलाफ चल रहे केस में पुलिस को कार्रवाई के लिए अनुमति लेने की जरूरत पड़ेगी।

बात करें केरल की तो कांग्रेस का बढ़ता दबदबा और प्रियंका गांधी का असर दोनों नजर आ रहा है। केरल में 140 विधानसभा सीटों में सत्तारुढ़ एलडीएफ के पास 98 सीटें हैं। और कांग्रेस के यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के पास 41 सीटें हैं। नीलांबुर सीट से 2021 में एलडीएफ के समर्थन से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर पी.वी. अनवर विधायक चुने गए थे। लेकिन सितंबर 2024 में एलडीएफ से मतभेद के चलते 13 जनवरी 2025 को अनवर ने इस्तीफा दिया था और टीएमसी में शामिल हो गए थे। इस उपचुनाव में टीएमसी से ही अनवर फिर खड़े हुए थे, लेकिन कांग्रेस से आर्यदान शौकत ने अनवर समेत माकपा के एम. स्वराज और भाजपा के माइकल जॉर्ज प्रत्याशी तीनों को हरा मिली। यहां प्रियंका गांधी के दो दिनों के प्रचार ने सारी बाजी पलट दी। अब अगले साल होने वाले चुनावों में इसका असर देखने मिलेगा।

केरल में तो टीएमसी हारी, लेकिन प.बंगाल में उसका दबदबा कायम रहा। कुल 294 सीटों में इस समय 215 टीएमसी के विधायक हैं। भाजपा के पास 77 सीटें हैं। कांग्रेस का कोई भी विधायक नहीं है। कालीगंज सीट से टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद के निधन के बाद सीट खाली हुई। उपचुनाव में उनकी बेटी अलीफा अहमद को टीएमसी ने उम्मीदवार बनाया और उन्हें जीत मिली। इस तरह ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा का सारा दुष्प्रचार धरा का धरा रह गया।

कुल मिलाकर उपचुनावों में एक बार फिर इंडिया गठबंधन के दलों का ही दबदबा देखने मिला है, भले ही ये दल अलग-अलग लड़े, लेकिन भाजपा को हराया जा सकता है, ये संदेश जनता में गया है।

इमरजेंसी के पचास साल : मीडिया या तानाशाही की आंखों पर बंधी पट्टी

इंदिरा गांधी के जिस इमरजेंसी निजाम के अब पचास साल हो रहे हैं, उसकी एक प्रमुख निशानी बेशक उन कुख्यात इक्कीस महीनों में प्रेस का दमन और उसकी स्वतंत्रता का छीना जाना थी। खासतौर पर इमरजेंसी के शुरूआती दौर की याद करते ही हमें अखबारों और पत्रिकाओं के जगह-जगह से काले रंग से पुते हुए पन्ने याद आते हैं, जिनमें प्रकाश्य सामग्री के अनेक हिस्सों पर सेंसर तंत्र की कैंची चली थी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवत: पहली बार और अब तक अंतिम बार भी, बाकायदा एक सेंसरशिप तंत्र खड़ा किया गया था, जिसका काम हर छपने वाले शब्द को छपने से पहले जांचना था, ताकि तमाम प्रकाशित सामग्री का शासन की इच्छा के अनुकूल होना सुनिश्चित किया जा सके। याद रहे कि यह वह जमाना था जब जन माध्यम या मास मीडिया का दायरा, पत्र-पत्रिकाओं तक ही सीमित था। रेडियो जरूर तब तक एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका था, लेकिन वह पूरी तरह से शासन के नियंत्रण में था और एकदम शुरूआती दौर का टीवी भी। सिनेमा जरूर एक और स्वतंत्र माध्यम था और सभी जानते हैं कि इमरजेंसी के दौरान उसे भी नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की गयी थी। यह सब, खासतौर पर अपने तौर-तरीके में, देश के लिए तब तक पूरी तरह से अपरिचित ही था।

बहरहाल, यहां तक हमने जो तस्वीर दिखाई, वह प्रेस के साथ इमरजेंसी की तानाशाहीपूर्ण सत्ता के सलूक की तस्वीर है। लेकिन, यह सोचना सही नहीं होगा कि इमरजेंसी के दौर में प्रेस जो कर रही थी, उसकी यह प्रतिनिधि तस्वीर थी। बेशक, इमरजेंसी में प्रेस की स्वतंत्रता पर भीषण हमला हुआ था। इमरजेंसी के दौरान बेशक, पत्र-पत्रिकाओं में क्या छप सकता है, उसे बाकायदा सेंसर किया जा रहा था। लेकिन, बाहर से सेंसरशिप थोपे जाने की जरूरत अपने आप में इसका सबूत थी कि इमरजेंसी के दौरान प्रेस की कहानी, सत्ता के इस दमन की कहानी ही नहीं थी। वास्तव में इमरजेंसी के शुरूआती दौर की चाक्षुष स्मृति में काले रंग से रंगे हुए पन्नों की जो छवि सहज ही उभरती है, इस कहानी के सिक्के के दूसरे पहलू को सामने लाने वाली कहानी है, प्रतिरोध की कहानी। सेंसरशिप द्वारा काटे गए शब्दों/ वाक्यों/ पैराग्राफों की जगह खाली छोड़ा जाना या काले रंग से रंगकर प्रस्तुत किए जाना, प्रतिरोध की एक शानदार कहानी कहता था। इसके और प्रखर हिस्से के तौर पर अनेक अखबारों तथा पत्रिकाओं ने, शुरू के दिनों में पूरे-पूरे पन्ने खाली या काले कर के छोड़ दिए थे।

बेशक, कोई यह नहीं कह रहा है कि इमरजेंसी निजाम पर समूचे प्रेस की एक जैसी प्रतिक्रिया रही थी। हर्गिज नहीं। इस प्रतिक्रिया में भी भारतीय प्रेस की शानदार विविधता दिखाई देती थी। और यह दावा तो और भी नहीं किया जा सकता है कि शुरूआत में इमरजेंसी निजाम पर जिस तरह की प्रतिक्रिया प्रेस में देखने को मिली थी, इमरजेंसी के पूरे दौर में वैसी ही प्रतिक्रिया बनी रही थी। जाहिर है कि शुरूआती दौर में इमरजेंसी निजाम से और सबसे बढ़कर सेंसरशिप की उसकी व्यवस्थाओं से जिस तरह का 'शॉक' लगा था, उसका प्रभाव समय के साथ घटा था और एक हद तक इमरजेंसी का भी सामान्यीकरण हो गया था या उसे नया नॉर्मल मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही थी। फिर भी, इतना तो निश्चयपूर्वक कहा ही जा सकता है कि आमतौर पर प्रेस का रुख इमरजेंसी के खिलाफ था। आमतौर पर इमरजेंसी और उसकी व्यवस्थाओं को एक असामान्य स्थिति की तरह ही लिया जा रहा था, जिससे उबरने का बेसब्री से इंतजार था।

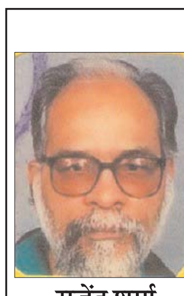

राजेंद्र शर्मा

वर्तमान सत्ता ने भी मीडिया को अपने खूंटे से बांधने के लिए साम-दाम-दंड-भेद, सभी हथियारों का खुलकर इस्तेमाल किया है। इस सब के सामने इमरजेंसी का सेंसरशिप का राज तो बच्चों का खेल नजर आता है। इमरजेंसी के प्रतिबंध ज्यादातर नकारात्मक थे, जो सरकार की आलोचनाओं को छानकर रोकने की कोशिश करते थे। मीडिया की वर्तमान घेरेबंदी आक्रामक है, जो मीडिया को सत्तापक्ष की ओर से हमले का हथियार बनाती है।

1977 के आरंभ में हुए चुनाव में इमरजेंसी और उसे लगाने वाली इंदिरा गांधी की जबर्दस्त हार में, प्रेस के इस आम तौर पर 'विरोधी' रुख ने कितनी मदद की होगी, यह तो कहना मुश्किल है। लेकिन, इतना तय है कि इंदिरा गांधी निजाम के इस हार को दूर-दूर तक भांप ही नहीं पाने के पीछे जरूर, जनता की आवाज शासन तक पहुंचाने के साधन के रूप में, प्रेस के अनुपस्थित ही होने की शायद सबसे बड़ी भूमिका रही थी। इंदिरा गांधी की इमरजेंसी उसी सिंड्रोम की शिकार थी, जिसकी शिकार सामान्य रूप से तानाशाहीपूर्ण व्यवस्थाएं होती हैं—जनता की मर्जी से असंबंध या उसके प्रति अंधता की शिकार। श्रीमती गांधी चुनाव में जीत की उम्मीद लगाए बैठी रहीं, जबकि जनता इस हद तक उन्हें ठुकराने का मन बनाए बैठी थी कि जब चुनाव के नतीजे आए तो कांग्रेस पूरे उत्तरी भारत में लोकसभा की सिर्फ दो सीटों पर सिमट कर रह गयी।

जैसा कि जानी-मानी पत्रकार, मानिनी चैटर्जी ने अपनी एक टिप्पणी में रेखांकित किया था, 2004 के आम चुनाव में एक बार फिर सत्ताधारी पार्टी को इसी प्रकार अप्रत्याशित हार का मुंह देखना पड़ा था। लेकिन, मानिनी ध्यान दिलाती हैं कि 1977 और 2004 की सत्ताधारी पार्टी की हारों में 'अप्रत्याशितता' के तत्व में एक बुनियादी अंतर था। 1977 की हार सत्ताधारी पार्टी के लिए इसलिए अप्रत्याशित थी कि उसे प्रेस के रूप में जनता की राय तक पहुंच ही हासिल नहीं थी, जबकि 2004 के चुनाव में उसकी हार इसलिए अप्रत्याशित थी कि तब तक जनसंचार की मुख्यधारा पर काबिज हो चुका इलेक्ट्रानिक मीडिया हालांकि मुख्यत: सत्ताधारी पार्टी के साथ था, फिर भी उसे आम लोगों की राय के बारे सही फीडबैक देने में असमर्थ था।

इमरजेंसी के बाद गुजरे पचास बरस में और 2004 के अप्रत्याशित नतीजे के बाद से गुजरे दो दशकों में, जाहिर है कि हमारे देश में मीडिया परिदृश्य में बहुत भारी बदलाव आए हैं। इसमें भी पिछले एक दशक में तो ये बदलाव और भी ज्यादा तेजी से हुए हैं। इन बदलावों में तीन तत्व मुख्य हैं। पहला यह कि परंपरागत मीडिया यानी पत्र-पत्रिकाओं के मुकाबले इलेक्ट्रानिक मीडिया का जबर्दस्त वर्चस्व कायम हो चुका है। दूसरा यह कि समूचे मीडिया परिदृश्य में इजारेदार पूंजीपतियों का बोलबाला हो गया है और इन इजारेदार पूंजीपतियों का लगभग पूरी तरह से वर्तमान सत्ताधारियों के साथ गठबंधन है। इस सूरत में, अपवादस्वरूप सोशल मीडिया को छोड़कर, स्वतंत्र मीडिया की लगभग कोई जगह ही नहीं बची है।

तीसरे, वर्तमान सत्ता ने भी मीडिया को अपने खूंटे से बांधने के लिए साम-दाम-दंड-भेद, सभी हथियारों का खुलकर इस्तेमाल किया है। इस सब के सामने इमरजेंसी का सेंसरशिप का राज तो बच्चों का खेल नजर आता है। इमरजेंसी के प्रतिबंध ज्यादातर नकारात्मक थे, जो सरकार की आलोचनाओं को छानकर रोकने की कोशिश करते थे। मीडिया की वर्तमान घेरेबंदी आक्रामक है, जो मीडिया को सत्तापक्ष की ओर से हमले का हथियार बनाती है। इन दस सालों में मीडिया को एक बहुत ही उपयुक्त परिचयात्मक नाम प्राप्त हुआ है—गोदी मीडिया। लेकिन, वास्तव में मीडिया की वर्तमान स्थिति को प्रतिबिंबित करने के लिए, गोदी मीडिया की संज्ञा भी अपर्याप्त लगती है। इसकी मुख्य वजह यह है कि सत्तापक्ष की जैसी आक्रामक सेवा अब इस गोदी मीडिया की आम पहचान बन चुकी है, गोदी मीडिया की संज्ञा उसे पूरी तरह से अभिव्यक्त करने में असमर्थ है।

हैरानी की बात नहीं है कि मीडिया पर सत्ताधारी गुट के लगभग मुकम्मल नियंत्रण के बावजूद, 2024 के आम चुनाव में, 2004 दोहराते-दोहराते बचा था। चार सौ पार का नारा लगाने वाली सत्ताधारी पार्टी ढाई सौ सीटों से भी नीचे रुक गयी और लोकसभा में अपने बूते बहुमत गंवा बैठी। जाहिर है कि सत्ताधारी पार्टी और उसके शीर्ष नेता के लिए, यह एक तगड़ा झटका था। फिर भी यह झटका 2004 या 1977 जितना निर्णायक नहीं बन सका, तो अन्य तमाम कारणों के लिए अलावा इसकी एक वजह, इस दौरान मीडिया के चरित्र में भारी बदलाव में हो सकती है। इसका तो हम पीछे जिक्र कर आए हैं कि किस तरह सत्ता की जेब में बैठे इजारेदारों के नियंत्रण से मुक्त रहने के अर्थ में 'स्वतंत्र मीडिया' को धकियाकर करीब-करीब बाहर ही कर दिए जाने के बाद, गोदी मीडिया का बोलबाला हो चुका है, जो सिर्फ मालिक की गोदी में सवार ही नहीं रहता है, मालिक के इशारे पर भौंकने और काटने वाला मीडिया भी है। और यह भोंकना और काटना सिर्फ राजनीतिक विपक्ष के खिलाफ ही नहीं है। यह भौंकना और काटना, तमाम जनतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों, संस्थाओं तथा तकाजों के खिलाफ बल्कि तमाम मानवीय मूल्यों के खिलाफ भी है।

इसका सबूत गज़ा से लेकर ईरान तक पर इजरायली-अमरीकी हमले के प्रति मीडिया की मुख्यधारा के रुख में मिल जाता है, जो बहुसंख्यक सांप्रदायिकता के रंग में रंगा हुआ है। यही चीज मीडिया को आम तौर पर सत्ताधारी पार्टी ही नहीं, बल्कि खासतौर पर संघ-भाजपा जोड़ी के हिंदुत्ववादी एजेंडे का हथियार बना देती है। इमरजेंसी के बाद गुजरे पचास साल में यही बड़ा बदलाव आया है। जहां इमरजेंसी में मीडिया आम तौर पर उसके साथ नहीं था बल्कि ज्यादातर उसके खिलाफ ही था, आज तब के मुकाबले हजारों गुना ताकतवर होने के बावजूद मुख्यधारा का मीडिया, सत्ताधारी गुट के, उसके एजेंडे के हित साधने का एक बड़ा, सक्रिय औजार बना हुआ है। वह तानाशाही का मीडिया था और यह उससे एक सीढ़ी ऊपर, नव-फासीवाद का मीडिया है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

मोदी और ट्रंप की दोस्ती का सुनियोजित मिथक क्लस्टर बम की तरह फटा

■ के रवींद्रन

पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कथित रूप से मजबूत दोस्ती के बारे में किसी भी तरह के भ्रम को तोड़ दिया गया- एक ऐसा रिश्ता जिसे वर्षों से वैश्विक मंच पर भारत के उदय के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा था।

हाउडी मोदी रैलियों और उत्साही सार्वजनिक इशारों के माध्यम से सावधानीपूर्वक कोरियोग्राफ की गयी रणनीतिक दोस्ती का मिथक आखिरकार तब खत्म हो गया जब ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की मेजबानी की और उसके बाद एक चौंकाने वाला बयान दिया। ट्रंप ने एक ऐसे लहजे में घोषणा की जिसमें भारत और पाकिस्तान के पास 'बहुत ही चतुर नेता' हैं और उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध विराम बनाये रखने का श्रेय उन्हें दिया। सतही तौर पर, यह एक कूटनीतिक शिष्टता की तरह लग रहा था। लेकिन पंक्तियों और निहितार्थों के बीच पढ़ने पर यह नई दिल्ली के लिए एक झटका है, खासकर मोदी के लिए, जिन्होंने एक विशेष ट्रंप-मोदी मित्रता बंधन की छवि बनाने में महत्वपूर्ण राजनीतिक पूंजी का निवेश किया था।

इस घोषणा ने उत्तरों से अधिक प्रश्न छोड़े। जब ट्रंप ने पाकिस्तान के दूसरे 'चतुर' नेता का उल्लेख किया तो उनका आशय वास्तव में किससे था? क्या यह नाममात्र के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ थे, जिनका प्रभाव व्यापक रूप से सैन्य प्रतिष्ठान के बाद दूसरे दर्जे का माना जाता है? या यह जनरल असीम मुनीर थे - वही व्यक्ति जिसकी ट्रंप ने अभी-अभी मेजबानी की थी? दोनों ही व्याख्याएं मोदी के लिए घातक हैं। अगर ट्रंप मुनीर की तुलना मोदी से करते हैं, तो वे एक प्रतिद्वंद्वी देश के सैन्य अधिकारी को भारत के निर्वाचित नेता के समान पद पर बिठा देते हैं। अगर यह शहबाज शरीफ़ हैं, तो वे एक ऐसे व्यक्ति का समर्थन कर रहे हैं जिसे पाकिस्तान की सेना ने राजनीतिक ढांचे में खड़ा किया है, जिसे मोदी अक्सर अस्थिर और समझौतावादी कहकर उनका उपहास करते रहे हैं। किसी भी मामले में, मोदी न केवल पाकिस्तान के नेतृत्व की तुलना में बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके कथित कद के मामले में भी कमतर नज़र आते हैं।

ट्रंप का स्नेह हमेशा के लिए नहीं, बल्कि किराये पर उपलब्ध है। जिस व्यक्ति ने कभी मोदी को 'महान व्यक्ति' और 'भारत का मित्र' कहा था, उसी व्यक्ति ने अपने राष्ट्रपति काल के दौरान, भारत से किसी अनुरोध के बिना कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया कि किसी भी विदेशी नेता या सिद्धांत के प्रति वफादारी व्यक्तिगत लाभ और रणनीतिक लचीलेपन से दूसरे स्थान पर आती है।

यह सिर्फ एक कूटनीतिक तिरस्कार नहीं है - यह एक राजनीतिक तमाशा है। सालों से, मोदी के समर्थक ट्रंप के साथ उनके संबंधों को भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव के सुबूत के रूप में पेश करते रहे हैं। टेक्सास और अहमदाबाद में जयकारे लगाती भीड़ के सामने हाथ मिलाते और हाथ हिलाते हुए दोनों नेताओं की छवि मोदी की वैश्विक राजनेता के रूप में स्थिति को पुख्ता करने वाली थी, न कि सिर्फ़ एक क्षेत्रीय शक्ति दलाल के रूप में। 'अबकी बार ट्रंप सरकार' एक नारे से कहीं ज़्यादा था; यह भारत के भाग्य को उस समय दुनिया के सबसे शक्तिशाली राजनीतिक ब्रांड से जोड़ने का एक प्रयास था। इसने घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे यह कहानी मजबूत हुई कि मोदी सत्ता से बराबरी की बात कर सकते हैं। लेकिन पिछले हफ्ते की घटनाओं ने उस दिखावे को खत्म कर दिया है। ट्रंप ने अपने खास अंदाज में दुनिया को याद दिलाया है कि वे दोस्ती नहीं करते। वे लेन-देन करते हैं।

ट्रंप का स्नेह हमेशा के लिए नहीं, बल्कि किराये पर उपलब्ध है। जिस व्यक्ति ने कभी मोदी को 'महान व्यक्ति' और 'भारत का मित्र' कहा था, उसी व्यक्ति ने अपने राष्ट्रपति काल के दौरान, भारत से किसी अनुरोध के बिना कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया कि किसी भी विदेशी नेता या सिद्धांत के प्रति वफादारी व्यक्तिगत लाभ और रणनीतिक लचीलेपन से दूसरे स्थान पर आती है। इसलिए जब ट्रंप अब पाकिस्तान के नेतृत्व की प्रशंसा करते हैं - नागरिक या सैन्य - तो ऐसा इसलिए नहीं है कि उनका मन बदल गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे इसमें अपने लिए कुछ देखते हैं। चाहे वह दक्षिण एशिया में अमेरिका की प्रासंगिकता को फिर से स्थापित करने के बारे में हो या बस कुछ घरेलू निर्वाचन क्षेत्रों को साधने के बारे में। ट्रंप दिखा रहे हैं कि अगर इससे डोनाल्ड ट्रंप को मदद मिलती है तो वे तुरंत बदलाव करने के लिए तैयार हैं।

मोदी के लिए, जिन्होंने रणनीतिक दूरदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय गंभीरता की छवि बनाने के लिए सावधानीपूर्वक काम किया है, ट्रंप की टिप्पणी सिर्फ एक अजीब क्षण से कहीं अधिक है। यह एक सार्वजनिक अनुस्मारक है कि चाहे कितने भी गले मिलें या स्टेडियम भरे हों, ट्रंप जैसे नेताओं के अधीन कूटनीति एक हाई-वायर एक्ट है जिसमें कोई सुरक्षा जाल नहीं है। फिर भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जिसने यह सबक कठिन तरीके से सीखा है। जर्मनी और फ्रांस जैसे पारंपरिक सहयोगियों ने, नाटो की तो बात ही छोड़िए, ट्रंप को बिना किसी हिचकिचाहट के अपने रुख बदलते, वायदे तोड़ते और धमकियां देते देखा है। उनकी विदेश नीति शैली उतनी यथार्थवादी नहीं है जितनी अवसरवादी है, जो अहंकार की सनक और व्यक्तिगत लाभ की अनिवार्यताओं से संचालित होती है। इस आलोक में, मोदी का ट्रंप के साथ प्रणय निवेदन रणनीतिक गठबंधन से कम और राजनीतिक नाटक से अधिक दिखता है - जहां पटकथा हमेशा एक अभिनेता द्वारा अकेले लिखी जाती है।

ट्रंप की टिप्पणी के बाद भारत सरकार ने स्पष्ट चुप्पी बनाये रखी है। निहितार्थों को कम करने के लिए कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया, कोई स्पष्टीकरण, कोई परदे के पीछे की ब्रीफिंग नहीं हुई है। यह चुप्पी बहुत कुछ कहती है। या तो नई दिल्ली को पता नहीं है कि कैसे जवाब देना है, या फिर वह इस उम्मीद में टिप्पणी को अनदेखा करना चुन रही है कि यह अगले समाचार चक्र के वजन के नीचे दब जायेगी। दोनों ही विकल्प अप्रिय हैं। एक ऐसी सरकार के लिए जिसने विश्व मंच पर अपनी मुखरता को प्रदर्शित करने का शायद ही कोई मौका छोड़ा हो। प्रतिक्रिया की कमी या तो इस बात का संकेत है कि मोदी कि या तो रणनीतिक गलतफहमियां हैं या उनके असहज अहसास हैं। मोदी की व्यक्तिगत कूटनीति का मिथक वास्तविकता के बोझ तले ढह रहा है।

इसका मतलब यह नहीं है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते खतरे में हैं। भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी किसी भी दो व्यक्तियों से बड़ी है, और वाशिंगटन में भारत के महत्व के बारे में द्विदलीय आम सहमति में इस बात की संभावना नहीं है कि ओवल ऑफिस में कोई भी बैठे, इसमें कोई बड़ा बदलाव आयेगा। लेकिन कूटनीति का निजीकरण-जो मोदी की विदेश नीति के दृष्टिकोण का केंद्र है-अब तेजी से जोखिम भरा लग रहा है। यह भारत को विदेशी नेताओं, खासकर ट्रंप जैसे नेताओं के अस्थिर व्यक्तित्व के प्रति संवेदनशील बनाता है, जो संस्थान से ज्यादा सहज ज्ञान पर काम करते हैं।

इसके अलावा, ट्रंप द्वारा पाकिस्तान की सेना का समर्थन-अंतर्निहित या स्पष्ट-भारतीय संदर्भ में विशेष रूप से कष्टप्रद है। भारतीय प्रतिष्ठान लंबे समय से यह मानता रहा है कि पाकिस्तानी सेना क्षेत्र में अस्थिरता का मूल कारण है, सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार इकाई है, और इस्लामाबाद की कमजोर नागरिक सरकारों की डोर खींचने वाला कठपुतली मास्टर है। उसी सेना प्रमुख की मेजबानी अमेरिका के पूर्व राष्ट्ररपति द्वारा की जाती हुई देखना और उसकी एक चतुर नेता के रूप में प्रशंसा सुनना, एक लंबे समय से चले आ रहे घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। यह वैश्विक समुदाय को नई दिल्ली के संदेश को भी जटिल बनाता है, जहां उसने अक्सर खुद को एक अनिश्चित पड़ोसी के विपरीत जिम्मेदार अभिनेता के रूप में चित्रित करने की कोशिश की है। शशि थरूर मोदी मिशन के साथ आधा दर्जन और यात्राएं कर सकते हैं, लेकिन इससे ज़रा भी बदलाव नहीं होने वाला है।

ललित सुरजन की कलम से

विदेशों में कालाधन?

' यह प्रकरण आपातकाल का था जिसमें श्री नायर को जिनेवा के एक बैंक खाते में छह मिलियन डॉलर जमा करने भेजा गया था। मोरारजी देसाई को संदेह हुआ कि हो न हो, यह खाता संजय गांधी का है।'

'जब छानबीन पूरी हुई तो मामला कुछ और ही निकला। 1974 के पोखरण आण्विक प्रयोग के बाद अमेरिकी सरकार ने भारत को दी जाने वाली सहायता में भारी कटौती कर दी थी। देश में गंभीर आर्थिक संकट था। तब भारत सरकार ने ईरान के शाह से दो सौ पचास मिलियन डॉलर का कर्ज आसान शर्तों पर मांगा था। इसके लिए इंदिरा सरकार ने हिन्दूजा बंधुओं की सेवाएं लीं (जिनके बहुत अच्छे संबंध शाह के साथ थे)। उन्होंने शाह की बहन अशरफ पहलवी के माध्यम से ऋण हेतु आवेदन करवाया और शाह ने भारत को सहायता देना स्वीकार कर लिया। इस राशि का एक हिस्सा कर्नाटक की कुदुर्मुख लौहअयस्क परियोजना में लगना था और दूसरे भाग का उपयोग देश की आवश्यक वस्तुओं की आयात करने के लिए होना था। शाह की बहन अशरफ पहलवी ने इस ऋण पर छह मिलियन डॉलर का कमीशन एक ईरानी नागरिक रशीदयान को देने के लिए कहा। यह व्यक्ति अशरफ का घनिष्ठ मित्र था। हिन्दूजा के माध्यम से भारत सरकार को संदेश मिलने पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने जिनेवा के एक बैंक को टेलेक्स पर इस राशि का ड्राफ्ट बनाकर श्री नायर को सौंपने का निर्देश दिया। इसके बाद वित्त मंत्रालय ने श्री काव से आग्रह किया कि नायर जिनेवा जाकर बैंक ड्राफ्ट हासिल कर लें और उसे रशीदयान के खाते में जमा कर दें। बात यहां खत्म हो गई।'

(देशबन्धु में 21 अगस्त 2014 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/08/blog-post_21.html

पावन प्रसंग

तपस्वी बनने का पथ

भारत की पुण्यधरा पर असंख्य महापुरुषों ने जन्म लेकर इस संपूर्ण वसुधा को धन्य धन्य किया है। इन्हीं महापुरुषों में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर वर्धमान महावीर का नाम भी आता है। उनका जीवन उच्च आदर्शों, प्रेरणाओं से पूर्णतया भरा हुआ है और सबके लिए आदर्श और अनुकरणीय भी है। लंलाप ऊी उन्हीं को याद करता है, जो संसार के हित के लिए कुछ कर जाते हैं और फिर महावीर का जीवन तो पूर्णतया के कल्याण के लिए ही समर्पित रहा। यदि वे चाहते तो किसी गुफा या कंदरा में साधना कर के स्वयं को आत्मलाभ, ऋद्धि-सिद्धियां अथवा निर्वाण प्राप्ति मात्र तक सीमित रखते, पर उनकी साधना का उद्देश्य मात्र स्वयं लाभ प्राप्त कर लेना कर्त न था। इसलिए वे आजीवन हजार कष्ट सहकर भी संसार के कल्याण के लिए कार्य करते रहे। वे आत्म प्रतिष्ठा, निर्वाण प्राप्त कर लेने के बावजूद भी मानवता के कल्याण में आजीवन लगे रहे। उनके जीवन पर दृष्टि डालेंतो यह स्पष्ट हो जाता है कि जनकल्याण की भावना से जन्मी हुई महावीर की सेवा भावना दिनोंनिद बढ़ती गई और वे अपनी संकुचित सीमा से निकलकर संसार की विस्तृत परिधि में प्रवेश करते हगए। ज्यों-ज्यों उनका यह विकास बढ़ता गया, वे व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से विरक्त ही नहीं, बल्कि प्राणिमात्र के लिए व्याकुल होते गए और आखिर शीघ्र ही वह घड़ी आ गई, जब उनकी करुणासिख्त आत्मा ने लोक मंगल के लिए संन्यास लेने की ठान ली।

महावीर के पिता राजा सिद्धार्थ को मंत्रियों केवल सूचना दी बल्कि यह परामर्श भी दिया कि महाराज! आप कुमार वर्धमान को साधु संन्यासी होने से रोकें। माता-पिता ने राजकुमार को डांट- फटकार से बदलता न देखा तो उन्होंने उनके विरक्त भावना के विरुद्ध उन्हें विवाह बंधन में बांध दिया। अपनी इच्छा के विरुद्ध हुए विवाह को महावीर यदि एक बोझ की तरह ढोने तो यह उस पत्नी के प्रति घोर अन्या होता, अस्तु अपनी इच्छाक विरुद्ध विवाह होने पर भी महावीर अपने गृहस्थ धर्म की जिम्मेदारियों का पालन करने लगे पर फिर भी संसार की सेवा और विरक्ति की भावना उनमें कम न हुई। राजकुमार वर्धमान ने अपने दाम्पत्य जीवन को एक आदर्श जीवन की तरह चलाया। राजकुमार होने के बावजूद भी वे एक साधारण व्यक्ति की तरह गृहस्थी के छोटे-बड़े कार्यों में रुचि लेते और सेवकों के होते हुए भई सारे काम स्वयं ही करते। राजकुमार वर्धमान ने अपनी पत्नी को आत्मा की गहराई से इस सीमा तक प्यार किया कि उसका मानवीय अनुरा श्रद्धा में बदल गया और उसका सारा मोह,वर्धमान की महानता में विलीन हो गया। उनकी पत्नी राजकुमारी यशोदा ने यह स्पष्ट अनुभव कर लिया कि उसका पति परमात्मा का पूर्ण प्रतिबिम्ब है। वे केवल उसकी ही संपत्ति नहीं, बल्कि सारे संसार की विभूति हैं, जिसका लाभ दुनिया की दुखी मानवता को मिलना ही चाहिए। कुछ समय

बाद एक पुत्री रत्न की प्राप्ति के बाद राजकुमारी संतुष्ट हो गई। पति की इच्छानुसार उन्हें संसार के कल्याण के लिए सौंप दिया। जो संसार में रहकर भी संसार की आसक्ति से मुक्त हैं उनके लिए विवाह भी कोई बंधन नहीं रोक सकता। जोअंतरात्मा से मोह और आसक्ति से विरक्त हो चुका हो, उसे भला संसार का कौन सा प्रलोभन ध्येय मार्ग से विचलित कर सकता है। वर्दमान ने गृहस्थी को अनासक्त भाव से भोगा। वर्धमान ने अरने ,सरल स्वभाव तथा सादा जीवन से जनसाधारण के सम्मुख सामान्य जीवन का एक आदर्श उपस्थित कर दिया। अपने बुद्धिमत्ता पूर्ण व्यवहार से वर्धमान ने पत्नी को भी परोपकार केलिए हर त्याग करने के लिए तैयार कर लिया था। अपने माता-पिता का वे बहुत सम्मान करते थे, पर हां, पुत्र मोह के कारण माता-पिता नहीं चाहते थे कि उनका पुत्र साधु-संन्यासी बन जाए। समय आया और जो माता-पिता अपने को छोड़ कर वर्धमान को परमार्थ पथ पर नहीं जाने देना चाहते थे, वे ही एक दिन स्वयं उसे छोड़कर चले गए। माता पिता की आकस्मिक मृत्यु ने उनमें यह विचार और प्रबल कर दिया कि किसी कार्य में देर न करनी चाहिए, क्योंकि इस क्षणभंगुर संसार में कोई भरोसा नहीं कि यह क7 धोखा दे जाए। वर्धमान को घर से जाते देखकर उनके बड़े भाई नंदिवर्धमान ने उन्हें रोककर कहा अभी माता पिता का विछोह का दुख दूर भी नहीं हुआ अब तुमभी छोड़कर जा रहे हो। उन्होंने वर्धमान से दो वर्ष और रुक जाने का आग्रह किया। फिर अपने अग्रज की बात मान कर साधु की तरह जीवन व्यतीत कर सारी संपत्ति को स्नेहियो स्वजनों में बांट कर साधु जैसा जीवन जीन लगे।

-अखंड ज्योत

आपके पत्र

इजरायल-ईरान युद्ध दुनिया में दहशत का माहौल

इजरायल-ईरान का युद्ध दुनिया के विनाश के निमित बन सकता है। रूस-यूक्रेन की आग शांत ही नहीं हुई और ईरान पर इजरायल ने युद्ध थोप दिया। लोगों का रुदन और दहशतगर्दी की बीच सहायता के लिए हाथ उठा रही है। जंग में यहूदियों के खिलाफ मुस्लिम देश एक होने के लिए अपील की गई है। भारत के लिए दोनों देशों का रिश्ता मैत्रीपूर्ण रहा है। हालांकि,वो बात अलग है कि ईरान मित्र देश है और इजरायल भी भारत का साथी देश है। कारगिल युद्ध के दौरान इजरायल ने दोनों हाथ खोलकर भारत की मदद की थी। उस दौर में भारत की सैन्य ताकत नगण्य थी। आज भारत ताकतवर देश बन गया है। वो दिन भूले नहीं जा सकते। ईरान में भारत के दस हजार लोग फंसे हुए है। उनको बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। दो दिन पूर्व ईरान से नागरिकों को भारत भेजा गया था। इजरायली ड्रोन को कार के जरिये पहुंचाए गए हैं। हालांकि ईरान भी ताकतवर देश है। ईरान के पास बीस हजार मिसाइलें हैं। इजरायल के कई शहरों पर मिसाइल हमला कर ईरान ने इजरायल को भारी क्षति पहुंचाई है। खुमनेई को सरेंडर के लिए कहा गया था लेकिन वो सुपरपावर है। खामेनेई सरेंडर नहीं करने वाले। जबकि इनके सरेंडर करते ही युद्ध खत्म हो सकता है। लेकिन ये देश जिद्दी स्वभाव के हैं। कोई किसी से कम नहीं है। ईरान और इजरायल की जंग से दुनिया को चिंता में डाल दिया है। यदि यह युद्ध ज्यादा चला तो विश्व को बहुत कुछ सहन करना पड़ेगा। खुमेनेई दुनिया की आंख में धूल झोंक सकते हैं लेकिन अमेरिका को मालूम है कि खुमेई कहा छुपा है। इजरायल के हमले से 6 सौ से ज्यादा मौतें हो गई है। इससे यह प्रतीत होता है कि युद्ध सिर्फ विनाश लीला ही करता है। विनाशकारी युद्ध से दोनों देशों को नुकसान है। जो यह सोच रहे हैं कि हम सेना की ताकत रखते हैं। उसके लिए यूक्रेन को देखें। साजोसामान नहीं होने और रूस के समक्ष सैन्य ताकत जीरो होने के बाद तीन वर्षों से मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। भविष्य का कोई कुछ कहा नहीं जा सकता। अमेरिका और इजरायल को भी पता है कि ईरान एक शक्तिशाली देश है। उसकी 295 फिट जमीन से नीचे फौर्दो लैब बनी हुई है। इसको भेदना इजरायल के वश का काम नहीं है। अमेरिका ही उसको भेद सकता है। 86 साल के खुमेनेई एक मौलवी से सुपरलीडर बन गए। इजरायल को खुमेनेई फूटी आंख नहीं सुहाते हैं। सीरिया,लेबनान और हमास के बाद ईरान को ठीक करने पहुंचा इजरायल की ताकत भी कम नहीं है। ईरान ने कहा भी है कि इजरायल हमला रोकता है तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं। लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू बात सुनने के लिए तैयार नहीं है। अभी हाल ही में ईरान के कलस्टर बम ने इजरायल को भारी नुकसान पहुंचाया है। हमले जारी है। मिसाइलें दागी जा रही हैं। ईरान से जो लोग स्वदेश लौटे हैं। उनका कहना है कि अपना देश तो अपना देश होता है। ईरानी राष्ट्रपति ने बयान भी दिया था कि परमाणु प्रोग्राम हमारा हक है। वे झुकने के लिए तैयार नहीं है। शायद इजरायल ईरान पर हमला करके फंस गए हैं। हर रोज छह हजार करोड़ का खर्च हो रहा है। अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी की है। इस विनाशकारी युद्ध को दुनिया निहार रही है। लेकिन सांत्वना के दो शब्द या युद्ध रोकने की अपील कोई नहीं कर रहा है। इस युद्ध से दुनिया में आग नहीं लगे तो अच्छा है। क्योंकि एक दूसरे देश के साथ मैत्रीपूर्ण रिश्ते है। अगर एक दूसरे के मददगार बनते हैं तो तीसरे विश्व युद्ध की आहट सुनाई दे सकती है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

उल्टा पुल्टा

जीजाजी- लड़कियां लव मैरिज क्यों करती हैं?

साली- ताकि अनजाना नमूना मिलने से बेहतर है कि जाना हुआ ही मिल जाए।

डॉ. श्यामा प्रसाद आधुनिक भारत में आर्थिक प्रगति के सूत्रधार-अमर

संवैधानिक व्यवस्था की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने दी शहादत-सुशांत

बलिदान दिवस पर याद किए गए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी,भाजपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 71 वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे बलिदान दिवस का नाम देकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किए। पुराना बस स्टैंड स्थित श्रद्धांजलि सभा में जिले के भाजपा नेताओं ने डॉ मुखर्जी के योगदान को याद किया।

जनसंघ के संस्थापक रहे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की गणना भाजपा के विचार पुरुषों में की जाती रही है जिनके अखण्ड राज्य के सिद्धांतों को मान्यता देते हुए भारतीय जनता पार्टी कश्मीर में धारा 370 का विरोध करती रही है आज उनकी पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके वैचारिक मानदंडों का जीवन पर्यंत अनुकरण करने का संकल्प लिया

डॉ मुखर्जी की याद में भाजयुमो ने किया ब्लड डोनेशन, बांटे हेलमेट

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर जिला भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने विधायक बेलतरा सुशांत शुक्ला की अगुवाई में रक्तदान किए। बड़ी संख्या में युवामोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अपने वैचारिक अधिष्ठान स्वरूप डॉ मुखर्जी के बलिदान को याद किया अपोलो हॉस्पिटल में आयोजित ब्लड डोनेशन शिविर में युवाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया ।उन्हें बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप हेलमेट, प्रशस्ति पत्र,गिफ्ट हैम्पर भेंट की गई इस अवसर पर विधायक सुशांत शुक्ला,जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, भाजपा जिलाध्यक्ष, मोहित जायसवाल,भाजपा उपाध्यक्ष तिलक साहू,जिला मंत्री अवधेश अग्रवाल,उमेश गौरहा,धनंजय त्रिपाठी,भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कश्यप,भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ऋषभ चतुर्वेदी, पार्षद रेखा सूर्यवंशी, अमित मिश्रा, जय वाधवानी, शैलेश देवांगन, शैलेश गोरख, राज केवट, शिवराज साहू, अभिषेक साव, आदित्य पाण्डेय, मनोज पटेल, यश गौरहा, संजू तिवारी, शरद खैरवार, सोनू साहू, आयुष यादव, प्रवीण यादव, सूरज दुबे, हिमांश देवांगन, रूपेश चौबे, अंकुर सिंह, त्रिदेव श्रीवास अपोलो बल्ड बैंक प्रबंधक डॉ.प्रेरणा उपस्थित रहीं

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए बिलासपुर विधायक और पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने कहा कि हम शहादत दिवस के रूप में जब हम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का आकलन करते हैं तो देश में ऐसे गिने चुने महापुरुष होंगे जिनका वैभवशाली कृतित्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के समकक्ष रहा हो। हमारा सौभाग्य है कि हम ऐसे राष्ट्रवादी विचारक प्रणेता और जनसंघ के संस्थापक के वैचारिक दल कार्यकर्ता हैं जब 1947 में देश आजाद हुआ तब देश में कोई राजनीतिक दल नहीं था। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी इस आजाद भारत के प्रथम उद्योग मंत्री रहे जिन्होंने देश के भीतर औद्योगिकरण की नींव रखी जिन्हें हम आज के भारत में आर्थिक प्रगति का सूत्रधार मान सकते हैं भिलाई स्टील प्लांट,राउरकेला स्टील प्लांट और बोकारो स्टील प्लांट जिनके उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के कहा था कि ये आधुनिक भारत के तीर्थ हैं जो भारत को बहुत ऊंचाई तक लेकर जाएंगे इन महत्वाकांक्षी उद्योगों के स्थापना में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दूरगामी दृष्टि को श्रेय दिया जाता है ।कलकत्ता विश्विद्यालय में कुलपति के रूप में उन्होंने अपनी सेवाएं दी अंग्रेजी शासन में बंगाल क्षेत्र में में भी कार्य किया और अंग्रेजो के बंग भंग की नीति का विरोध कर पश्चिमी बंगाल को बांग्लादेश बनने से बचा लिया आज पश्चिमी बंगाल भारत का अभिन्न अंग है तो इसका पूरा श्रेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जाता है उन्होंने जिस अखण्ड गणराज्य की स्थापना के लिए अपने प्राणों की आहुति दी आज आजादी के 70 वर्षों के बाद उनकी विचारधारा वाली मजबूत सरकार बनते ही काश्मीर से धारा 370 को हटा दिया गया

देश की राजनीतिक मानचित्र में संवैधानिक व्यवस्था स्थापित करने के नाम पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी आजाद भारत में पहली शहादत देने वाले पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने एक विधान एक निशान एक प्रधान की वकालत करते हुए कश्मीर में धारा 370 का जीवन पर्यंत विरोध करते रहे और अंततः अपने प्राणों की आहुति दे दी उनकी इस पुण्यतिथि पर हम कृतज्ञ राष्ट्रजनों का पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देना हमारे लिए गौरव की बात है । सत्ता में बने रहने के लिए जिन्होने भारत की अखण्ड संप्रभुता की उपेक्षा की और ऐसी सामंतवादी सत्ता को नकारते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अखण्ड गणराज्य की स्थापना के निमित ऐसे मार्ग को चुना जहां वर्षों वर्ष तक सत्ता की कोई गुंजाइश नहीं थी और कश्मीर में धारा 370, परमिट वीजा का विरोध करते रहे जहां संदिग्ध परिस्थितियों में उनके शहादत हो गई।

इस अवसर पर बिलासपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष मोहित जायसवाल, बिलासपुर शहर जिलाध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर, अमरजीत सिंह दुआ, किशोर राय, एस कुमार मनहर, रमेश लालवानी, राजेश मिश्रा, कृश्ण कुमार कौशिक, योगेश बोले, अजीत सिंह भोगल, देवेन्द्र पाठक, लक्ष्मीनारायण कश्यप, राकेश लालवानी, विजय ताम्रकार, प्रवीरसेन गुप्ता, राजेश सिंह, स्नेहलता शर्मा, अमित तिवारी, रंगा नामदेव, गणेश रजक, संदीप दास, मनीश गुप्ता, पंकज तिवारी, आनंद तिवारी, सतीश गुप्ता, नवीन मसीह, रितेश अग्रवाल, रोशन सिंह, नीतिन छाबड़ा, विवेका ताम्रकार, आनंद दुबे, संतोश कौशिक, बलराम देवांगन सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

शासकीय कर्मचारियों से न हो मारपीट

कई बार यह देखा जाता है कि अपने शासकीय उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने गये शासकीय कर्मचारियों अथवा नगरीय निकायों के अमलों पर हमले कर दिये जाते हैं अथवा उन्हें काम नहीं करने दिया जाता। उनका मार्ग अड़ाना या अन्य तरह के अवरोध पैदा करना भी शासकीय कामों में बाधा डालना होता है जो कि दण्डनीय अपराध है। जनता को इससे बचना चाहिये। ऐसी घटनाओं में यह भी पाया जाता है कि लोग कानून अपने हाथों में ले लेते हैं जो और भी गम्भीर बात है। सरकार को भी चाहिये कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्ती से पेश आये ताकि शासनकर्मी अपनी जिम्मेदारियों तथा विभागीय निर्देशों का पालन बगैर भयभीत हुए पूरा कर सकें।

बालोद जिले के वन अधिकारियों को सूचना मिली कि पेवारी गांव में कुछ लोग अवैध निर्माण कर रहे हैं। रविवार को डौंडी के सहायक परिक्षेत्र अधिकारी, वनरक्षक, सुरक्षाकर्मी आदि उसे ध्वस्त करने जा रहे थे। उल्लेखनीय है कि पेवारी के साथ कटरेल गांव में 15 से ज्यादा लोग वन की भूमि पर गैरकानूनी तरीके से खेती कर रहे हैं। इसी के बाबत वनकर्मी जानकारी लेने तथा उन्हें हटाने के लिये जा रहे थे। ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिल गयी। उनका पक्ष यह था कि वे कई सालों से इस जमीन पर खेती कर रहे हैं। उन्होंने वाहन रोककर वन कर्मचारियों को नीचे उतारा तथा उनके साथ जमकर मारपीट की। इससे ड्राइवर समेत 7 लोगों को चोटें पहुंची हैं। इस सिलसिले में 6 लोगों के खिलाफ डौंडी थाने में रिपोर्ट लिखाई गई है। इसके विरोध में 5 से ज्यादा महिलाएं भी थाने पहुंची थीं।

वन ग्राम हों या अन्य गांव अथवा शहरों में भी लोग अपना काम करने गये कर्मचारियों-अधिकारियों पर इस तरह से आक्रमण कर देते हैं या उन्हें गम्भीर रूप से घायल कर देते हैं जो सर्वथा अनुचित है। शहरों में अवैध बस्तियां हटाने, गैरकानूनी निर्माण को ध्वस्त करने, सड़कों-फुटपाथों पर से अवैध कब्जे व अतिक्रमण हटाने को लेकर नगरीय निकायों के तोड़ू दस्तों पर अक्सर हमले कर दिये जाते हैं या उन पर पथराव आदि होता है।

सम्भव है कि कुछ मामलों में लोगों की शिकायतें जायज भी होती हों परन्तु उन्हें इस तरह के कदम नहीं उठाने चाहिये। इससे अधिकारियों-कर्मचारियों को चोटें भी पहुंच सकती हैं जिनका दोष नहीं होता। वे तो सिर्फ सरकार, स्थानीय निकाय अथवा कोर्ट के आदेशों का पालन करते हैं। हिंसा का रास्ता जायज नहीं है और न ही ही किसी के काम में अवरोध पहुंचाना उचित है। यदि जनता को लगता है कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है तो पहले उन्हें ऊपर के अफसरों से मिलना चाहिये। फिर भी उनकी बात न सुनी जाये तो उन्हें न्यायालय की शरण लेनी चाहिये। कानून हाथ में लेकर नागरिक अपना पक्ष और भी कमजोर कर देते हैं।

सार-संक्षेप

क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र-2) के रूप में कार्यभार संभाला

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। ई सत्य फणि कुमार ने 23 जून को कल एनटीपीसी नवा रायपुर के पश्चिमी क्षेत्र-2 के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। इससे पहले फणि कुमार एनटीपीसी विंध्याचल मध्य प्रदेश के कार्यकारी निदेशक थे।

उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम से इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। फणि कुमार ने 1989 में एक कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में एनटीपीसी में शामिल हुए। उनके श्रेय के लिए, उन्होंने इग्नू से मानव संसाधन प्रबंधन में एमबीए किया। फणि कुमार के पास सीएंडआई रखरखाव प्रचालन और प्रचालन और रखरखाव के क्षेत्रों में समृद्ध और विविध अनुभव है। उन्होंने लगभग 36 वर्षों के करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और एनटीपीसी रामागुंडम, तेलंगाना; एनटीपीसी लारा, छत्तीसगढ़ और एनटीपीसी विंध्याचल, मध्य प्रदेश में काम किया। अपने शानदार करियर में, फणि कुमार ने भारत के सबसे बड़े ताप विद्युत संयंत्र एनटीपीसी विंध्याचल का भी नेतृत्व किया। उनके समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, एनटीपीसी पश्चिम क्षेत्र-सेकंड उनके कुशल मार्गदर्शन और प्रभावी नेतृत्व के तहत आने वाले दिनों में बहुत लाभान्वित होगा।

डीएलएस रासेयो के टिकेश्वर और समीक्षा ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। डीएलएस रासेयो के स्वयं सेवक राष्टीय स्तर के आयोजनों में लगातार अपनी सहभागिता प्रदर्शित करते आ रहे हैं। इस साल भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसी क्रम में पिछले दिनों स्वयंसेवक टिकेश्वर साहू का चयन येनेपोया विश्वविद्यालय, मंगलुरु (कर्नाटक) में आयोजित वैश्विक युवा सम्मेलन 2025 हेतु हुआ है, जहां देशभर के चुनिंदा युवाओं को आमंत्रित किया गया था। वहीं गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद में आयोजित राष्टीय एकता शिविर में स्वयंसेविका समीक्षा भोंसले ने गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व किया साथ ही नृत्य-प्रतियोगिता में तृतीय स्थान भी प्राप्त किया। इन दोनों कार्यक्रमों के विभिन्न सत्रों, कार्यशालाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करने का अवसर मिला। ये अवसर दोनों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं अनुभवपूर्ण रहे। इनकी उपलब्धियों पर डॉ मनोज सिन्हा कार्यक्रम समन्वयक अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर, डॉ प्रताप पाण्डेय रासेयो प्रभारी, सुश्री संस्कृति शास्त्री रासेयो कार्यक्रम अधिकारी महाविद्यालय की चेयरपर्सन निशा बसन्त शर्मा, प्राचार्य डॉ रंजना चतुर्वेदी, समस्त रासेयो छात्रगण व स्टाफ के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सुकमा आईईडी विस्फोट में घायल थाना प्रभारी से नगर विधायक अमर ने की मुलाकात

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। सुकमा जिले के कोंटा क्षेत्र में विगत दिनों नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में घायल हुए थाना प्रभारी सोनल ग्वाला से आज नगर विधायक एवं पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दीं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सेवा दे रहे पुलिस अधिकारी और जवान अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी जनता की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जो कार्य कर रहे हैं, वह अद्वितीय है। उनका साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे वीर जवानों और अधिकारियों के मनोबल को बनाए रखने के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा है, कि सोनल ग्वाला शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ हों और अपने कर्तव्य पथ पर फिर से सक्रिय हों।

जोनल रेलवे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 73वीं बैठक संपन्न

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति बिलासपुर की 73 वीं बैठक महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तरूण प्रकाश की अध्यक्षता में 23 जून को जोनल सभाकक्ष, महाप्रबंधक कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक ने सभी सदस्यों का स्वागत किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक तरूण प्रकाश के करकमलों से राजभाषा विभाग की ई-पत्रिका जिज्ञासा के 17वें अंक का विमोचन किया गया। महाप्रबंधक ने वर्ष 2023 हेतु रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित होने पर तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर तथा क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल में आयोजित अखिल रेल नाट्योत्सव- 2024 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्राप्त कर्मचारी एवं प्रधान कार्यालय के नाट्य दल को भी बधाई दी। तदुपरांत क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर के उपाध्यक्ष शिवशंकर लकड़ा ने बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत की जिस पर सदस्यों ने विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक तरूण प्रकाश ने कहा कि कार्यालय में राजभाषा नियम 1976 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर शत-प्रतिशत हिंदी में दिए जा रहे हैं, जो सराहनीय है। राजभाषा विभाग द्वारा दैनिक कामकाज हिंदी में करने हेतु कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रयास किया जाए कि सभी कार्मिकों को इसका लाभ प्राप्त हो। उन्होंने हिंदी में प्रकाशित राजभाषा विभाग की ई-पत्रिका जिज्ञासा तथा संरक्षा विभाग के डिजिटल संरक्षा बुलेटिन की प्रशंसा करते हुए इसका नियमित प्रकाशन जारी रखने के निर्देश दिए। अपर महाप्रबंधक विजय कुमार साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हम सबकी भाषा है। भारत के कण-कण में व्याप्त होने के साथ ही यह भारत के बाहर भी अपनी सुगंध से निरंतर पहचान बना रही है। सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हिंदी के बढ़ते उपयोग ने इसके लिए नए मार्ग प्रशस्त किए हैं। यदि डिजिटल युग की जरूरतों के मुताबिक हिंदी को अपनाया जाए तो वह इसके विकास में बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। समिति के उपाध्यक्ष शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक वन ने इस अवसर पर कहा कि इस रेलवे में राजभाषा प्रयोग की स्थिति संतोषजनक है। केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025-26 का वार्षिक कार्यक्रम जारी किया गया है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि हिंदी के कामकाज को बढ़ाने तथा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति बिलासपुर की 73 वीं बैठक का संचालन शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक वन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समिति के सचिव एवं वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी राजेश कुमार तिवारी ने किया ।

तामेश कश्यप को छत्तीसगढ़ कुर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के जिलाध्यक्ष का दायित्व

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)।

छत्तीसगढ़ कुर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कौशिक व प्रदेश महासचिव अनिल कुमार वर्मा ने तामेश कश्यप को छत्तीसगढ़ कुर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के बिलासपुर जिलाध्यक्ष दायित्व सौंपा व नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

महाकाल सेना के संस्थापक व भाजपा नेता के रूप में कार्य कर रहे तामेश को एक और नई ज़िम्मेदारी मिली,उनकी बढ़ती लोकप्रियता व जन सामान्य के बीच उनकी पकड़ को देखते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ कुर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के जिलाध्यक्ष बनाया गया। उनके जिलाध्यक्ष बनते ही समर्थकों में हर्ष है व बधाईयों का ताता लगा हुआ है ।

ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं को समर्पित भव्य सम्मान समारोह

बिर्रा में हुआ सांस्कृतिक गौरव का आयोजन

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। भगवान परशुराम ब्राह्मण विकास समिति, जिला जांजगीर-चांपा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामयी एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम आचार्य चाणक्य सभागार बिर्रा में हुआ, जिसमें जिलेभर से पधारे विद्यार्थियों, समाजसेवियों, मातृशक्ति, युवाओं और ब्राह्मण समाज के वरिष्ठजनों ने भारी संख्या में भाग लिया।

समारोह का उद्देश्य समाज में उभरती प्रतिभाओं को मंच देना, शैक्षणिक और सामाजिक उपलब्धियों को मान्यता देना और संगठनात्मक एकता को बल देना रहा। विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित युवाओं, सांस्कृतिक क्षेत्र के प्रतिभागियों और समाजसेवकों को सम्मानित कर उन्हें समाज के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. रजनीश पांडेय (प्रथम एवं अराध्या हॉस्पिटल, बिलासपुर) ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में पं. राजेंद्र शर्मा (संस्थापक भावनात प्रवाह टेलर समिति) उपस्थित रहे। मंच पर डॉ. शुभम शुक्ला, पं. देवप्रभात तिवारी, पं. मनोज पांडेय, पं. योगेश शर्मा, पं. दिलीप पांडेय, पं. घनश्याम तिवारी और जैसे समाज के प्रेरणादायी व्यक्तित्व विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।

आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा। पं. धनेश मिश्रा (जिलाध्यक्ष), पं. शैलेश दुबे (सचिव), डॉ. विश्वनाथ तिवारी (कोषाध्यक्ष), पं. कमलेश पांडेय (कार्यकारी अध्यक्ष), पं. उपेंद्र तिवारी, पं. योगेश गोस्वामी, पं. अजयकांत तिवारी, पं. सोमनाथ तिवारी, पं. रंजीत त्रिपाठी, श्रीमती प्रतिमा दुबे आदि ने सेवा, समर्पण और संगठित प्रयास के साथ आयोजन को सफल बनाया।

संयोजक एवं संरक्षक पं. मनोज कुमार तिवारी, पं. एल.एल. पांडेय और पं. शैलेश दुबे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की हर व्यवस्था जैसे मंच संचालन, सांस्कृतिक प्रस्तुति, प्रतिभा चयन, सम्मान-स्मृति चिन्ह वितरण आदि अत्यंत अनुशासित ढंग से पूर्ण हुई। मंच से विद्यार्थियों और समाजसेवियों ने भी अपने अनुभव और विचार साझा किए, जिससे सभागार में प्रेरणा और आत्मबल का संचार हुआ।

समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन, राष्ट्रगान एवं सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें तय किया गया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष एक परंपरा के रूप में आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम आचार्य चाणक्य सभागार बिर्रा में हुआ ङ्क यह स्थान अब समाज की स्मृति में सम्मान, संस्कृति और संगठन के प्रतीक रूप में अंकित हो गया है।

सार-संक्षेप

रेलवे कालोनी के पास बेकाबू ट्रेलर पलटा, चालक घायल

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। दीपका थाना क्षेत्र में एसईसीएल के शक्ति नगर कालोनी में रविवार देर रात रेलवे कॉलोनी के पास एक ट्रेलर सीजी-04पीसी-8004 अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें चालक को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। खबर के अनुसार ब्लाइंड कर्व और रास्ते में अंधेरे की स्थिति के कारण ऐसे वाहन हादसे का शिकार हो रहे हैं जिनकी स्पीड निर्धारित लिमिट से बहुत ज्यादा होती है। इसी दौरान रास्ते में दूसरे वाहन के आने या काफी दूर से हिम्प्रोटिक लाइट की रौशनी आने पर हड़बड़ी में ऐसी घटनाएं हो जाती है। कुछ दिन पहले कॉलोनी मार्ग पर एक महिंद्रा थार पलट गई थी, वहीं इस सप्ताह एक बोलेरो सड़क से नीचे उतरकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें कई लोग घायल हुए। बीते माह इसी रोड पर हुई कार दुर्घटना में कोरबा के दो शिक्षकों की मौत हो गई थी। प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस मार्ग पर सुरक्षा उपायों, जैसे स्पीड ब्रेकर और चेतावनी बोर्ड लगाया जाए। ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

कमलेश चौहान को दी गई श्रद्धांजलि

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। सीपीआई नेता कमलेश चौहान को पार्टी ने एक कार्यक्रम में श्रद्धांजलि दी और सर्वहारा वर्ग के प्रति उनके योगदान को याद किया। 80 के दशक में वे कोरबा पहुंचे और वामपंथी नेता नवरंगलाल के संपर्क में आए। चौहान की शिक्षा और अनुभव का लाभ पार्टी को अगले कई वर्षों तक मिला। शोषण के विरूद्ध उन्होंने काम किया और इसके अच्छे नतीजे प्राप्त किए। पिछले दिनों उनका निधन हो गया। गृहग्राम सरईडीह पकरिया में उनका दशगात्र कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर सीपीआई नेता पवन कुमार वर्मा, एम एल रजक, एनके दास, एस के सिंह, आनंद सिंह कंवर, विजयलक्ष्मी चौहान, मीना यादव, मीना चौहान सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने सीएचसी का किया निरीक्षण

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस एन केशरी के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताढ़ी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने ओपीडी, आईपीडी प्रसवकक्ष,दवा भंडार कक्ष,टीकाकरण कक्ष, पैथोलॉजी का निरीक्षण किया तथा आवश्यक संधारित दस्तावेजों का निरीक्षण कर कमियों के सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों तथा सर्पदंश की दवाईयों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। समस्त अधिकारी और कर्मचारी समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। कोई भी अधिकारी और कर्मचारी बिना अनुमति मुख्यालय ना छोड़ें।

कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आज

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा 24 जून को दोपहर 3 बजे कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक बैठक रखा गया है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष व जिला प्रभारी संदीप यादव उपस्थित रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग विभाग प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर सोनी करेंगे। पिछड़ा वर्ग विभाग जिला कोरबा (शहर एवं ग्रामीण) के समस्त जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी, वार्ड पदाधिकारी सभी सम्मानित सदस्य जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं से उपस्थित होने कहा गया है।

बरपाली में योग दिवस पर हुआ योगाभ्यास

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस रामपुर विधानसभा के मंडल बरपाली के ग्राम तरदा हाई स्कूल प्रांगण में योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ कोरबा के जिला सहसंयोजक अश्वनी साहू, आदित्य चौधरी, सरपंच श्रीमती गायत्री सिंह कंवर, सचिव श्रीमती मीना रजवाड़े, निर्मल कौशिक, राम नारायण जायसवाल, देव पटेल, संदीप जायसवाल, टेकराम, नरेश पटेल, मंडल के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ जन एवं विद्यालय के प्राचार्य व स्टाफ एवं विद्यार्थी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मालगाड़ी को आते देख कूद गया युवक, मौत

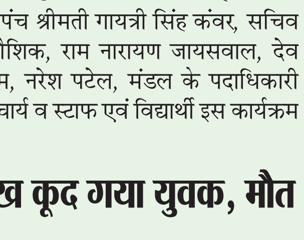

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। एसईसीआर के कोरबा-चाम्पा रेलखंड के अंतर्गत उरगा-सरगबुन्दिया रेलवे स्टेशन के बीच हुई घटना में 22 वर्षीय युवक राजेश्वर कुमार पटेल मालगाड़ी को देख सामने कूद गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। लोको पायलट की सूचना पर स्टेशन मास्टर ने पुलिस को अवगत कराया। आगे की कार्यवाही की जा रही है। बताया गया कि मृतक की जेब से पहचान पत्र के आधार पर उसकी पहचान करमंदी निवासी राजेश्वर कुमार पटेल के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचित किया, जिसके बाद मृतक का भाई और अन्य रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि राजेश्वर सुबह 8 बजे की तरह मोटरसाइकिल से काम पर निकला था। उन्हें लगा कि वह समय पर घर लौट आएगा, लेकिन फोन पर उसकी आत्महत्या की खबर मिली। मालगाड़ी के चालक ने बताया कि उसने हॉर्न बजाकर और आवाज देकर राजेश्वर को रोकने की कोशिश की, लेकिन युवक अपने इरादे में सफल रहा। इस हादसे के पीछे के कारणों को जानने में जीआरपी व आरपीएफ जुटी हुई है।

बांकी नगर पालिका में रात में संदिग्ध गतिविधियां, भाजपा पार्षद का आरोप

एफआईआर दर्ज हो सीएमओ पर, उठी मांग

कोरबा-बांकीमोंगरा, 23 जून (देशबन्धु)। कोरबा जिले की सबसे बड़ी नगर पालिका के रूप में शामिल बांकीमोंगरा में कई कारनामे सुर्खियां बटोर रहे हैं। और अब इन पर सवाल उठाए जा रहे है। कार्यालयीन समय के बाद और वह भी रात में नगर पालिका में आखिर कौन सा काम हो सकता है? जिसके लिए लोगों की मौजूदगी दर्ज हो रही है। अब इस पर सीएमओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग तेज हो गई है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत कई प्रकार के आवेदन सरकार के अधिकारियों के पास आए थे। हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका बांकीमोंगरा से जुड़ी समस्याएं जस की तस बनी हुई है। इससे पता चलता है कि नगर पालिका के कामकाज को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है और न ही ऐसे मसलों से लोगों को छुटकारा देने की कोई नीति है। और तो और नगर पालिका परिसर में कामकाज करने का ढर्रा शुरूआती दौर से ही चल पड़ा है। हालात ऐसे है कि रात 9 बजे भी यह कार्यालय खुल जाता है और यहां पर काम होता है। एक-दो मौके पर अपात्र लोगों को भी यहां देखा गया है जिस पर सवाल खड़े होते हैं कि आखिर ऐसी कौन सी इमरजेंसी है जो कि रात तक कार्यालय खोलना पड़ रहा है। वहीं नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 3 मोंगरा बस्ती में भीमसेन मंदिर के पास बरगद का विशाल सूखा पेड़ मौजूद है। इसे लेकर खतरे बने हुए हैं। डर है कि कभी भी यह गिर सकता है। 17 जून को नगर पालिका की अनदेखी से इस पेड़ का बड़ा हिस्सा मनोज दास पिता छतन दास के घर के ऊपर गिर पड़ा जिससे सामान टूट गया और मकान को भी क्षति पहुंची। यहीं नहीं पुत्र आलोक दास को भी चोट लगी। इस मामले में नगर पालिका को कई बार अवगत कराया गया लेकिन सीएमओ ने इसे किनारे कर दिया। अगर कई महिने पहले ही ध्यान दिया जाता तो ऐसी स्थिति निर्मित नहीं होती। इसलिए मांग की जा रही है कि सीएमओ पर एफआईआर दर्ज की जाए।

घेराव रोकने 5 हजार की मदद

खबर के अनुसार 17 जून की घटना और जिम्मेदारों की लापरवाही से नाराज और चिंतित वार्ड 3 के लोगों ने 18 जून को पालिका का घेराव कर और वहीं पर डेरा जमाने की बात कही थी। अप्रिय स्थिति से बचने भाजपा नेता सक्रिय हो गए और पालिकाध्यक्ष के साथ पूर्व मण्डल अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष व पालिका के अधिकारी मंगलू के टूटा घर झांकने पहुंचे। 5000 रुपये की मदद पालिकाध्यक्ष ने की और पटवारी बुलाकर नापजोख, नुकसानी का आंकलन कराया।

रबर स्टाम्प बनी परिषद की नेता

बांकीमोंगरा नगर पालिका के प्रथम आम चुनाव में 30 वार्डों के नागरिकों ने बहुमत देकर भाजपा को बहुमत से निर्वाचित करा दिया। उम्मीद थी कि भाजपा के पार्षद नगर के हित में बेहतर काम करेंगी लेकिन अब मालूम चल रहा है कि नेता तो रबर स्टाम्प से ज्यादा कुछ नहीं है। नाम के लिए परिषद की कुर्सी पर बैठे हैं लेकिन उनकी पूरी भूमिका अन्य लोग निभा रहे हैं।

शराब पिलाने के बहाने 35 हजार लूट लिए मजदूर से

कान साफ करने वाला हुआ गिरफ्तार

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। शराब का शौक हमेशा से बुरा रहा है और शौकीनों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। ग्रामीण इलाके के एक व्यक्ति को शराब के शौक के चक्कर में 35 हजार की चपत लगी। खबर के अनुसार कान साफ करने वाले ने ग्रामीण से लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। सूचना के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के मुताबिक प्रार्थी संजय कुमार मंझवार पिता जोतराम मंझवार 21 साल बनखेता चौकी रजगामार जिला कोरबा का निवासी है। बताया गया कि उसने मैहर (मध्यप्रदेश) से 7 महीने मजदूरी की और कोरबा लौटा। नया बस स्टैण्ड कोरबा में बस से उतरकर अपने गांव बनखेता जाने हेतु बस का इंतजार कर रहा था। इस दौरान प्रार्थी कान सफाई करने वाला राहुल सोरी के साथ दारू पीने इन्दिरा स्टेडियम कोरबा के पास गया था। राहुल सोरी के द्वारा संजय कुमार मंझवार से मारपीट करते हुए जेब में रखे नगदी रकम 35000/- रूपये को लूट लिया। पीड़ित ने पुलिस चौकी सीएसईबी में इसकी शिकायत की जिस पर धारा 309 (4) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एसआई भीमसेन यादव द्वारा अपने स्टाफ के साथ मिलकर तत्परता से कार्यवाही करते हुए आरोपी राहुल शोरी उर्फ बेलदार पिता बंशी शोरी उम्र 35 वर्ष कोहड़िया गोस्वामी मोहल्ला चौकी सीएसईबी को पकड़ा। पूछताछ के बाद उससे लूटे हुए नगदी रकम 35000/- में से 20900/- एवं शेष लूट के रकम से खरीदे गये 2 नग सोने की छोटी बाली, 1 नग चांदी का ब्रेसलेट, 02 नग चांदी का अंगूठी बरामद कराया है, जिसे विधिवत जप्त किया गया है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

श्रावण में श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 12 जुलाई से

कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा आएंगे 11 को

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। ऊर्जा नगरी कोरबा में सावन के पवित्र माह में श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन 12 से 18 जुलाई तक सर्वमंगला मंदिर से कनकी जाने वाली नहर मार्ग पर खैरभावना कनबेरी मैदान में विश्व विख्यात कथा प्रवक्ता पं. प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से श्री शिव महापुराण की अमृत वर्षा होगी। आयोजन में शामिल होने पं. प्रदीप मिश्रा 11 जुलाई को कोरबा आयेंगे एवं सात दिवसीय ज्ञान गंगा प्रवाहित कर सभी शिव भक्तों की मनोकामना पूर्ण करेंगे। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सायं 4 बजे तक किया जायेगा। श्री मकाहाल भक्त मंडल के अध्यक्ष दुर्गेश शर्मा व सचिव राजेन्द्र तारक ने प्रेस क्लब तिलक भवन में आहूत पत्रवार्ता में बताया कि आयोजन के लिए प्रथम बैठक माँ सर्वमंगला मंदिर में रखी गई जिसमें शिव भक्त कथा प्रेमी बंधु एवं मातृशक्ति की उपस्थिति में विस्तृत चर्चा कर कथा के आयोजन की सहमति हुई। इसी दौरान कथा के आयोजन हेतु कोरबा से सिहोर के लिए कुल 14 भक्तों का समूह प्रस्थान किया और पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा आशीर्वाद प्राप्त कर कथा की तिथि का निर्धारित किया गया। दुर्गेश शर्मा ने बताया कि श्री शिव महापुराण कथा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु एक पंजीकृत समिति का गठन किया गया जिसका नाम सर्वसहमति से श्री महाकाल भक्त मण्डल कोरबा रखा गया एवं श्री महाकाल भक्त मण्डल कोरबा के आय-व्यय का लेखा-जोखा में पारदर्शिता बनी रहे इसके लिए बैंक में खाता खोला गया है। पत्रकारवार्ता में कोषाध्यक्ष शैलेश शुक्ला, रमाकांत द्विवेदी महराज, शत्रुघन थवाईत, अमृत लाल गुप्ता, अरविंद केशरवानी, ईश्वर पटेल, आशीष गुप्ता, आयुष अग्रवाल, सुरेश गुप्ता उपस्थित थे।

फॉरेस्ट कैम्पस से पार जेसीबी पहुंच गई कुसमुंडा माइंस, हुई बरामद

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। फॉरेस्ट डिवीजन कोरबा के बालको रेंज में एक मामले में जप्त कर रखी गई जेसीबी रहस्यमय तरीके अथवा सांठ-गांठ से छूट गई और फिर कुसमुंडा माइंस तक पहुंच गई। इसी स्थान से उसे बरामद किया गया। इस मामले में सवाल उठ खड़े हो गए है कि आखिर ऐसा हो कैसे रहा है।

जानकारी के अनुसार 3 जून की देर रात बालको रेंज के वनरक्षक दिलीप सिंह ठाकुर अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इस दौरान सराईपाली ग्राम के जंगल (कक्ष क्रमांक ओए 1243) में एक जेसीबी मशीन से अवैध मिट्टी खनन हो रहा था। मशीन ऑपरेटर वैध दस्तावेज दिखाने में असफल रहा, जिसके बाद जेसीबी को जब्त कर बालको वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर में रखा गया। लेकिन कुछ ही दिनों बाद, रात 2 से 3 बजे के बीच अज्ञात लोग परिसर में घुसकर जेसीबी को ले गए। इस घटना की शिकायत वनरक्षक ने बालको थाने में दर्ज कराई थी। वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल के निर्देश पर एसडीओ आशीष खेलवार और बालको वन परिक्षेत्र अधिकारी जयंत सरकार के नेतृत्व में जांच शुरू हुई। मुखबिर की सूचना पर पता चला कि जेसीबी कुसमुंडा खदान क्षेत्र में संचालित हो रही है। वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से जेसीबी बरामद कर ली। फॉरेस्ट के सूत्रों का कहना है कि पूछताछ में बात सामने आई कि रुमगरा निवासी वाहन मालिक के निर्देश पर ही जेसीबी को परिसर से चोरी किया गया था। वन विभाग अब सख्त कार्रवाई करते हुए जेसीबी को राजसात करने की प्रक्रिया शुरू कर चुका है। इस घटना से पता चलता है कि सरकारी विभागों को चुनौती देने में माफिया किस कदर सक्रिय है।

अनैतिक रिश्ते का पता चलने पर हंगामा, बुलानी पड़ी पुलिस

बुधवारी बस्ती में अशांति हुई रात को

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। बुधवारी बस्ती इलाके में बीती रात घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक पति-पत्नी के बीच चल रही अनबन के बीच पति ने पत्नी को दो युवकों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा, जिसके बाद मारपीट शुरू हो गई। स्थिति बिगड़ने पर डायल 112 और सिविल लाइन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों को नसीहत दी। पुलिस ने आगे की कार्रवाई की बात कही है।

घटना रविवार रात करीब 10:30 बजे सीएसईबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत बुधवारी बस्ती में हुई। जानकारी के मुताबिक एक विवाहित महिला अपने परिजनों के साथ यहां रह रही थी, जबकि उसका पति कुसमुंडा के कुचैना में रहता था। कुछ समय पहले हुए विवाद के बाद पत्नी नाराज होकर बुधवारी बस्ती आ गई थी। कई बार सुलह के प्रयास हुए, लेकिन वह वापस नहीं गई। रविवार रात पति अचानक पत्नी से मिलने पहुंचा और उसे दो युवकों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा।

गुस्से में आकर उसने मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। डायल 112 और सिविल लाइन पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और दोनों पक्षों से बात की। पुलिस ने पति को समझाया कि इस तरह मारपीट करना गलत है और उसे शिकायत दर्ज करानी चाहिए या कानूनी रास्ता अपनाना चाहिए।

राष्ट्र के प्रति स्पष्ट विचारधारा को आगे बढ़ाया मुखर्जी ने

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा द्वारा टीपी नगर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उनके जीवन, व्यक्तित्व एवं राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने उनके विचारों पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता लक्ष्मीकांत जोशी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित था। वे एक शिक्षाविद, प्रखर वक्ता और जनसंघ के संस्थापक के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान भारत की एकता और अखंडता के लिए अमर प्रेरणा है। आज भारतीय जनता पार्टी उनके विचारों से अनुप्राणित होकर राष्ट्रसेवा में कार्य कर रही है।

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रनीति को सर्वोपरि मानते हुए राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। सतविंदर पाल बग्गा ने डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों से सीख लेनी चाहिए और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन संघर्ष और सिद्धांतों से भरा हुआ था। उन्होंने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने की आवाज उसी दौर में उठाई थी जब ऐसा सोचना भी दुस्साहस माना जाता था। समापन से पहले सभी लोगों ने अपनी माता के नाम पर एक-एक पौधा लगाया। कार्यक्रम में अध्यक्ष योगेश मिश्रा, डॉ. राजेश राठौर, मनोज लहरे, अजय अग्रवाल, नारायण सिंह ठाकुर, सूरज पांडे, रिपु जायसवाल, अजय विश्वकर्मा, रितु चौरसिया, गिरीश नामदेव, नवनीत राहुल शुक्ला उपस्थित थे।

डॉ. मुखर्जी की 72वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 72वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अभियंता संजीव कंसल एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं राजेश्वरी रावत, एल.एन. सूर्यवंशी, विजय सेन चौधरी, सुनील सरना एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ मालती जोशीने डॉ.मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली दी। मुख्य अभियंता कंसल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखण्डता का जो पाठ पढ़ाया है वह सदैव हम सभी के लिए स्मरणीय रहेगा। वे भारत के महान नेता, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक एवं विचारक थे। वे 33 वर्ष की अल्पायु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रतिष्ठित पद पर आसीन हो गये थे। इस पद पर नियुक्ति पाने वे सबसे कम आयु के कुलपति थे। 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हुई। भारत ने एक ऐसा व्यक्तित्व खो दिया जो भारत को नई दिशा दे सकता था। कार्यक्रम वरिष्ठ कल्याण अधिकारी सह मुख्य रसायनज्ञ, गोवर्धन सिदार एवं सिविल विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 27 को

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। शहर के दादर स्थित जगन्नाथ मंदिर में परंपरागत उत्साह के साथ रथयात्रा का आयोजन 27 जून को होगा। इस पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करेंगे। रथयात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए मौसी मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान 15 दिनों तक प्रवास करेंगे। इसके बाद 5 जुलाई को बाहुड़ा यात्रा के साथ वे अपने मंदिर लौटेंगे। 27 जून को प्रातः 8 बजे से पूजन प्रारंभ होगा। दोपहर 1 बजे से भंडारा का आयोजन किया गया है। शाम 4 बजे भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करेंगे। नगर भ्रमण करते हुए भगवान मौसी मंदिर पहुंचेंगे, जहां उन्हें उनके प्रिय पकवानों और प्रसाद का भोग अर्पित होगा। 5 जुलाई को बाहुड़ा यात्रा के दौरान भगवान अपनी नगर यात्रा समाप्त कर मंदिर लौटेंगे। भक्तों का विश्वास है कि इस यात्रा में भगवान सभी के दुखों को हरते हैं और सुख-शांति का आशीर्वाद देते हैं। यात्रा के अंत में भगवान रुठी हुई माता लक्ष्मी को मनाकर मंदिर लौटेंगे, जहां विधि-पूर्वक उनकी स्थापना होगी। इसके बाद मंदिर का दरबार भक्तों के लिए पुनः खुल जाएगा।

कोरबा ब्लाक में 3 मंडल गठित करेगी कांग्रेस

कोरबा, 23 जून (देशबन्धु)। कांग्रेस संगठन के सृजन और मजबूती के लिए शीघ्र ही जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी तैयार किया जावेगा जिसमें कोरबा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अवसर मिलेगा साथ ही कोरबा ब्लॉक कांग्रेस के अंतर्गत तीन मंडल कांग्रेस का गठन किया जावेगा जो कि कांग्रेस संगठन के मजबूती में रीढ़ की हड्डी साबित होगी। टीपी नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय में कोरबा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नत्थुलाल यादव ने यह बात कही। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष राठौर ने संचालन करते हुए कहा कि कोरबा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत टीपी नगर एवं बुधवारी मंडल, सीतामणी एवं मुड़ापार मंडल तथा निहारिका एवं मानिकपुर मंडल कांग्रेस का गठन किया जाना चाहिए। इन तीनों मंडल में मंडल अध्यक्ष की नियुक्त कर उन्हें कार्यकारिणी तैयार करने के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए जिससे संगठन को और भी मजबूत बनाने में मदद मिलेगा। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पार्षद मुकेश राठौर ने कहा कि पार्टी के सिद्धांतों और विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए तभी कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगा। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे अपने कर्तव्यों को समझते हुए समर्पित भाव से पार्टी के लिए कार्य करें। बैठक में पार्षद नारायण कुर्रे, रवि चंदेल, सुकसागर निर्मलकर, सुभाष राठौर, अविनाश बंजारे, पूर्व पार्षद पालूराम साहू, रामगोपाल यादव, विनोद सोनकर, सरवर हुसैन खान, अनवर रजा, मो.शाहिद, गणेश दास, महंत, अरूण यादव ने सुझाव दिए। बैठक में मुख्य रूप से राकेश चौहान, सत्यप्रकाश साहू, सूरज सागर, संतोष पटेल, अभय सिंह, अनिल कुमार, शंकर पटेल, गोपाल यादव, सुनील नेताम, आदि उपस्थित थे ।

सार-संक्षेप

ट्रैक्टर खेत में पलटी, दो की मौत

धरमजयगढ़ के सिसरिंगा घाट के पास हुआ हादसा

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। जिले में गिट्टी और सीमेंट लेकर जा रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर घाटी से नीचे उतरकर खेत में पलट गई। इस घटना में ट्रैक्टर में सवार दो मजदूरों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया है। उक्त मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सिसरिंगा घाटी के पास बीती रात एक ट्रैक्टर चालक परमेश्वर यादव अचानक अपने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा जिसके बाद उक्त ट्रैक्टर घाटी से नीचे उतरते ही खेत में पलट गई। इस दौरान ट्रैक्टर में बैठे राजू टोप्पो एवं संदीप बड़ा की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दोनों मृतक सजवारी चैकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गणेशपुर के निवासी थे। इस घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही धरमजयगढ़ पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को अस्पताल भेजते हुए आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए उसकी पतासाजी में जुट गई है।

मौत बनकर आया करैत, युवक की ली जान

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। धरमजयगढ़ थाना अंतर्गत खम्हार गांव से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जिसमें एक युवक की मौत जहरीले सांप करैत के काटने से हो गई।

मिली जानकारी अनुसार युवक धर्मेंद्र पाल खम्हार बस स्टैंड में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है, जहां रोज की तरह काम खत्म कर वह रात लगभग 9 बजे घर लौटा था। और वहीं ग्रामीणों के बताए अनुसार जैसे ही युवक घर पहुंचा, उसी दौरान उसे करैत सांप ने डस लिया। युवक को तत्काल सांप के काटने का एहसास नहीं हुआ। कुछ ही देर में जब पैर की अंगुली में सूजन बढ़ने लगी और तबीयत बिगड़ने लगी, युवक कि स्थिति गंभीर होते देख घर वालों को सांप के काटने की आशंका हुई। इसके बाद घर में खोजबीन करने पर करैत सांप दिखाई दिया, जिससे स्थिति की गंभीरता समझ में आई। परिजन तत्काल युवक को सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ लेकर पहुंचे, जहाँ प्राथमिक उपचार किया गया। लेकिन हालत गंभीर होते देख चिकित्सकों ने रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। लेकिन युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हृदयविदारक घटना से खम्हार गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, और वहीं परिजनों में मातम छा गई है। वहीं गांव के लोगों ने मृतक युवक को एक मेहनती और शांत स्वभाव वाला व्यक्ति बताया।

प्रतिबंधित कफ सिरप तस्करी का खुलासा, 5 गिरफ्तार

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी नजर बनाए हुए रायगढ़ पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। चक्रधरनगर थाना पुलिस ने सीमावर्ती ओड़िशा राज्य से अवैध रूप से प्रतिबंधित 'छ्व्ब्स्ग्' कफ सिरप की तस्करी कर बिक्री की योजना बना रहे गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 110 शीशी नशीली सिरप (कुल मात्रा 11 लीटर), एक बिना नंबर की सोल्ड बुलेट और एक पल्सर मोटरसाइकिल, 4 नग मोबाइल को जब्त किया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देशन में सीमावर्ती क्षेत्रों से मादक पदार्थों की आवाजाही पर सतत निगरानी के निर्देशों एवं नगर पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा के मार्गदर्शन के तहत की गई। कल 21 जून को थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक अमित शुक्ला को सूचना मिली कि दो युवक ओड़िशा की ओर से रायगढ़ में नशीली सिरप बेचने की फिराक में बिना नंबर की काली बुलेट बाइक से आ रहे हैं। पुलिस टीम ने मेडिकल कॉलेज मार्ग और बाइपास रोड पर घेराबंदी की और एमसीएच अस्पताल के सामने संदिग्ध बाइक को रोकने का प्रयास किया, जिसमें दोनों युवक भागने लगे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। पूछताछ में बाइक चला रहे युवक ने अपना नाम नितिन चैहान (19), निवासी मधुडीपा, बरमकेला (फिलहाल मिट्ठुमुड़ा, रायगढ़) तथा उसके साथी ने अपना नाम मनीष चंद्रा (19), निवासी खैरा, थाना डभरा, जिला सक्ती बताया। तलाशी के दौरान मनीष के पिट्ठू बैग से 110 शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप (11,000 मि.ली.) बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत 21,780 है। इस पर दोनों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे यह सिरप नितिन चैहान की बुलेट बाइक में लेकर आ रहे थे और उनके दो अन्य साथी कृ अमन साहू और भूपेंद्र पल्सर बाइक में पायलेटिंग कर रहे थे ताकि रास्ते में पुलिस चेकिंग से बचा जा सके। वहीं एक अन्य साथी लोकेश साहू ने मनीष को 26,000 देकर यह सिरप ओड़िशा के कनकतुरा से किसी अज्ञात व्यक्ति से मंगवाने भेजा था। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पायलेटिंग कर रहे अमन साहू, भूपेंद्र और सिरप खरीद की रकम देने वाले लोकेश साहू को भी गिरफ्तार कर लिया तथा उनके कब्जे से पल्सर बाइक और घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया गया। पांचों आरोपियों को धारा 21, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

21 दिनों में 93 गुम इंसान तलाशे गए

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर के निर्देशानुसार राज्यभर में 1 जून से संचालित ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत रायगढ़ पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा-निर्देशन एवं डीएसपी सुशांतो बनर्जी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के दौरान जिले में बीते 21 दिनों में कुल 93 गुम इंसानों की सकुशल तलाश कर उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

अभियान के तहत जिलेभर में की गई खोजबीन में 83 वयस्क और 10 नाबालिग शामिल हैं। नाबालिगों की बरामदगी को प्राथमिकता पर रखते हुए उनकी तलाश में विशेष रणनीति अपनाई गई और संबंधित मामलों में आरोपियों पर पॉक्सो एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई भी की गई है। थाना स्तर पर देखें तो इस अभियान में थाना धरमजयगढ़ ने सबसे अधिक 13 गुम इंसानों की बरामदगी की है। उसके बाद थाना जूटमिल और कोतरारोड़ 11-11, पुसौर 8, भूपदेवपुर 7, पूंजीपथरा व खरसिया ने 6-6, कोतवाली व चक्रधरनगर 5-5, घरघोड़ा, तमनार और छाल थानों ने 4-4, चैकी खरसिया और रैरूमाखुर्द ने 3-3, थाना कापू ने 2 और लैलूंगा थाना ने 1 व्यक्ति को दस्तयाब कर सकुशल परिजनों को सौंपा। ऑपरेशन तलाश के तहत रायगढ़ पुलिस द्वारा मानवता और संवेदनशीलता के साथ की जा रही इस कार्यवाही को स्थानीय जनों से प्रशंसा मिल रही है। पुलिस का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

छाल क्षेत्र में सड़क पर आया डेढ़ दर्जन हाथियों का झुंड

वीडियो बनाने के चक्कर में गजराजों के नजदीक जा रहे ग्रामीण

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। शनिवार की देर शाम छाल रेंज में 18 हाथियों का झुंड सड़क पर आ गया था। जिसका वीडियो भी सामने आया है। वहीं रात में हाथी ने एक कच्चे घर के दीवार को भी ढहा दिया। जिसके नुकसान का आंकलन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल रेंज में 18 हाथी का दल 477 आरएफ में विचरण कर रहा है। जहां शनिवार की देर शाम को वह दल बरभौना से एडू जाने वाले रास्ते में आ गया। जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को लगी, तो उसे देखने के लिए काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और हाथियों के झुंड का वीडियो भी बनाया। बताया जा रहा है कि यह हाथी दल रात होने के बाद कुरकुट व मांड नदी को पार कर खरसिया रेंज के देहजरी गांव में पहुंच गए। खरसियां रेंजर संतोष कांत ने बताया कि रात में करीब 11 बजे हाथी तेंदूपत्ता गोदाम, कृष्णा नगर बस्ती में

विचरण करते रहे। इसके बाद देर रात फिर से हाथियों का दल नदी पार कर छाल रेंज में पहुंच गया।

गांव में कराई गई मुनादी

छाल वन परिक्षेत्र रेंजर चंद्रविजय सिंह सिदार ने बताया कि हाथियों पर लगातार निगरानी की जा रही है। हाथी रोड पर आ गए थे।

जिसकी जानकारी लगने के बाद ग्रामीणों को दूर रहने कहा गया और आसपास के गांव में मुनादी कराया गया है। हाथी ने एक कच्चे घर के दीवार को ढहाया है, जिसके नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

मकान के दीवार को तोड़ा

खाने की तालाश में हाथी विचरण करते हुए छाल रेंज के पुसल्दा गांव तक पहुंचे। जहां कर्मीपारा मोहल्ला में रहने वाला नरेश राठिया के कच्चे घर के एक दीवार को ढहा दिया। हाथी आने की जानकारी होने के बाद ग्रामीण घर से बाहर निकल चुके थे। इससे कोई जनहानि नहीं हुई। ग्रामीण व वनअमला हो-हल्ला करने लगे। जिससे हाथी जंगल की ओर चले गए।

पुश्तैनी जमीन के मुआवजा-हिस्सेदारी विवाद में भतीजे की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

घरघोड़ा के ग्राम कुर्मीभौना की घटना

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। घरघोड़ा पुलिस ने घरेलू विवाद के चलते अपने ही भतीजे की लकड़ी के बहिंगा से हत्या करने वाले 70 वर्षीय आरोपी मंगलू राठिया को गिरफ्तार कर हत्या के आरोप में न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

मामला ग्राम कुर्मीभौना (सुकबासीपारा) का है, जहां एक ही परिवार के पवन कुमार राठिया (40 साल) और उसके बड़े पिता मंगलूराम राठिया का पुस्तैनी भूमि ग्राम कुर्मीभौना में लगभग 9 एकड़ की समलाती भूमि दर्ज है, जिसे एसईसीएल बरौद कोयला खदान द्वारा अधिग्रहित किया जाना प्रस्तावित है। जमीन अधिग्रहण से मिलने वाले मुआवजा को लेकर परिवार में तनाव बना हुआ था।

इसी बीच मंगलुराम जमीन के ऐवज में 2,00,000 गांव में उधार लिया था जिसकी जानकारी पर पवन हिस्सा चाहता था और 20 जून की शाम पवन कुमार अपने बड़े पिता मंगलू राठिया के घर उधार रकम से हिस्से की रकम मांगने गया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसमें गुस्से में आकर मंगलू राठिया ने धौंरा लकड़ी के बहिंगा से पवन के सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल पवन को परिजनों द्वारा पहले सीएचसी घरघोड़ा और फिर मेडिकल कॉलेज रायगढ़ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना चक्रधरनगर में दर्ज बिना नंबरी मर्ग डायरी 21 जून को थाना घरघोड़ा को प्राप्त हुई।

घरघोड़ा पुलिस ने डायरी मिलने पर असल मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में आरोपी मंगलूराम राठिया पिता स्व. गौटूराम राठिया (उम्र 70 वर्ष) का नाम सामने आया, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया और घटना में प्रयुक्त खून लगा लकड़ी का बहिंगा पुलिस को पेश किया, जिसे जप्त कर लिया गया।

आरोपी के खिलाफ कल 21 जून को धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर आज न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

मूलभूत सुविधाओं को तरसते प्राची विहार के रहवासी

निगम से उपेक्षित कालोनीवासियों को अब ओपी से जगी आस

रायगढ़, 23 जून (देशबन्धु)। रायगढ़ शहर में शासकीय कर्मचारियों को खुद का एक मकान हो इस महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करने के लिए तत्कालिक कलेक्टर हर्षमंदर ने जिले के कर्मचारियों को सस्ते दर में भूखंड उपलब्ध कराया था।

मिनी स्टेडियम से लगा हुआ इस केलो विहार कालोनी में पंजीकृत सदस्यों को लाटरी के माध्यम से भूखंड आबंटित किए गए। सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण एक समिति का गठन किया गया। समिति कालोनी का विकास एवं सुविधाओं के लिए प्रयास करती रही ,सदस्यों की आवश्यकता को दृष्टिगत रख कर एक कृषक से भूखंड क्रय कर केलो विहार का उपनगर प्राची विहार बसाया गया जहां शेष सदस्यों को भूखंड आबंटित किए गए। सन 2000 में बसाया यह प्राची विहार कालोनी आज भी अपनी मूलभूत आवश्यकता सड़क, नाली के लिए तरस रहा है। रहने को तो यह कालोनी शहर से लगा हुआ है लेकिन यह ना तो निगम में है और ना ही रायगढ़ विधान सभा में, कहते हैं यह कालोनी ग्राम पंचायत बड़े अंतरमुड़ा , विधान सभा लैलूंगा में है। लेकिन इस कालोनी का कोई सुध लेने वाला कोई नहीं।100से अधिक परिवार सुविधाओं का बाट जोह रहा है।

बरसात में कालोनी से निकलना जंग जितना है।अब लोगों को रायगढ़ विधायक एवं प्रदेश के वित्त मंत्री ओ पी चैधरी से आशा है कि उनकी कोई सुनने वाला है। लोग आश लगाए बाट जोह रहे है। लेकिन वर्तमान में आंशिक मरम्मत की आवश्यकता है यह कार्य हो जाए तो बच्चों को स्कूल जाने एवं रहवासियों को आवागमन की सुविधा मिल सके। अपने जनप्रतिधि व प्रशानिक अधिकारियों से अब सुविधा की प्रतिक्षा में है प्राची विहार कालोनी के रहवासी।

2 लाख की लकड़ी अवैध परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार,वाहन व लकड़ी जब्त

मनेन्द्रगढ़, 23 जून (देशबन्धु)। जिले के वनमण्डल मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र बिहारपुर स्टाफ के द्वारा इमारती लकड़ी की कटाई कर अवैध परिवहन करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 2 लाख रुपयों की लकड़ी जप्त कर ली गई है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात लगभग 9 बजे वन परिक्षेत्र अधिकारी बिहारपुर लवकुश पाण्डेय को मुखबिर से सूचना मिली की बिहारपुर के जंगलों से ईमारती लकड़ी की कटाई कर अवैध रूप से परिवहन कर अम्बिकापुर ले जाने की तैयारी में कुछ लोग लगे हुए है। मुखबिर की सूचना से तत्काल वनमंडलाधिकारी वनमण्डल मनेन्द्रगढ़ मनीष कश्यप को अवगत कराया गया जिसके बाद उनके निर्देश और प्रशिक्षु उप वनमंडलाधिकारी ऋषभ जैन के मार्गदर्शन में विशेष टीम बनाकर बिहारपुर रवाना किया गया। वन अमले द्वारा लगातार मौका स्थल की निगरानी की जा रही थी इसी दौरान आरोपी नीरज यादव वनकर्मियों को चकमा देकर ट्रक में लकड़ी लोडकर फरार हो गया।

वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा ट्रक का पीछा कर उसे पुलिस सहायता केन्द्र नागपुर के पास पकड़ लिया गया। गाड़ी में लोड ईमारती लकड़ी के संबंध में पूछताछ करने पर चालक नीरज यादव द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही किया गया। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें 20 नग साल और 2 नग तेंदू के लट्ठे मिले जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रूपये है।

अवैध लकड़ी परिवहन में उपयोग

किये जा रहे ट्रक क्रमांक एमपी-18 एच 5358 कीमत लगभग 15 लाख को जप्त कर राजसात की कार्यवाही की जा रही है।

कार्यवाही के संबंध में जानकारी देते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी बिहारपुर लवकुश पाण्डेय ने बताया की वनमंडलाधिकारी मनेन्द्रगढ़ मनीष कश्यप द्वारा वृक्षों की कटाई रोकने और तस्करों पर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया जा रहा था। इसी के परिपालन में मुखबिर तैनात कर वन अमला लगातार निगरानी कर रहा था। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने के लिये विभाग के कर्मचारी लगे हुए थे।

सोमवार की अल सुबह अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी चालक नीरज यादव पिता सुरेन्द्र यादव उम्र 29 वर्ष निवासी शहडोल मध्यप्रदेश गाड़ी को लेकर भाग गया जिसका पीछा कर गाड़ी को वन अमले ने पुलिस सहायता केन्द्र नागपुर के पास पकड़ लिया। मामले की जांच की जा रही है साथ ही एसडीओ फॉरेस्ट को गाड़ी के राजसात के लिये पत्र लिखा गया है।

सम्पूर्ण कार्यवाही में वनमंडलाधिकारी वन मण्डल मनेन्द्रगढ़ मनीष कश्यप, प्रशिक्षु उप वनमंडलाधिकारी ऋषभ जैन, वन परिक्षेत्राधिकारी बिहारपुर लवकुश पाण्डेय, डिप्टी रेंजर तरुण रजक, द्वारिका नाथ सिन्हा, वन रक्षक भाव सिंह पावले,दीपक सोनवानी,आशीष टोप्पो, पवन केंवट,राहुल मांझी, अरविंद राय, ड्राइवर अशोक प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई एमसीबी के तीन ब्लाकों को मिले नए अध्यक्ष

मनेंद्रगढ़ से शुद्धुलाल वर्मा, चिरमिरी खड़गवां से मनोज श्रीवास्तव तथा जनकपुर के देवेंद्र पांडे होंगे ब्लॉक अध्यक्ष, जिला महासचिव द्रोणाचार्य दुबे ने जारी की लिस्ट

एमसीबी चिरमिरी , 23 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रदेश कार्यकारिणी के मुखिया प्रदेशाध्यक्ष अरविंद अवस्थी के निर्देश पर एमसीबी जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर आवेदन मंगाए गए थे जिस पर काफी चर्चा और विचार विमर्श के बाद जिले के तीन ब्लॉक में अध्यक्षों को मनोनीत करने के लिए कई नामों में तीन नामों पर सहमति बनी है।

इस चयन प्रक्रिया में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी के निर्देश, प्रदेश महासचिव विश्व दीपक राई और प्रदेश सचिव श्रीराम बरनवाल के अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष मृत्युंजय चतुर्वेदी के मार्ग दर्शन पर जिला महासचिव द्रोणाचार्य दुबे ने मनेंद्रगढ़ से शुद्धुलाल वर्मा, चिरमिरी - खड़गवां से मनोज श्रीवास्तव और जनकपुर से देवेंद्र पांडे को ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किए, जाने की अधिकृत घोषणा की है। उक्त मनोनयन पर प्रदेश कार्यकारिणी, प्रदेशाध्यक्ष समेत जिला इकाई ने नव नियुक्त तीनों ब्लॉक अध्यक्षों को बधाई देते हुए संगठन को उच्चतम शिखर पर ले जाने उम्मीद तीनों ब्लॉक अध्यक्षों से जताई है। नव नियुक्त तीनों ब्लॉक अध्यक्षों के मनोनयन पश्चात संगठन को मजबूत करने सहित पत्रकार हित में संगठनात्मक ढांचा को नवीन रूप देने का विश्वास नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों ने दिलाया है, उम्मीद की जा रही है कि जिले को तीन नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष मिलने से जिले के तीनों दिशाओं में संगठन अपना परचम लहराने में कामयाब होगा।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में युवक और बुजुर्ग की मौत, पुलिस ने शुरू की जांच

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक और एक बुजुर्ग की मौत हो गई। लैलूंगा थाना पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मर्ग कायम कर दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम कटकलिया निवासी कृपाराम लकड़ा ने बताया कि उनका भांजा गोपाल मिंज शनिवार शाम पांच बजे मोटरसाइकल (क्रमांक सीजी 13 बीडी 2387) से लैलूंगा जा रहा था। शाम साढ़े पांच बजे सड़क हादसे की सूचना मिलने पर कृपाराम मौके पर पहुंचे, जहां गोपाल घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन प्रारंभिक जांच में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दूसरी घटना में पहाड़ लुडेग निवासी हेमवती पैकरा ने बताया कि उनके पिता मेहतर पैकरा उनके घर आए हुए थे। शनिवार शाम चार बजे वे बाजार करने लैलूंगा गए थे। झरन गांव के गोठान के पास लौटते समय एक मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी 13 एएल 5315) के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मेहतर को जोरदार टक्कर मार दी। सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रारंभिक उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

नवदुर्गा फ्यूल्स ने महिला कोटवार की शासकीय सेवा भूमि पर 21 बरस से कर रखा था अवैध कब्जा

स्वस्तिक मजदूर सेवा समिति की पहल से कोटवार को 15 रोज में वापस मिलेगी जमीन

तहसीलदार ने किया आदेश जारी

रायगढ़ 23 जून (देशबन्धु)। रायगढ़ मुख्यालय अंतर्गत ग्राम पंचायत सरायपाली में कोटवार सुलोचनी चैहान की शासकीय सेवा भूमि पर सरायपाली में स्थित नवदुर्गा फ्यूल्स फैक्ट्री के द्वारा पिछले 20 वर्षों से घेरा लगाकर अवैध रूप से कब्जा करते हुए उसे परेशान करने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं उसके बच्चों का दाना-पानी

तक कंपनी छीन रही है। ऐसे में स्वस्तिक मजदूर सेवा समिति के प्रयास से तहसीलदार ने कंपनी को 15 रोज में कोटवार को उसकी जमीन वापसी का फरमान जारी किया है।

दरअसल,कोटवार सुलोचनी चैहान अपने बच्चों को पालन पोषण के लिए अपनी सेवा भूमि को पाने एसडीएम, तहसीलदार कलेक्टर एवं थाने में कई बार शिकायत कर थक चुकी थी। ऐसे बुरे हालात में सुलोचनी चैहान को स्वस्तिक मजदूर सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय चकोले, प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा साहू एवं रायगढ़ जिला अध्यक्ष पिंटू सिंह का सपोर्ट मिला। यही नहीं, मजदूर सेवा समिति ने नवदुर्गा फ्यूल्स फैक्ट्री के प्रबंधक से चर्चा के अलावे कंपनी गेट के सामने कई मर्तबे धरना प्रदर्शन कर कंपनी प्रबंधन को कोटवार की जमीन वापस करने लिखित पत्र जारी किया। साथ ही शासन-प्रशासन को भी कोटवार की जमीन वापसी हेतु आवेदन दिया गया, तब कहीं जाकर तहसीलदार ने कंपनी को आदेशित किया कि 15 दिवस के अंदर कोटवार की जमीन को वापस किया जाए।

सार-संक्षेप

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जिला सम्मेलन संपन्न

चांपा, 23 जून (देशबन्धु)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, जिला जांजगीर-चाम्पा का एक दिवसीय जिला सम्मेलन 22 जून को चाम्पा स्थित पार्टी कार्यालय में संपन्न हुआ। राज्य पर्यवेक्षक डॉ. सोमदास गोस्वामी व कामरेड निसार अली की उपस्थिति में सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इप्टा रायपुर के कलाकारों द्वारा नाचा-गम्मत व जनगीत से हुई। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर भोजपुर क्षेत्र में जनसंपर्क किया और शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सम्मेलन में 5 सदस्यीय अध्यक्ष मंडल का गठन कर कार्यवाही प्रारंभ हुई। कामरेड सत्य नारायण कमलेश ने राजनीतिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर चर्चा के लिए आमंत्रित किया। तत्पश्चात नई जिला परिषद का गठन हुआ जिसमें कामरेड मुकेश वोहरा को जिला सचिव, चंद्रप्रकाश लावानिया को सह-सचिव एवं सत्य नारायण कमलेश को कोषाध्यक्ष चुना गया। कुल 21 सदस्यीय परिषद बनी, कार्यकारिणी का चयन आगामी बैठक में होगा। सम्मेलन में 95 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई और 100 से अधिक वयस्क व दर्जनों बच्चों ने भाग लिया। समापन वरिष्ठ कामरेड संतुदास महंत व अन्य नेताओं के उद्बोधन से हुआ।

विश्व ओलंपिक दिवस पर सद्भावना दौड़ का आयोजन

जांजगीर, 23 जून (देशबन्धु)। विश्व ओलंपिक दिवस के उपलक्ष्य में हाई स्कूल मैदान, जांजगीर में सद्भावना दौड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने भाग लेते हुए युवाओं और बच्चों को नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, जो हिट है, वो फिट है इस संदेश के साथ उन्होंने सभी को शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूक करते हुए समाज में नशा उन्मूलन हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में सीएसपीश्रीमती कविता ठाकुर, थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

ओलंपिक दिवस पर आयोजित हुई सद्भावना दौड़, विजेताओं एवं खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

ऋतु सूर्यवंशी और चंद्रप्रकाश रहे दौड़ में अव्वल

जांजगीर, 23 जून (देशबन्धु)। विश्व ओलंपिक दिवस के अवसर पर 23 जून सोमवार को जिला ओलंपिक संघ जांजगीर-चांपा द्वारा फिट रहो, हिट रहो के संदेश के साथ सद्भावना दौड़ एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय थे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने की। विशेष अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा गढ़ेवाल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष गुलाब सिंह चंदेल और नगर पालिका उपाध्यक्ष मोहन यादव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन हाईस्कूल मैदान से आरंभ हुआ, जहां से अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर दौड़ की शुरुआत की गई। दौड़ का रूट हाईस्कूल मैदान से शुरू होकर कचहरी चौक (पिंक कार्ड), नेताजी चौक (यलो कार्ड) होते हुए बिसाहू दास महंत बालोद्यान में समाप्त हुआ। कुल 3 किलोमीटर की दौड़ में बालक वर्ग से पामगढ़ के चंद्रप्रकाश और बालिका वर्ग से खोखरा की ऋतु सूर्यवंशी ने पहला स्थान प्राप्त किया। दौड़ के समापन के पश्चात हुए समारोह में टॉप टेन धावकों को मेडल, प्रमाणपत्र व नकद राशि से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और समाजसेवियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आज

जांजगीर, 23 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक 24 जून मंगलवार को सायं 4 बजे कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में आहूत की गई है। इस बैठक में रबी सिंचाई की समीक्षा एवं आगामी खरीफ सिंचाई कार्यक्रम तथा खाद बीज की उपलब्धता पर चर्चा की जाएगी। सचिव/नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर ने जिले के कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि बैठक में भाग लेकर अपना सुझाव रखकर कार्यक्रम निर्धारण में सहयोग प्रदान करें।

मौसमी बीमारियों से सुरक्षा, खाद-बीज की उपलब्धता का रखें ख्याल-कलेक्टर

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में वय वंदना योजना की धीमी प्रगति पर जतायी नाराजगी

जांजगीर, 23 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने मौसमी बीमारियों से लोगों को सुरक्षा के उपाय बताने, खाद-बीज की उपलब्धता और पीएम विश्वकर्मा योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने, आगामी वर्षा ऋतु की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

कलेक्टर ने मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग को सजग व सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि बीमारियों की रोकथाम प्रभावी ढंग से हो सके। आम जनता को मौसमी बीमारियों से जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर एवं प्रचार अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ड्रेनेज व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए शहरी क्षेत्रों में जल भराव और गंदगी की समस्या को लेकर नगर पालिका अधिकारियों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देशित किया गया। उन्होंने ड्रेनेज की समुचित सफाई हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं वय वंदना योजना की प्रगति की जानकारी ली एवं वय वंदना योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रगति में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने पीएम विश्वकर्मा योजना का पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि किसानों को किसी भी परिस्थिति में खाद एवं बीज की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि मांग के अनुरूप पर्याप्त भंडारण की पूर्व व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही स्थानांतरण नीति के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार के जर्जर भवन में कक्षा का संचालन न किया जाए, बच्चों की सुरक्षा जरूरी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री महोबे ने अतिक्रमण मुक्त किये गये शासकीय भूमि को पुन: अतिक्रमण होने से मुक्त रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक विकासखंड में दिव्यांगता जांच शिविर की कार्य योजना बनाने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने 'धरती आबा' अभियान की समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों को त्वरित लाभ पहुँचाने के लिए आवेदनों की शीघ्र जांच एवं स्वीकृति की प्रक्रिया में कोई विलंब न होने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जर्जर सड़कों की मरम्मत कार्य में तेजी लाने, जल जीवन मिशन के अंतर्गत बिछी पाइपलाइनों की खराबी को शीघ्र सुधारने तथा बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

अवैध खनन के मामलों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित विभाग को निरंतर निरीक्षण एवं कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया। कलेक्टर ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में कचरा उठाव के बाद गीले एवं सूखे कचरे का पृथक संग्रहण किया जाए। स्वच्छता अभियान को शासकीय कार्यालयों में नियमित रूप से संचालित किया जाए। उन्होंने कुपोषण के विरुद्ध सतत अभियान चलाने पर भी विशेष बल देते हुए कहा कि कुपोषित बच्चों की पहचान कर पोषण पुनर्वास केन्द्रों से लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सराफा व्यापारियों को अब सोना-चांदी बेचने वालों का रखना होगा रिकॉड

पुलिस अधीक्षक ने दिए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश

जांजगीर, 23 जून (देशबन्धु)। जिले के सराफा व्यापारियों के लिए अब सुरक्षा के दृष्टिकोण से अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक होगा। इसी संदर्भ में छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन द्वारा 22 जून को आनंदम निधिवन रिसॉर्ट, अमरताल (अकलतरा) में आयोजित राज्य स्तरीय आमसभा एवं सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में व्यापारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम में जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय विशेष रूप से आमंत्रित थे। उन्होंने सराफा व्यवसायियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी दुकानों में सीसीटीव्ही कैमरे, उच्च गुणवत्ता की लाइट व्यवस्था, मजबूत लॉकर एवं शटर, साथ ही सायरन सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाएं। इसके अतिरिक्त संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखने, अकेले दुकान संचालन से बचने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस अधीक्षक ने यह भी निर्देशित किया कि यदि कोई व्यक्ति सोना, चांदी या अन्य आभूषण बेचने आता है, तो उसका आधार कार्ड, फोटो व पूर्ण पता संबंधित रजिस्टर में दर्ज किया जाए। इस सुझाव को सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष कमल सोनी सहित उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई। इस अवसर पर जिले के सांसद, अकलतरा व जांजगीर-चांपा के विधायकों सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धारदार हथियार लेकर दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार

जांजगीर, 23 जून (देशबन्धु)। थाना बलौदा क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर लोहे का धारदार कत्तानुमा हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने वाले एक आरोपी को बलौदा पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

बलौदा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ओम स्टूडियो के सामने बलौदा में एक व्यक्ति धारदार हथियार लेकर आम लोगों को भयभीत कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। वहां एक व्यक्ति हाथ में लोहे का कत्तानुमा धारदार हथियार लिए मिला, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान रमेश कुमार यादव उर्फ खालू, उम्र 34 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 12, हरदी बाजार रोड, बलौदा, थाना बलौदा, जिला जांजगीर-चांपा के रूप में हुई। आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार हथियार बरामद कर उसे गवाहों के समक्ष जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 251/25 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं दिनांक 22 जून 2025 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस त्वरित कार्यवाही में थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक गजाधर पाटनवार, प्रधान आरक्षक मुकेश यादव, आरक्षक अनिल सिंह, रूपेश डहरिया, एवं श्याम राठौर की भूमिका रही।

फरकानारा में पीडीएस घोटाला से ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

खाद्य इंस्पेक्टर की 'चुप्पी' पर सवाल

खरसिया,23 जून (देशबन्धु)। खरसिया विकासखंड की ग्राम पंचायत फरकानारा में एक ऐसा घोटाला उजागर हुआ है, जो न सिर्फ गरीबों के हक पर डाका डाल रहा है, बल्कि पूरे सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी पीडीएस दुकान में लाखों रुपये की हेराफेरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने क्ष्ठस्र संचालक पर 'चना-चोर' का ठप्पा लगाते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि महीनों से चना के नाम पर सिर्फ आंखों में धूल झोंकी जा रही है, जबकि सरकारी कागजों में चना बंट चुका है। यह 'कागजी चना' का खेल आखिर कब तक चलेगा?

ग्रामीणों की आवाज में गुस्सा और बेबसी साफ झलक रही है। एक ग्रामीण, रामाधीन निषाद, ने तल्ख लहजे में कहा, हम भूखे मर रहे हैं, और ये लोग हमारा राशन लूट रहे हैं। चना के नाम पर बस टरकाया जा रहा है। इस संचालक का लाइसेंस कैंसिल करो, नहीं तो हम सड़क पर उतरेंगे! दूसरी ओर, पीडीएस संचालक का दावा है कि उसने चना बांटा है, लेकिन जब ग्रामीणों ने पूछा कि चना गया कहां, तो जवाब में सिर्फ बहाने और धमकियां मिलीं।मामला तब और तूल पकड़ गया जब मीडियाकर्मी सच्चाई जानने फरकानारा पहुंचे। पीडीएस संचालक ने न सिर्फ सवालों से मुंह मोड़ा, बल्कि उल्टा मीडियाकर्मियों को धमकाते हुए कहा, खबर को यहीं दबा दो, वरना मैं तुम्हारी तस्वीर खींचकर खाद्य इंस्पेक्टर को भेज दूंगा। यह धमकी सुनकर हर कोई हैरान रह गया। आखिर खाद्य इंस्पेक्टर का नाम क्यों? क्या यह सिर्फ एक हड़काने की चाल थी, या इसके पीछे कोई बड़ा 'खेल' चल रहा है? ग्रामीणों का तो साफ कहना है कि इस घोटाले की जड़ें गहरी हैं और इसमें ऊपरी स्तर के लोग भी शामिल हो सकते हैं। स्थानीय सरपंच ने भी इस मामले में आग में घी डालने वाला बयान दिया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक दुकान का मसला नहीं, बल्कि हमारी सरकार की साख पर हमला है। क्ष्ठस्र में भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। खाद्य इंस्पेक्टर बार-बार आते हैं, लेकिन उनकी आंखों पर पट्टी बंधी रहती है। न घोटाला दिखता है, न भ्रष्टाचार। आखिर इतनी मेहरबानी क्यों? सरपंच ने यह भी खुलासा किया कि फरकानारा ही नहीं, बल्कि आसपास की कई ग्राम पंचायतों में यही हाल है। खाद्य इंस्पेक्टर की जांच हमेशा 'खाली हाथ' क्यों रहती है? क्या यह महज संयोग है, या इसके पीछे कोई 'सेटिंग' है।ग्रामीणों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है।

महास्नान के बाद महाप्रभु जगन्नाथ पड़ गए बीमार

भगवान पांच दिन रहेंगे एकांतवास में, सीधे रथयात्रा को देंगे भक्तों को दर्शन

जांजगीर, 23 जून (देशबन्धु)। रविवार 22 जून को भगवान श्री शिवरीनारायण मठ मंदिर में एकादशी पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को महास्नान कराया गया। महास्नान के बाद भगवान अब स्वस्थ हो गए हैं। इस दौरान भगवान को काढ़ा पिलाया जाएगा। वे अब क्वारेंटाइन में रहेंगे। इस दौरान उन्हें का काढ़ा व औषधि ही खिलाई जाएगी। पौराणिक मान्यता व परंपरा का निर्वहन करते हुए श्री जगन्नाथ स्वामी एकादशी को महास्नान के पश्चात अस्वस्थ हो गए हैं। उनका औषधियों से इलाज प्रारंभ हो चुका है। अभी 5 दिनों तक विशेष सेवा व स्वास्थ्य लाभ के बाद रथयात्रा के दिन भक्तों को दर्शन देंगे। मान्यता है एकादशी को महास्नान के साथ ही भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ जी एवं सुभद्रा बीमार हो जाते हैं। उनका उपचार आयुर्वेदिक औषधियों से किया जाता है। भगवान की विशेष पूजा त्यागी जी महाराज, सुखराम दास सहित अन्य भक्तों ने की।

ठीक होने तक भगवान रहेंगे होम आइसोलेशन में

अभी 5 दिनों तक भगवान होम आइसोलेशन में रहेंगे। भक्तों को दर्शन नहीं देंगे। भगवान को रविवार को उनके मंदिर से दूसरे स्थान एकांतवाश पर ले गए। जिससे अब भक्तों को सीधे 5 दिनों बाद 27 जून को रथयात्रा के दिन ही भगवान के दर्शन हो पाएंगे। भगवान का राजेश्री महन्त डॉ रामसुन्दर दास जी महाराज, त्यागी जी महाराज व सुखराम दास द्वारा पूजा अर्चना कर औषधि का भोग लगाया जाएगा। बहरहाल भक्तों को 5 दिनों तक भगवान के दर्शन नहीं मिलेंगे।

काली मिर्च जायफल और तुलसी का देंगे काढ़ा

बीमार हालत में भगवान का उपचार आयुर्वेदिक औषधियों से किया जाता है। उन्हें काली मिर्च, लौंग, इलाइची, जायफल चंदन एवं तुलसी का काढ़ा बनाकर दिया जाता है। आगामी 5 दिनों तक भगवान को बीमार होने पर परहेज का पालन करना होगा। उन्हें छप्पन भोग नहीं बल्कि मौसमी फल एवं फलों के जूस दिए जाएंगे। जिससे कि उनकी तबीयत जल्द ही ठीक हो जाए।

कोविड्-19 महामारी के नाम पर भेजे गए प्रस्ताव का मामला ध्यान आकर्षण के माध्यम से विधानसभा में गूंजेगा- उत्तरी जांगड़े

कलेक्टर को भी दिया ज्ञापन

सारंगढ़, 23 जून (देशबन्धु)। सारंगढ़ का इतिहास किसी से छिपा नहीं है बड़े-बड़े घोटाले नीचे स्तर से लेकर ऊपर स्तर तक के मिली भगत से हुए हैं सारंगढ़ की तासीर ही कुछ ऐसी है कि यहां चोर पुलिस मुशायरे भाई की तरह कार्य को अंजाम दिया जाता है और करोड़ों रुपए के घोटाले कागज में कर दिए जाते हैं शासन के नाक के नीचे सभी कागजी कार्रवाई होती है। लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगती पूरा देश वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा था और सभी घरों में लॉक थे इस दौरान हजारों की संख्या में अन्य प्रदेश कार्य करने गए प्रवासी मजदूर अपने घर लौटे और उनकी खान-पान की व्यवस्था क्वॉरेंटाइन सेंटर में की गई जहां देश के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट रहा था तो दलाल कॉविड-19 के आड़ में लाखों रुपया कमाने की जुगाड़ लगा रहे थे इसका ताजा उदाहरण सारंगढ़ जनपद पंचायत में घटा और तत्कालीन जिला रायगढ़ के जनपद पंचायत सारंगढ़ में एक करोड़ 71 लाख की वैश्विक महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों के लिए क्वॉरेंटाइन सेंटर में दिए गए भोजन के व्यय के नाम पर बाढ़ आपदा मद से राशि स्वीकृत कर ली गई और पंचायत को आवंटित भी कर दी गई इसकी भनक जब जनप्रतिनिधियों को लगी तो उन्होंने उच्च स्तर में शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की लेकिन खाना पूर्ति के लिए कार्यवाही हुई और घोटाले बच निकले एक बार फिर कोविड-19 वैश्विक महामारी के आड़ में करोड़ों रुपए के घोटाला करने दलाल सक्रिय हो गए हैं। जिसे लेकर सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी जांगड़े ने पूर्व में हुए घोटाले को ध्यान आकर्षित कराते हुए सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला कलेक्टर को एक पत्र लिखकर जिला से भेजे गए प्रस्ताव को तत्काल रोकने की मांग की है उन्होंने पत्र में लिखा है कि

कोविड-19 वैश्विक महामारी में एस.डी.आर-एफ मद से राशि दलालो के माध्यम से प्रवासी व्यक्तियों के भोजन व्यवस्था के नाम पर शासन से जिला स्तर पर होने वाली घोटाला को रोकने बाबत।उपरोक्त विषय पर लेख है कि पूर्व जिला रायगढ़ के माध्यम से जनपद पंचायत सारंगढ़ से 171193000/- रूपये ग्राम पंचायतों में ट्रांसफर किया जा चुका है। जिसकी जांच टीम भी गठित हुआ पर आनन-फानन में सरपंच/सचिव के बचाव पक्ष के जवाब कर दे दिया गया था जबकी कोरोना काल के समय पैसा पंचायतो के माध्यम से व्यय हुआ था। जिससे 15 वे वित्त योजना भरपाई किया जा चुका है। सरपंच/सचिव को लालच में लेकर 50 लाख रू. की कमीशन के चक्कर में फिर से फचाने की कोशिश हो रहा है। अभी वर्तमान समय हमारे सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला के लगभग 20 करोड़ रूपये से अधिक की राशि शासन को गुमराह करते हुए, दलालो के माध्यम से भ्रष्टाचार करने के राशि भेजवाने का प्रयास किया जा रहा है।

अगर समय रहते हुए इसको रोकना अतिआवश्यक है अगर दलाल लोग सफल हो जाते है। तो प्रदेश का सबसे बड़ा घोटाला होगा। शासन को करोड़ो अरबो रूपये का नुकसान उठाना पड़ेगा।अत: इस मामले को गंभीरता से ध्यान में रखते हुए तत्काल इस विषय पर रूचि लेते हुए भ्रष्टाचार को रोकने का निवेदन विधायक ने कलेक्टर से किया है तथा मामले को विधानसभा में भी उठाने की बात भी विधायक ने कही है।

देश विदेश

चीन में भीषण गर्मी को देखते हुए चेतावनी जारी

बीजिंग, 23 जून (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग में सोमवार को भीषण गर्मी के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। बीजिंग मौसम विज्ञान वेधशाला ने यह जानकारी दी। देश में सोमवार और मंगलवार को दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक शहर के मैदानी इलाकों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि वे इस गर्मी के दौरान बाहर निकलने से बचें और लंबे समय तक धूप में नहीं रहें। उल्लेखनीय है कि चीन में शुक्रवार को येलो अलर्ट जारी किया गया था और शनिवार दोपहर 3:40 बजे बीजिंग के दक्षिणी इलाके में तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था जो अब तक देश में सबसे गर्म दिन रहा।

पाक ने ट्रंप को दिया झटका, चीन-रूस के साथ दिखाई एकजुटता

■ **डोनाल्ड ट्रंप के साथ हाल ही में पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख की हुई थी मुलाकात**

संयुक्त राष्ट्र, 23 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने ईरान के मुद्दे पर अमेरिका को बड़ा झटका दे दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हाल ही में पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर की मुलाकात हुई थी। ये मानते हुए कि पाकिस्तान में वास्तविक सत्ता सेना के पास है, डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को मुनीर की व्हाइट हाउस में मेजबानी की। वाशिंगटन में असीम मुनीर के लिए जबरदस्त बंदोबस्त किए गए थे। इससे इस्लामाबाद और वाशिंगटन के बीच नजदीकियां बढ़ने की अटकलें लगाई जाने लगीं। हालांकि पाकिस्तान ने ईरान के मुद्दे पर सुरक्षा परिषद में अमेरिका के खिलाफ जाकर चीन और रूस का साथ दिया है।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने रविवार को ईरान पर हुई आपात बैठक में कहा कि इस्लामाबाद ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिका की ओर से किए गए हमलों की कड़ी निंदा करता है। अहमद ने बताया कि पाकिस्तान अपने मित्र चीन और सहयोगी रूस के साथ मिलकर सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव का मसौदा प्रसारित कर रहा है ताकि इसे अपनाया जा सके।

यह आपात बैठक ईरान के अनुरोध पर बुलाई गई थी। अमेरिका की ओर से उसकी तीन परमाणु साइटों पर बमबारी के बाद ये बैठक हुई। अहमद ने कहा कि सुरक्षा परिषद को 13 जून से ईरान पर किए गए हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए और उन्हें खारिज करना चाहिए, क्योंकि ये अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर

उन्होंने कहा कि ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फाहान स्थित परमाणु केंद्रों पर हालिया हमले अमेरिका की ओर से किए गए हैं। अहमद ने कहा कि परिषद को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की ओर से संरक्षित परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों की निंदा करनी चाहिए, जो सुरक्षा परिषद और आईएईए के प्रस्तावों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन करते हैं। अहमद ने कहा कि हम इजरायल के कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम चीन और रूस के साथ मिलकर ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करते हैं।

डीएचएस ने दी आतंकवादी हमलों की चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने ईरान के परमाणु केन्द्रों पर वायु सेना के हमलों के बाद अगले दो महीनों में देश में आतंकवादी हमलों की चेतावनी दी है। विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि यदि ईरानी नेतृत्व ने गृहभूमि में लक्ष्यों के खिलाफ जवाबी हमलों का आह्वान करते हुए धार्मिक निर्णय जारी किया तो गृहभूमि में हिंसक चरमपंथियों द्वारा संघर्ष के जवाब में स्वतंत्र रूप से हिंसा करने की आशंका बढ़ जाएगी। बुलेटिन में उल्लेख किया गया है कि अमेरिकी कानून प्रवर्तन के अनुसार अमेरिका में कई आतंकवादी हमले यहूदी-विरोधी भावना से प्रेरित थे। बुलेटिन में कहा गया है कि चल रहे इजरायल-ईरान संघर्ष से अमेरिका में रहने वाले व्यक्ति अतिरिक्त हमलों की साजिश रच सकते हैं। डीएचएस ने साइबर खतरों के बढ़ते जोखिमों की भी चेतावनी दी। बुलेटिन में कहा गया है कि ईरान में चल रहे संघर्ष के कारण अमेरिका में ख़तरे का माहौल बढ़ रहा है। ईरान समर्थक हैक्टीविस्टों द्वारा अमेरिकी नेटवर्क पर निम्न-स्तरीय साइबर हमले किए जाने की आशंका है और ईरान सरकार से जुड़े साइबर समूह अमेरिकी नेटवर्क पर हमले कर सकते हैं। यह अलर्ट दो महीने के लिए 22 सितंबर तक प्रभावी रहेगा।

■ **अमेरिका में यहूदी-विरोधी भावना से प्रेरित थे कई आतंकवादी हमले**

बांग्लादेश ने की ईरान पर अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा

ढाका। बांग्लादेश ने ईरान में परमाणु संयंत्रों को निशाना बनाकर हाल ही में किए गए अमरीकी हमलों पर गहरी चिंता जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस तरह के घटनाक्रम से पहले से ही नाजुक क्षेत्रीय स्थिति और भी खराब हो सकती है और अंतरराष्ट्रीय शांति तथा सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ सकता है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में है। यह सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाली किसी भी कार्रवाई से बचने का आग्रह करता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आहवान करता है कि वह तनावपूर्ण स्थिति में कमी लाने और पश्चिम एशिया में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल हो। रचनात्मक जुड़ाव, आपसी सम्मान और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का पालन ही स्थायी शांति का एकमात्र स्थायी मार्ग है।

रूस का नाटो के रक्षा खर्च बढ़ाने पर नकारात्मक रूख ही रहेगा : अलेक्जेंडर ग्रुश्को

यदि ऐसा निर्णय लिया जाता है तो इससे यूरोपीय सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था 'युद्ध' की ओर चली जाएगी जो उनके नागरिकों के लिए नुकसानदायक साबित होगी : अलेक्जेंडर ग्रुश्को

मास्को, 23 जून (एजेंसियां)। रूस के उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को ने कहा है कि रूस उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के रक्षा खर्च को बढ़ाने की योजना के खिलाफ है और वह अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना जारी रखेगा। सरकारी संवाद एजेंसी स्पुतनिक ने यह जानकारी दी है।

रूसी विदेशमंत्री ने स्पुतनिक से बातचीत करते हुए कहा 'यदि ऐसा निर्णय लिया जाता है तो इससे विशेष रूप से यूरोपीय सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था 'युद्ध' की ओर चली जाएगी जो उनके नागरिकों की सामाजिक और आर्थिक भलाई के लिए नुकसानदायक साबित होगी।'

श्री ग्रुश्को ने कहा कि इस योजना से यूरोपीय संघ के सैन्यीकरण की प्रक्रिया में तेजी आएगी जिससे यूरोप और वैश्विक स्तर पर सुरक्षा की स्थिति और भी खराब हो जाएगी। इसलिए हम इस निर्णय के खिलाफ हैं मगर अपनी सुरक्षा और रक्षा क्षमता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करना जारी रखेंगे।

गौरतलब है कि जून में नाटो महासचिव मार्क रूटे ने नाटो सदस्य देशों का आहवान किया था कि वे अपने रक्षा खर्च को अपने अपने सकल घरेलू उत्पाद के वर्तमान 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.5 प्रतिशत करें और बुनियादी ढांचे के विकास, सैन्य उद्योग और अन्य सुरक्षा-संबंधी निवेशों पर अन्य 1.5 प्रतिशत धनराशि खर्च करे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मांग की थी कि नाटो सहयोगी सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत रक्षा क्षेत्र पर खर्च करें।

रूसी हमले में छह यूक्रेनी की मौत

कीव/मॉस्को। यूक्रेन की राजधानी कीव में देर रात किए गए रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में छह लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्सको के अनुसार, हमलों से शहर में कई जगह आग लग गई। इसमें पश्चिमी स्वियातोशिन्स्की जिले में मेट्रो स्टेशन का प्रवेश द्वार और केंद्रीय शेवचेंकिवस्की जिले में एक पांच मंजिला इमारत का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने बताया कि सोमवार सुबह तक, हमले के बाद की स्थिति से निपटने के लिए शहर में दो स्थानों पर 100 उपकरणों के साथ लगभग 400 राहत एवं बचाव कर्मियों को तैनात किया गया है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार रूस ने कीव को मुख्य निशाना बनाते हुए रातभर 352 ड्रोन, 11 बैलिस्टिक मिसाइलें और पांच क्रूज़ मिसाइलें दागीं। वायु रक्षा प्रणाली ने इनमें से 354 हवाई लक्ष्यों को मार गिराया।

एयर इंडिया कनिष्क बम विस्फोट की 4वीं बरसी

■ **भारत-कनाडा व आयरलैंड ने दी श्रद्धांजलि**

आयरलैंड, 23 जून (एजेंसियां)। भारत ने आयरलैंड और कनाडा के साथ मिलकर एयर इंडिया कनिष्क बम विस्फोट की 40वीं वर्षगांठ पर पीड़ितों को याद किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकता की अपील की।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आयरलैंड के कॉर्क में स्थित अहाकिस्ता में एयर इंडिया फ्लाइट 182 (कनिष्क) बम विस्फोट की 40वीं बरसी के अवसर पर बोलते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दुनिया को एकजुट होने की जरूरत है, न केवल इस तरह की शोक सभाओं में, बल्कि आतंकवाद से लड़ने के लिए सामूहिक और सक्रिय प्रयासों में भी।

23 जून 1985 की त्रासदी को याद करते हुए पुरी ने कहा कि यह कोई दुर्घटना नहीं थी, बल्कि भारत को विभाजित करने की कोशिश करने वाले कट्टरपंथी तत्वों की ओर से जानबूझकर किया गया जघन्य कृत्य था। कनाडा में रहने वाले आतंकवादियों द्वारा लगाए गए बम से एयर इंडिया फ्लाइट 182 हवा में ब्लास्ट हो गई थी, जिसमें 80 से अधिक बच्चों सहित 329 लोग मारे गए थे। मंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद और उग्रवाद केवल अतीत की समस्याएं नहीं हैं, बल्कि आज भी निर्दोष लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत दशकों से आतंकवाद से पीड़ित है। जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब और मुंबई तक, बार-बार हमारे लोगों ने बम विस्फोटों, हत्याओं और अत्याचारों को सहा है।

जापान के प्रधानमंत्री ने नीदरलैंड में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन का दौरा किया रद्द

टोक्यो, 23 जून (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने नीदरलैंड में 24 से 26 जून के बीच होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन का अपना प्रस्तावित दौरा रद्द कर दिया है। जापान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। अब प्रधानमंत्री की जगह विदेश मंत्री ताकेशी इवाया शिखर सम्मेलन में जापान का प्रतिनिधित्व करेंगे और नाटो से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इवाया शिखर सम्मेलन के दौरान जी-7 और अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों में भी शामिल होंगे जिनमें महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जापान नाटो का सदस्य नहीं है, लेकिन 2022 से नियमित रूप से जापान को सम्मेलनों में आमंत्रित किया जा रहा है।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 24 जून , 2025 आषाढ़ कृष्ण पक्ष 13

राशिफल

मेष - आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिजनों के साथ स्वादिष्ट भोजन और अच्छे पल गुजार सकेंगे। आर्थिक विषयों से संबंधित योजना व्यवस्थित तरीके से बना सकेंगे। आय में वृद्धि होगी।

वृषभ - आज आपका दिन ताज़गी और उत्साह से भरपूर रहेगा। आप आनंद अनुभव कर सकेंगे। दोस्तों और सगे-सम्बंधियों से उपहार मिल सकेगा। आपका दिन यात्रा में गुजर सकता है। आप स्वादिष्ट भोजन बना पाएंगे।

मिथुन - आज संयमशील और विचारपूर्ण व्यवहार आपको बहुत से अनिष्टों से बचा लेंगे। आपके वाणी- व्यवहार से गलतफहमी पैदा न हो इस बात का ध्यान रखें। शारीरिक कष्ट, मन को भी अस्वस्थ बनाएंगे।

कर्क - आज का दिन आपके लिए बहुत लाभकारी है। आपकी आय में वृद्धि होगी। किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा। मित्रों के साथ मुलाकात हो सकती है। व्यपार में लाभ होगा। संतान और जीवनसाथी से सुख मिलेगा।

सिंह - आपके व्यवसाय के लिए आज का दिन बहुत अच्छा और श्रेष्ठ है। आज हर काम सफलतापूर्वक पूरा होगा। अधिकारियों की आप पर कृपादृष्टि रहेगी। आज लोगों पर इंप्रेशन जमा पाएंगे। पिता की ओर से लाभ के संकेत है।

कन्या - आज आपका दिन अच्छा रहेगा। सगे-संबंधियों के साथ यात्रा का आयोजन हो सकता है। मित्रों से लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक कार्य तथा धार्मिक यात्रा में व्यस्त रहेंगे। विदेश में रहनेवाले परिजनों के समाचार से आनंद होगा।

तुला - आज आपको अचानक आर्थिक लाभ होने की संभावना है। धार्मिक कामों और उसमें सफलता प्राप्ति के लिए समय उत्तम है। आपको अभी नए काम नहीं शुरू करना चाहिए। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक - आज आपके दैनिक काम में परिवर्तन हो सकेगा। आज पूरी तरह से मनोरंजन और मौजमस्ती के मूड़ में रहना चाहेंगे। मित्रों और परिवार के सदस्यों का साथ मिल सकेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु - आज का दिन आपके लिए हर्षोल्लास का रहेगा। परिवार में आनंद का वातावरण छाया रहेगा, इससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। व्यवसाय में लाभदायी दिन रहेगा।

मकर - आज आपका मन चिंता और दुविधा में उलझे होने के कारण आप किसी भी विषय में ठोस निर्णय पर नहीं आ सकेंगे। आज महत्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह दी जाती है। भाग्य साथ न देने से हताशा पैदा होगी।

कुंभ - आपको मानसिक व्यग्रता और बेचैनी का अनुभव होगा। भविष्य के लिए पैसे का आयोजन करने के लिए अच्छा समय है। सौंदर्य प्रसाधन, अलंकार और वस्त्रों के पीछे खर्च होगा। माता से लाभ होगा।

मीन - वैचारिक स्थिरता महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायक बनेगी। आपकी सृजनशक्ति और कलात्मकता विकसित होगी। जीवनसाथी के साथ आत्मीयता बढ़ेगी। नजदीक के स्थान पर प्रवास या पर्यटन का आयोजन होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1441-ईटन कॉलेज की स्थापना।

1497-जॉन कैबट न्यूफाउंडलैंड पहुंचे।

1564-भारतीय इतिहास की प्रसिद्ध वीरागंना में से एक रानी दुर्गावती का निधन।

1664-न्यू जर्सी कॉलोनी की स्थापना।

1881-%ओम जय जगदीश हरे% आरती के रचयिता तथा हिन्दी, पंजाबी के प्रसिद्ध साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी पंडित श्रद्धाराम शर्मा का निधन।

1885-प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा कट्टर सिख नेता तारा सिंह का जन्म।

1897-प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री, संगीतज्ञ एवं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक ओंकारनाथ ठाकुर का जन्म।

1937-अंग्रेज़ी साहित्य की प्रख्यात लेखिका अनीता देसाई का जन्म।

1950-प्रथम विश्व युद्ध के दौरान चंद भारतीय सैनिकों में से एक दरबान सिंह नेगी का निधन। उन्हें ब्रिटिश राज का सबसे बड़ा युद्ध पुरस्कार 'विक्टोरिया क्रॉस' मिला था।

1961-भारत के पहले स्वदेशी एचएफ 24 सुपरसोनिक लड़ाकू विमान ने उड़ान भरी।

1963-डाक एवं टेलीग्राफ विभाग ने राष्ट्रीय टेलेक्स सेवा की शुरुआत की।

1966-मुंबई से न्यूयार्क जा रहे एयर इंडिया के विमान के स्विट्ज़रलैंड के माउंट ब्लैंक में दुर्घटनाग्रस्त होने से 117 लोगों की मौत।

1974-भारतीय टीम लॉडर्स टेस्ट की दूसरी पारी में इंग्लैंड के खिलाफ 42 रन पर सिमटी। यह टेस्ट में भारत का न्यूनतम स्कोर है और वह टेस्ट मैच पारी और 285 रन से हारा।

चिंताजनक संयुक्त राष्ट्र की तीन एजेंसियों ने जारी की चेतावनी, कहा

यमन की आधे से अधिक आबादी भुखमरी के कगार पर

■ **संगठनों ने तत्काल बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता का किया आह्वान**

■ **मुद्रा इतिहास में सबसे बड़ी गिरावट का सामना कर रहा यमन**

अदन, यमन, 23 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की तीन एजेंसियों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यमन के दक्षिणी प्रांतों में लगभग 50 लाख लोग खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं और यदि इस दिशा में तत्काल कोई कदम नहीं उठाया गया तो स्थिति के और भी खराब होने की आशंका है। खाद्य और कृषि संगठन, विश्व खाद्य कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र बाल आपात कोष ने एक संयुक्त बयान में कहा है कि तत्काल और निरंतर सहायता के बिना सितंबर और फरवरी 2026 के बीच इस क्षेत्र के करीब 420,000 अन्य लोगों के सामने भी इसी तरह का गंभीर संकट उत्पन्न होने की आशंका हैं।

इससे क्षेत्र में भोजन अथवा खाद्य पदार्थो की कमी झेलने वाले लोगों की कुल संख्या 53 लाख से अधिक हो जाएगी जो यमन के दक्षिणी क्षेत्रों की आधी से अधिक आबादी है। एजेंसियों ने संकट को बढ़ाने वाले कई कारकों का हवाला दिया है जिसमें लंबे समय तक आर्थिक गिरावट, यमनी मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन, निरंतर संघर्ष और प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियां शामिल हैं। इन संगठनों ने इन लोगों को भूखमरी से बचाने ,आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने और प्रभावित आबादी के लिए आर्थिक और आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए तत्काल बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता का आह्वान किया।

गौरतलब है कि यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब यमन की मुद्रा इतिहास में सबसे बड़ी गिरावट का सामना कर रही है। हाल ही में दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन और अन्य सरकारी नियंत्रित क्षेत्रों में रियाल की कीमत गिरकर प्रति अमेरिकी डॉलर 2,750 के आसपास रह गई है।

दरअसल यमन 2014 के अंत से ही उस समय से संघर्ष में फंसा हुआ है जब ईरानी हूती समूह ने उसके कई उत्तरी प्रांतों पर कब्ज़ा कर लिया था जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से भागने पर मजबूर होना पड़ा था। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा 2015 में सरकार बहाल करने के लिए हस्तक्षेप करने के बाद यह संघर्ष और बढ़ गया।

अपने दूसरे दशक में प्रवेश कर रहे इस युद्ध ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया है जिसे संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया का सबसे 'बदतर' मानवीय संकट करार दिया है।

सुडोकू 6953

		9			7			
		8	5	1	3	4		
	3				8	7		
		5				1	7	4
	1						8	
9	8	7				2		
		4	9				2	
		1	8	2	4	3		
			7			9		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6953

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■	■	■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. बहुत दूर तक देख सकने वाली तेज नजर (उपमा)
३. ऊपर लिखना बताया गया
५. व्यापारी
६. दुविधा, असमंजस
७. वाल्मिकी का मूल नाम
९. यात्रा वर्णन, कहानी
१०. सागर मंथन से निकला एक वृक्ष
१२. मां, जन्मदायिनी
१३. ठगना, छल करना
१४. मोर का पूंछ, समूह
१६. प्राय: अधिकतर
१८. जो कभी खत्म न हो
२०. सुग्रीव का राज्य
२१. जलमार्ग पर चलने वाली नौका
२३. नगरवासी

ऊपर से नीचे:-

१. श्रीकृष्ण
२. पक्का इरादा
३. पारिश्रमिक (उर्दू)
४. रोकने वाला
५. बरगद का पेड़
८. एक सुगंधित फूल, उसका पौधा
१०. कड़वे स्वाद का
११. बिच्छू
१२. महोदय, श्रीमान
१३. के कुल में उत्पन्न
१४. दागदार
१५. वेशभूषा, लिबास
१७. मूरत, शक्ल का ब्यौरा
१८. असीमित, बेहद
१९. धोना, रंगना
२२. सरिता, तटिनी

वर्ग पहेली-6952

१ वै	ज	२ यं	ती	■	■	३ र	स	४ प	ति
त	■	त्रि	■	५ नि	र्मा	ण	■	श्चि	■
६ र	वि	त	न	या	■	७ रना	स	म	८ झ
णी	■	■	■	९ म	द	द	■	■	ख
■	१० अ	व	११ न	त	■	■	१२ हा	ज	मा
■	शु	■	लि	■	१३ मृ	दु	ल	■	र
१४ वृ	द्ध	१५ ज	न	■	ग	■	१६ त	१७ क	ना
ष्टि	■	हा	■	१८ ब	या	१९ र	■	ट	■
२० क	पि	ल	■	ढ़ा	■	२१ च	तु	रा	२२ ई
र	■	२३ त	म	ना	श	क	■	■	ख

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6953 का हल

1	4	9	2	6	7	8	3	5
7	2	8	5	1	3	4	9	6
5	3	6	4	9	8	7	1	2
2	6	5	3	8	9	1	7	4
4	1	3	6	7	2	5	8	9
9	8	7	1	4	5	2	6	3
3	7	4	9	5	1	6	2	8
6	9	1	8	2	4	3	5	7
8	5	2	7	3	6	9	4	1

दुनिया को जानें

अमेरिकी शोधकर्ताओं ने खतरनाक फंगस से बनाई कैंसर की दवा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक खतरनाक फंगस को कैंसर से लड़ने वाली शक्तिशाली दवा में बदल दिया है। सोमवार को जारी एक नए अध्ययन में यह जानकारी दी गई। शोधकर्ताओं ने एस्परगिलस फ्लेवस नामक एक जहरीले फसल फंगस से अणुओं की एक नई श्रेणी अलग की।

इसके बाद, उन्होंने इन रसायनों में बदलाव किया और ल्यूकेमिया कोशिकाओं पर उनका परीक्षण किया। पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंस के एक अध्ययन के अनुसार, शोधकर्ताओं ने एक ऐसी यौगिक की खोज की है जो कैंसर कोशिकाओं को मार सकती है। यह यौगिक एफडीए द्वारा स्वीकृत दवाओं के बराबर प्रभावी है और इससे भविष्य में फंगस से बनी और दवाओं की खोज के नए रास्ते खुल सकते हैं। नए शोध पत्र की मुख्य लेखिका शेरी गाओ ने कहा कि फंगस ने हमें पेनिसिलिन दी। ये नतीजे दिखाते हैं कि प्रकृति से मिलने वाली और भी कई दवाइयां खोजी जानी बाकी हैं। यह थेरेपी एक प्रकार के पेप्टाइड्स की है, जिन्हें राइबोसोमली बनाया जाता है और बाद में संशोधित किया जाता है।

खेल जगत

हमारी कोशिश, 2036 के ओलंपिक में 36 से ज्यादा मेडल लाए भारत : मीनू बेनीवाल

करनाल। 'इंटरनेशनल ओलंपिक डे' के मौके पर सोमवार को करनाल में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल पहुंचे। मीनू बेनीवाल ने बताया उनकी कोशिश है कि भारत 2036 के ओलंपिक में 36 से भी ज्यादा मेडल लेकर आए। मीनू बेनीवाल ने यहां पत्रकारों से कहा, 'काफी सालों से ओलंपिक डे मनाया जा रहा है। इससे एक बेहतर संदेश जा रहा है। ओलंपिक में हरियाणा के ज्यादा से ज्यादा मेडल आएं, इसके लिए लगातार कोशिश की जा रही हैं। अलग-अलग खेलों के लिए एक्सीलेंस सेंटर बनाए जा रहे हैं। खिलाड़ियों को और ज्यादा सुविधा मुहैया हो, उसके लिए भी काम किया जा रहा है। हम खेलों से राजनीति को दूर रखेंगे। खिलाड़ियों का सिलेक्शन निष्पक्ष तरीके से होगा।

इंग्लैंड बनाम भारत टेस्ट मैच

भारत की बढ़त 150 रन के पार, केएल राहुल ने संभाला मोर्चा

राहुल 72 रन पर नाबाद

लीड्स, 23 जून (एजेंसियां)। केएल राहुल ने अपनी बेहतरीन तकनीक और अनुभव का प्रदर्शन करते हुए पहली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी टेस्ट मैच के चौथे दिन लंच तक भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हेडिंग्ले में खेले जा रहे इस मुकाबले में भारत ने अपनी दूसरी पारी में 48 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बना लिए हैं और इंग्लैंड पर अब तक 159 रन की बढ़त हासिल कर ली है। राहुल 72 रन पर नाबाद हैं, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 31 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए अब तक 61 रन की साझेदारी कर ली है।

दिन की शुरुआत भारत के लिए अच्छी नहीं रही। भारत ने 90/2 से आगे खेलना शुरू किया और पहले ही ओवर में कप्तान शुभमन गिल (8 रन) को ब्राइडन कार्स ने क्लीन बोल्ड कर दिया। गिल, जो पहली पारी में 147 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे, इस बार अंदर आती गेंद पर चूक गए और गेंद स्टंप्स में जा घुसी। इसके बाद राहुल ने मोर्चा संभाला और परिस्थितियों के अनुसार संयम भरा खेल दिखाया। इंग्लैंड के गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। गेंद हल्की उछाल ले रही थी, लेकिन राहुल ने धैर्य के साथ डटे रहकर अपना 18वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। ऋषभ पंत ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की, लेकिन कुछ जोखिमपूर्ण शॉट्स खेले। एक बार उन्हें एलबीडब्ल्यू दिया गया, लेकिन डीआरएस में पता चला कि अंदर का किनारा था। एक और मौके पर कार्स की गेंद पर स्वीप करते हुए उनका टॉप एज फाइन लेग पर खाली जगह में गिरा। इसके बाद उन्होंने अपने खेल को संयमित किया और खुद को संभाला। राहुल को 58 के स्कोर पर जीवनदान मिला, जब हैरी ब्रुक ने गली में उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने सावधानीपूर्वक खेलते हुए लंच तक कोई और विकेट नहीं गिरने

जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया के एसेट, उन्हें पता है विकेट कैसे लें : प्रवीण आमरे

मुंबई। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने लीड्स में जारी पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट निकाले। पूर्व भारतीय क्रिकेट और कोच प्रवीण आमरे ने बुमराह को जमकर सराहा है। प्रवीण आमरे ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह टीम इंडिया के अब तक के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। वह हर फॉर्मेट में प्रदर्शन करते हैं। उनमें विकेट की भूख है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह सबसे बढ़िया बात है। उन्हें पता है कि विकेट कैसे निकाले जाते हैं। वह टीम इंडिया के लिए एसेट हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजी कर रहे हैं, हम चाहेंगे कि वह पूरी सीरीज में फिट रहें। जैसे बैटिंग में सचिन तेंदुलकर के ऊपर जिम्मेदारी होती थी, मुझे लगता है कि आज गेंदबाजी में बुमराह के ऊपर वही जिम्मेदारी होती है।'

भारत ने बेल्जियम को हराया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 23 जून (देशबन्धु)। स्ट्राइकर सुखजीत सिंह और दिलप्रीत सिंह का एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी लीग 2024-25 का बेल्जियम के खिलाफ रविवार को उसके घर एंटवर्प में रिटर्न व 16 वां आखिरी मैच भारत के लिए सौवां अंतरराष्ट्रीय मैच था। सुखजीत सिंह के दो तथा ड्रैग फ्लिकर अमित रोहिदास तथा कप्तान हरमनप्रीत सिंह के अंतिम पूर्व मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर दागे एक एक गोल की बदौलत भारत ने बेल्जियम को रिवर्स मैच को पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2024-23 June, 2025, Bharat kiwz के यूरोपीय चरण में रविवार रात लगातार सात मैच एक गोल के अंतर से हारने के बाद अतत: अपने आखिरी मैच में 4-3 से हरा कर अपना अभियान 16 मैचों में इकलौती जीत 14 अंकों व आठवे स्थान पर रह कर साथ समाप्त किया। पराजित बेल्जियम के लिएआॅर्थर डी स्लूवर, थियूबू स्टोकब्राइक्स और हयूगो लबूशेर ने किया।

बेल्जियम ने आक्रामक अंदाज पर आगाज कर भारत की रक्षापंक्ति को बिखेर दिया और आर्थर डी स्लूवर ने ठीक डी के उपर से आठवें मिनट में गोल कर मेजबान टीम का खाता खोला। भारत को मैच के 20 वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस पर हरमनप्रीत सिंह के ड्रैग फ्लिक को बेल्जियम ने रोक कर जवाबी हमला बोला लेकिन भारत के गोलरक्षक कृष्ण बहादुर पाठक ने रोक उसे अपनी बढ़त 2-0 करने से रोक दिया। अगले ही मिनट ड्रैग फ्लिकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर तेज ड्रैग लफ्क किया इस परलौटती गेंद को सुखजीत सिंह ने गोल में डाल कर भारत को एक एक की बराबरी पर रोक दिया। अभिषेक दूसरे वॉर्टर के शुरू में बहुत करीब से गोल करने से चूके। हाफ टाइम तक स्कोर एक एक रहा।

थियाबू स्टोकब्राइक्स ने तीसरे क्वॉर्टर के चौथे मिनट में गोकर कर बेल्जियम को 2-1 से आगे कर दिया। अगले दो मिनट में पहले सखजीत सिंह ने अभिषेक के पास पर मैच के 36 वें मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल कर भारत को दो दो की बराबरी दिला दी। अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर भारत को पहली बार मैच 3-2 से आगे कर दिया। शमशेर ने गेंद को गोल में डाला लेकिन बेल्जियम के विडियो रेफरल पर इसे अमान्य कर दिया। चौथे और आखिरी क्वॉर्टर के छठे मिनट में हयूगो लबूशेर ने अपना अंतरराष्ट्रीय गोल कर बेल्जियम को तीन तीन की बराबरी दिला दी भारत को मैच के अंतिम पूर्व मिनट पर मिले पेनल्टी स्ट्रोक को कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदल कर भारत को 4-3 से आगे कर दिया। भारत के स्ट्राइकर सखजीत सिंह ने कहा, 'हमने मैच मे अच्छी वापसी की॥ हम हर मच में विश्वास के साथ चेले। हम जिस तरह रविवार को खेले उसमें और बेहतर करने की गुंजाइश है।'

'ओलंपिक डे' पर बीसीसीआई और जय शाह का संदेश, 'लेट्स मूव प्लस 1' अभियान को बढ़ावा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। 'इंटरनेशनल ओलंपिक-डे' के मौके पर सोमवार को आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 'लेट्स मूव +1' अभियान को बढ़ावा दिया है। इसके साथ ही मजबूत, स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाने का आग्रह किया।

जय शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'क्रिकेट ने हमेशा हमें एकजुट किया है। अब यह ओलंपिक का हिस्सा है। इस ओलंपिक डे पर, आइए प्रेरणा, जुड़ाव और उत्थान के लिए खेल की ताकत का जश्न मनाएं। अपने +1 को टहलने, दौड़ने या क्रिकेट खेलने के लिए आमंत्रित करें। एक मजबूत, स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं। साथ मिलकर, आइए ओलंपिक गेम्स को घर लाने की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ते रहें!'

बीसीसीआई ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'क्रिकेट ओलंपिक गेम्स में शामिल हो गया है। यह हमारे प्रिय खेल के लिए एक ऐतिहासिक छलांग है। इस ओलंपिक डे पर, आइए खेलों की शक्ति का जश्न मनाएं, जो लोगों को जोड़ती है और प्रेरित करती है। लेट्स मूव अभियान के जरिए हम आपको अपना '+1' चुनने और आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित करते हैं। चाहे वह टहलना हो, दौड़ना हो या क्रिकेट का खेल हो। साथ मिलकर, हम एक स्वस्थ, ज्यादा एकजुट भारत का निर्माण कर सकते हैं। जब हम साथ मिलकर चलते हैं, तो बेहतर तरीके से आगे बढ़ते हैं। आइए, अपने सपने को साकार करें- भारत में ओलंपिक!'

'लेट्स मूव' इस साल ओलंपिक-डे की थीम है। यह दिवस 1894 में आधुनिक ओलंपिक खेलों की स्थापना के मौके पर हर साल 23 जून को मनाया जाता है। इस वर्ष, सभी को अपने साथ चलने, दौड़ने, डांस करने, कूदने और घूमने के लिए '+1' को आमंत्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत लोग बस किसी मित्र को अपने साथ शामिल होने या कसरत करने के लिए कह सकते हैं। क्रिकेट ने 1900 में पेरिस ओलंपिक में अपनी एकमात्र उपस्थिति दर्ज की थी। इसके बाद इस खेल को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किया गया है। आईसीसी ने आगामी ओलंपिक में क्रिकेट वेन्यू के तौर पर दक्षिण कैलिफोर्निया के पोमोना में फेयरग्राउंड को चुना है, जहां पुरुष और महिला प्रतियोगिताओं में छह-छह टीमें शामिल होंगी। 2010, 2014 और 2023 में एशियन गेम्स में पुरुषों और महिलाओं दोनों की टी20 प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जबकि बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

> 'क्रिकेट ने हमेशा हमें एकजुट किया है। अब यह ओलंपिक का हिस्सा है। इस ओलंपिक डे पर, आइए प्रेरणा, जुड़ाव और उत्थान के लिए खेल की ताकत का जश्न मनाएं: जय शाह

झिन्यू को हराकर वोंड्रोसोवा ने जीता बर्लिन ओपन का खिताब

बर्लिन, 23 जून (एजेंसियां)। चोटों से ग्रस्त चेक गणराज्य की टेनिस खिलाड़ी मार्केटा वोंड्रोसोवा ने दो साल बाद वापसी करते हुए चीन की वांग झिन्यू को हराकर बर्लिन ओपन में महिला एकल का खिताब जीत लिया। पूर्व चैंपियन वोंड्रोसोवा ने रविवार खेले गये फाइनल मुकाबले में चीन की वांग झिन्यू पर 7-6 (12-10) 4-6 6-2 से जीत दर्ज की। वोंड्रोसोवा को पहले सेट के कड़े टाईब्रेक में उन्हें छह सेट प्वाइंट भी बचाने पड़े। वोंड्रोसोवा ने निर्णायक मैच में दबदबा बनाया और डबल ब्रेक हासिल कर अपने करियर का तीसरा खिताब जीता। विम्बलडन शुरु होने से एक सप्ताह मिली इस जीत से वोंड्रोसोवा का आत्मविश्वास बढ़ा है। मैच के बाद वोंड्रोसोवा ने कहा कि प्रशंसकों की बड़ी संख्या को देखकर अच्छा लगा। मैंने इस सप्ताह टेनिस और समर्थकों का वास्तव में आनंद लिया।

■ चीन की वांग झिन्यू पर 7-6 (12-10) 4-6 6-2 से जीत दर्ज की

इस बीच, ब्रिटिश युगल की नंबर वन खिलाड़ी ओलिविया निकोल्स ने स्लोवाकिया की टेरेजा मिहालिकोवा के साथ युगल वर्ग का खिताब जीता। उन्होंने फाइनल मुकाबले में इटली की शीर्ष वरीयता प्राप्त सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 4-6, 6-2, 10-6 से हराया।

जिरी लहेच्का को हराकर कार्लोस अल्कराज ने जीता क्वींस क्लब खिताब

■ कार्लोस ने लहेच्का को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराया

लंदन, 23 जून (एजेंसियां)। टेनिस में शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने चेक गणराज्य के जिरी लहेच्का को हराकर क्वींस क्लब चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार रात खेले गये मुकाबले में स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अल्काराज और चेक गणराज्य के लहेच्का को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। अल्काराज का यह दूसरा क्वींस क्लब खिताब है। मैच के बाद अल्काराज ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीद नहीं थी। क्योंकि इस महीने की शुरुआत में फ्रेंच ओपन खिताब जीतने के बाद दो दिन तक ग्रास कोर्ट पर अभ्यास कर कोर्ट पर उतरना मुश्किल था।

पांच बार के ग्रैंड स्लैम विजेता अल्काराज ने कहा, 'मैं यहाँ बिना किसी उम्मीद के आया हूँ। मैं यहाँ केवल दो, तीन मैच खेलने, घास पर अच्छा महसूस करने और खुद को फीडबैक देने के लक्ष्य के साथ आया हूँ कि मुझे क्या सुधार करना है, क्या बेहतर करना है। मैं घास पर बहुत जल्दी अभ्यस्त हो गया और इस पर मुझे गर्व है।' 23 वर्षीय जिरी लहेच्का ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूँ कि मुझे आज खिताब के लिए लड़ने का मौका मिला। मैंने आज अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, दुर्भाग्य से यह पर्याप्त नहीं था, लेकिन क्वींस में वापस आना हमेशा शानदार होता है।'

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराया

केव हील, 23 जून (एजेंसियां)। कप्तान हेली मैथ्यूज (एक विकेट/नाबाद 63) की हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज की महिला टीम ने दूसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को चार गेंदे शेष रहते छह विकेट से हराया दिया है। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने रविवार रात खेले गये मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही और वेस्टइंडीज के गेंबदाजी आक्रमण के उसके बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सके और नियमित अंतराल पर विकेट गवांते रहे। दक्षिण अफ्रीका ने एनरी डार्कसन (नाबाद 21), नडीन डी क्लर्क (20), कप्तान लॉरा वुलफार्ट (16), करबो मेसो (नाबाद 14), तेजमिन ब्रिट्स (14) रनों के योगदान से निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 113 रन का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर से ऐफी फ्लेचर और करिश्मा रामहैरक ने दो-दो विकेट लिये। जे. क्लैक्सटन और हेली मैथ्यूज ने (एक-एक) विकेट लिए।

■ कप्तान हेली मैथ्यूज ने नाबाद 63 रन की पारी खेली

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की किआना जोसेफ और हेली मैथ्यूज की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 41 रन जोड़े। आठवें ओवर में अयाबोंगा खाका ने किआना जोसेफ (17) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद वेस्टइंडीज की पारी लडखड़ा गई और उसने एक के बाद एक अपने तीन और विकेट गवां दिये। एस. हेक्टर (तीन), शमैन कैंपबेल (सात) और शिनेल हेनरी (तीन) रन बनाकर आउट हुई। हालांकि इस दौरान हेली मैथ्यूज एक छोर थामे रन बनाती रही। उन्होंने जैनिलिया ग्लास्गो के साथ पांचवें विकेट लिए 39 रनों की अविजित साझेदारी कर 19.2 ओवर में चार विकेट पर 116 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। दक्षिण अफ्रीका के लिए एन म्लाबा ने दो विकेट लिये। एम क्लास और अयाबोंगा खाका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ललित उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 23 जून (देशबन्धु)। दद्दा ध्यानचंद के बाद भारत ही नहीं दुनिया के हॉकी के सबसे बड़े कलाकारों में एक मोहम्मद शाहिद जैसे कलाकारों की नगरी कहे जाने वाले बनारस (वाराणसी) के बाशिंदे उन्हीं की तरह अंतरराष्ट्रीय हॉकी में एक दशक से अपनी कलाकारी दिखा भारतीय हॉकी प्रेमियों को मोहित करने वाले लगातार दो बार ओलंपिक में कांसा जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य ललित उपाध्याय ने रविवार रात अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने की घोषणा कर दी। ललित उपाध्याय की हॉकी पर गेंद के साथ उनकी रफ्तार भले ही अब कुछ कम हो गई हो लेकिन उनकी हॉकी की कलाकारी में आज भी पहले जैसी है।

ललित ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने की घोषणा भारत के बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो हॉकी लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के खिलाफ आखिरी मैच के बाद सोशल मीडिया पर की। ललित एफआईएच प्रो लीग 2024 25 के यूरोपीय चरण में आठ में चार मैच खेले और भारत के लिए आखिरी मैच 15 जून का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला और इसमें भारत को 2-3 से हार झेलनी पड़ी थी। इसके साथ ही ललित के शानदार अंतरराष्ट्रीय हॉकी करियर का समापन हो गया। ललित उपाध्याय ने भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच 31 मई, 2014 को बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में हेग (नीदरलैंड) में खेला और इसमें भी उनके आखिरी मैच की तरह भारत को 2-3 से हार झेलनी पड़ी थी। अब भारत के लिए ललित उपाध्याय की जगह लेने के लिए उन्हीं तरह बनारस के ही उत्तम सिंह, जूनियर भारतीय हॉकी टीम के कप्तान अरिजित सिंह हुंडल में खासी होड़ रहेगी।

■ पेनल्टी शूटआउट में अखरेगी ललित की कलाकारी से गोल करने की कला
■ ललित का स्थान लेने के लिए अब रहेगी उत्तम और अरिजित हुंडल में होड़

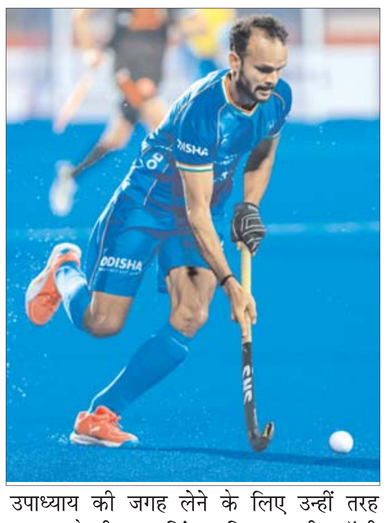

बनारस के भक्तापुर गाव के 31 बरस के ओलंपियन ललित उपाध्याय ने भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच व टूर्नामेंट 2014 में हेग (नीदरलैंड) में ओलंपियन सरदार सिंह की कप्तानी में एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के रूप में खेला। तभी से ललित से मेरा परिचय हुआ तो तभी से मैंने उन्हें बराबर 'पंडित' कह कर पुकारा और उसी शालीनता से, हां भाई साहब कह कर हॉकी पर हर सवाल का उन्होंने जवाब दिया। ललित ने भारत के 183 अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेले और 67 गोल किए। 2011 से हॉकी में मैच के निर्धारित समय में ड्रॉ रहने पर फैसले के लिए पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए टाईब्रेकर का नियम खत्म होने के बाद पेनल्टी शूटआउट का नियम लागू किया गया। पेनल्टी शूटआउट में स्ट्राइकर को 23 मीटर अथवा 25 गज की रेखा से आठ सेकंड के भीतर गोलरक्षक को छका गोल करना होता है। पेनल्टी शूटआउट में अपनी हॉकी की कलाकारी से गोल करने में ललित उपाध्याय बेजोड़ और बराबर गोल करने में कामयाब रहे। भारत को ललित उपाध्याय के मैदानी गोल करने और पेनल्टी कॉर्नर दिलाने के साथ अब -पेनल्टी शूटआउट में उनकी कलाकारी से गोल करने की कला।

ललित उपाध्याय के पास हॉकी की कलाकारी के साथ वक्त पर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को डी के डॉज देकर गोल करने की कला तो थी उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर बनाना भी खूब आता था। भारत को बतौर स्ट्राइकर ललित उपाध्याय की हॉकी की कलाकारी और डी के भीतर चतुराई बहुत अखरेगी। ललित उपाध्याय भारत की 2020 की टोक्यो ओलंपिक और 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांसा जीतने वाली टीम के सदस्य रहे। टोक्यो ओलंपिक में चोट के चलते हालांकि वह कुछ ही मैचों में खेल पाए लेकिन जिन भी मैचों में खेले उनमें उन्होंने अपनी कलाकारी दिखाई।

सार संक्षेप

एमएलसी 225 : जिसने भारत को जिताया अंडर-19 वर्ल्ड कप, अमेरिका में बिखेर रहा जलवा

नई दिल्ली। उन्मुक्त चंद भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन कभी सीनियर टीम में जगह नहीं बना सके। यही वजह रही कि वह भारत छोड़कर अमेरिका में क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्मुक्त चंद फिलहाल मेजर लीग क्रिकेट-225 (एमलसी) में खेल रहे हैं, जहां उन्होंने सीजन के 12वें मैच में अपना जलवा बिखेरा। उन्मुक्त चंद ने न सिर्फ अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से लॉस एंजिल्स को जीत दिलाई, बल्कि उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' खिताब से भी नवाजा गया। डलास में खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो सिएटल ओर्कास ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए छह विकेट खोकर 177 रन बनाए। सिएटल ओर्कास के लिए आरोन जोन्स ने 36 गेंदों में सर्वाधिक 44 रन जड़े, जबकि डेविड वॉर्नर ने 38 रन की पारी खेली। इनके अलावा शायन जहांगीर ने 26 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी टीम की ओर से आंद्रे रसेल ने तीन विकेट चकाए, जबकि ड्राई, शेडली वैन शाल्कविक और जेसन होल्डर ने एक-एक विकेट झटके।

मुंबई की टीम को अलविदा कहने जा रहे पृथ्वी शॉ, एमसीए से मांगा 'एनओसी'

मुंबई। भारत के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने आगामी 225/26 घरेलू क्रिकेट सत्र में मुंबई छोड़कर किसी अन्य टीम के लिए खेलने की इच्छा जताई है। इसके साथ उन्होंने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) से 'एनओसी' भी मांगा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सचिव अभय हडप ने कहा, 'हां, यह सच है कि पृथ्वी शॉ ने एनओसी के लिए अप्लाई किया है। हमारी शीर्ष परिषद आज शाम तक फैसला लेगी।' शॉ ने एमसीए को दिए अपने एनओसी आवेदन में लिखा, 'करियर के इस मोड़ पर, मुझे एक दूसरे क्रिकेट एसोसिएशन के तहत पेशेवर क्रिकेट खेलने का एक मौका मिला है। मुझे यकीन है कि एक क्रिकेटर के रूप में खुद को और विकसित कर सकूंगा। इसके मद्देनजर, मैं आपसे विनम्र अनुरोध करता हूं कि मुझे एक एनओसी जारी करें, ताकि आगामी घरेलू सत्र में नए क्रिकेट एसोसिएशन प्रतिनिधित्व कर सकूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'कृपया आश्वस्त रहें कि यह फैसला सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद और एमसीए के प्रति बेहद सम्मान के साथ लिया गया है। मैं वर्षों से दिए गए मार्गदर्शन और मंच के लिए एसोसिएशन का हमेशा आभारी रहूंगा।'

क्लब विश्व कपः अल ऐन पर जीत के साथ नॉकआउट में पहुंची मैनचेस्टर सिटी

अटलांटा। मैनचेस्टर सिटी ने सोमवार को अल ऐन पर 6- की शानदार जीत। इसी के साथ उसने फीफा क्लब विश्व कप 225 के राउंड ऑफ-16 में जगह बना ली है। इस जीत के साथ ही जुवेंटस का क्वालीफिकेशन भी तय हो गया है। इस मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी की ओर से इल्के गुंडोगन (8% और 73%) ने 2 गोल दोगे। इनके अलावा क्लाउडियो एचेवेरी (27%), एर्लिंग हैलेंड (45+5%), ऑस्कर बॉब (84%) और रेयान चेर्की (89%) ने टीम ने एक-एक गोल किए। पेप गार्डियोला की टीम हमेशा अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं रही, लेकिन जब गुंडोगन ने उन्हें आठवें मिनट में बढ़त दिलाई, उसके बाद से टीम ने लगातार पकड़ बनाए रखी।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

ट्रेंट	3.61 प्रतिशत
बीईएल	3.15 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.20 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.71 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	0.58 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंफोसिस	2.29 प्रतिशत
एलटी	2.11 प्रतिशत
एचसीएल टेक	2.10 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.59 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	1.29 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	98,884
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,06,800
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5900
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7500-7600
उड़द दाल	9200-9300
मूंग दाल	9500-9600
अरहर दाल	8600-8700

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

भारत में ईंधन की कमी नहीं होगी : पुरी

■ **केंद्रीय मंत्री ने ईंधन की आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का दिया आश्वासन**

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इजरायल-ईरान युद्ध के कारण भारतीय उपभोक्ताओं को तेल आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा आने और ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका द्वारा बमबारी के कारण मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि की आशंकाओं को दूर किया।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हम पिछले दो सप्ताह से मध्य पूर्व में बढ़ रही भू-राजनीतिक स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम पिछले कुछ वर्षों में अपनी आपूर्ति में विविधता लाए हैं और अब हमारी आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से नहीं आता है। उन्होंने बताया कि देश की तेल विपणन कंपनियों (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम) के पास कई सप्ताह के लिए आपूर्ति है और उन्हें कई मार्गों से ऊर्जा आपूर्ति मिलती रहती है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने आश्वासन दिया कि

देश की तेल विपणन कंपनियों के पास कई सप्ताह के लिए आपूर्ति है और उन्हें कई मार्गों से आपूर्ति मिलती रहती है : हरदीप सिंह पुरी

हम अपने नागरिकों को ईंधन की आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य/फारस की खाड़ी के उत्तरी किनारे पर स्थित है, जिसके माध्यम से सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख निर्यातक देशों से प्रतिदिन 20 मिलियन बैरल तेल का प्रवाह होता है। ईरान ने धमकी दी थी कि अगर अमेरिका, इजरायल के साथ संघर्ष में हस्तक्षेप करता है, तो वह इस मार्ग को अवरुद्ध कर देगा। मध्य पूर्व में व्यापक संघर्ष का सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई से तेल आपूर्ति पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जिससे तेल की कीमतों में तेज उछाल आएगा। शिपिंग भी प्रभावित होने की आशंका है क्योंकि यमन के हूती विद्रोहियों ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया, तो वे अमेरिकी जहाजों पर अपने हमले फिर से शुरू कर देंगे। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है और तेल की कीमतों में उछाल से उसके तेल आयात बिल में वृद्धि होती है और मुद्रास्फीति की दर बढ़ जाती है, जो आर्थिक विकास को नुकसान पहुंचाती है।

मध्यपूर्व संकट से तेल की कीमतें 5 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद सोमवार को तेल की कीमतें इस साल जनवरी के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकी दी, जिसके माध्यम से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत प्रवाह होता है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर 1.92 डॉलर या 2.49 प्रतिशत बढ़कर 78.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

■ **भारत के पास तेल की पर्याप्त आपूर्ति**

यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 1.89 डॉलर या 2.56 प्रतिशत बढ़कर 75.73 डॉलर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 5 प्रतिशत तक की तेजी आई। हालांकि, कीमतें उन स्तरों पर टिक नहीं पाईं और लगभग तुरंत ही शुरुआती बढ़त कम हो गई। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी भंडार में उम्मीद से अधिक गिरावट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह तेजी जारी रही। इजरायल और ईरान के बीच चल रही शत्रुता ने मध्य पूर्व में आपूर्ति से जुड़ी चिंताओं को बढ़ा दिया है, जो वैश्विक तेल निर्यात के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यूएस एनर्जी इंफोर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) के अनुसार, पिछले सप्ताह कच्चे तेल के भंडार में 11.5 मिलियन बैरल की गिरावट आई, जो अनुमानित 2.3 मिलियन बैरल की गिरावट से काफी अधिक है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के उपाध्यक्ष कमोडिटीज राहुल कलंत्री ने कहा,卐आज के सत्र में कच्चे तेल को 74.20-73.40 डॉलर पर समर्थन और 75.65-76.20 डॉलर पर प्रतिरोध देखने को मिल रहा है। रुपए के संदर्भ में, कच्चे तेल को 6,400-6,320 रुपए पर समर्थन मिल रहा है, जबकि प्रतिरोध 6,580-6,690 रुपए पर है।

भारत का हर्बल व आयुर्वेदिक ओटीसी बाजार वैश्विक वृद्धि से आगे निकलने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारत के हर्बल और आयुर्वेदिक ओटीसी (ओवर द काउंटर) मार्केट में 6.5 प्रतिशत की सीएजीआर से वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2025 में 69 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2033 के अंत तक 118 मिलियन डॉलर हो जाएगा। इस वृद्धि के साथ मार्केट वैश्विक रुझानों से आगे निकल जाएगा। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

■ **70 प्रतिशत से अधिक भारतीय घरों में मजबूती से प्रवेश किया**

रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, चुनौतियां बनी हुई हैं क्योंकि 2024 में 40 प्रतिशत नए लॉन्च को विनियामक बाधाओं का सामना करना पड़ा, केवल 20 प्रतिशत उत्पादों को क्लिनिकल मान्यता मिली है और गुणवत्ता संबंधी चिंताएं 30 प्रतिशत तक की पेशकशों को प्रभावित करती हैं, जिससे क्लिनिकल इलनेस के लिए उनकी विश्वसनीयता और अडॉप्शन को सीमित किया जाता है। हर्बल और आयुर्वेदिक ओटीसी इंडस्ट्री के बारे में बताया जाता है कि यह शानदार तेजी से बढ़ रही है। नवीनतम शोध के अनुसार, इंडस्ट्री ने 70 प्रतिशत से अधिक भारतीय घरों में मजबूती से प्रवेश किया है।

यह जानकारी 1लैटिस की हेल्थकेयर इंटेलिजेंस रिसर्च विंग मेडआईक्यू द्वारा किए गए नवीनतम उद्योग विश्लेषण से सामने आई है, जो उपभोक्ता व्यवहार में एक मौलिक बदलाव को उजागर करता है।

सोने व चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को तेजी देखने को मिली। 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 98,800 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गई और चांदी की कीमत में 1200 रुपए से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा सुबह जारी की गई कीमतों के अनुसार, 24 कैरेट के सोने की कीमत 98,884 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि शुक्रवार शाम को जारी कीमत, 98,503 रुपए प्रति 10 ग्राम से 381 रुपए अधिक है। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 90,578 रुपए हो गई है, जो कि पहले 90,229 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 74,163 रुपए हो गया है, जो कि पहले 73,878 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

आईबीजेए की ऑफिशियल वेबसाइट पर सोने और चांदी की कीमतों को दिन में सुबह और शाम दो बार अपडेट किया जाता है।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। चांदी की कीमत 1,208 रुपए बढ़कर 1,06,800 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि आखिरी कारोबारी दिन शाम को 1,05,592 रुपए प्रति किलोग्राम अपडेट की गई थी।

भारत के पहले ऑफ-ग्रिड 5 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लांट शुरू

अहमदाबाद, 23 जून (एजेंसियां)। अदानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) ने सोमवार को गुजरात के कच्छ में भारत के पहले ऑफ-ग्रिड 5 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लांट के सफलतापूर्वक शुरू होने की घोषणा की, जो देश के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

यह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्लांट 100 प्रतिशत सोलर एनर्जी से संचालित है और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के साथ इंटीग्रेटेड है, जिससे यह पूरी तरह से ऑफ-ग्रिड संचालित हो सकता है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह प्लांट विकेंद्रीकृत, रिन्यूएबल एनर्जी से चलने वाले हाइड्रोजन प्रोडक्शन में एक

नए प्रतिमान का प्रतिनिधित्व करता है।

कंपनी ने कहा कि एएनआईएल पायलट प्लांट भारत की पहली ऑफ-ग्रिड 5 मेगावाट की ग्रीन हाइड्रोजन सुविधा है, जिसमें पूरी तरह से स्वचालित, क्लोज्ड-लूप इलेक्ट्रोलाइजर सिस्टम है, जिसे रियल टाइम में रिन्यूएबल एनर्जी इनपुट के लिए गतिशील रूप से प्रतिक्रिया देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह विशेष रूप

■ **ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए ग्लोबल हब बनने की भारत की महत्वाकांक्षा का समर्थन करता है यह प्लांट**

से सौर ऊर्जा की परिवर्तनशीलता को संबोधित करने में, दक्षता, सुरक्षा और प्रदर्शन सुनिश्चित करते हुए मूल्यवान ऑपरेशनल फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करता है। कंपनी की यह सफलता उभरती हुई ग्रीन हाइड्रोजन इकोनॉमी में इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और लीडरशिप के लिए अदानी समूह की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह प्लांट ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए ग्लोबल हब बनने की भारत की महत्वाकांक्षा का समर्थन करता है।

सार संक्षेप

दक्षिण कोरिया में विदेशी मुद्रा जमा राशि बढ़ी

सोल। दक्षिण कोरिया में मई में चार महीने बाद विदेशी मुद्रा जमा में बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी मुख्य तौर पर सिक्योरिटीज फर्मों में जमा राशि और कंपनियों की ओर से विदेशों में निवेश के लिए अस्थायी रूप से रखे गए फंड के कारण हुई। बैंक ऑफ कोरिया (बीओके) ने सोमवार को जारी ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी। बैंक ऑफ कोरिया के आंकड़ों के अनुसार, मई के अंत तक रेजिडेंट्स की तरफ से रखी गई विदेशी मुद्रा जमा राशि 11.36 अरब अमेरिकी डॉलर थी, जो एक महीने पहले की तुलना में 5.1 अरब डॉलर अधिक रही। बैंक ऑफ कोरिया के मुताबिक, रेजिडेंट्स में दक्षिण कोरियाई नागरिक, देश में छह महीने से अधिक समय से रह रहे विदेशी नागरिक और विदेशी कंपनियां शामिल हैं। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के बाद पहली बार इस आंकड़े में वृद्धि हुई है। बीओके के ताजा आंकड़ों में इंटरबैंक विदेशी मुद्रा जमा को शामिल नहीं किया गया है।

अभी भी ओला, उबर, रैपिडो, 'एडवांस टिपिंग' का दे रहे ऑप्शन

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ओला, उबर इंडिया और रैपिडो जैसे राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म को उनके एडवांस टिपिंग फीचर को लेकर नोटिस जारी किया था, जिसके एक महीने से अधिक समय बाद भी, इन डिजिटल राइड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर यह विवादास्पद फीचर एक्टिव है। प्लेटफॉर्म के इस फीचर के साथ यात्रियों की राइड शुरू होने से पहले ही ड्राइवर को टिप देने को कहा जाता है। कई यूजर्स ने इस फीचर को लेकर चिंता जताई और इसे मिसलीडिंग और अनफेयर बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कई यूजर्स ने शिकायत की है कि उन्हें या तो उकसाया गया या बिना स्पष्ट सहमति के टिप देने के लिए बाध्य किया गया। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कई लोगों को लगता है कि इससे उन पर दबाव पड़ता है और ड्राइवरों को राइड स्वीकार करने पर अधिक नियंत्रण मिलता है।

आज खुलेगा एलनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज का आईपीओ

अहमदाबाद। एलनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 24 जून को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान में बताया गया है कि एलनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 38 से 4 रुपये प्रति शेयर तय किया है। प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू दो रुपय है। कंपनी का यह आईपीओ मंगलवार, 24 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और गुरुवार, 26 जून को बंद होगा। निवेशक कम से कम 37 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और इसके बाद 37 शेयरों के गुणक में बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल का मिक्स है। कंपनी 4 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करेगी। कंपनी के प्रमोटर पदम कुमार अग्रवाला और वरुण अग्रवाल, दोनों में से प्रत्येक 56,56,565 शेयर बेचेंगे।

ईरान पर अमेरिकी हमले से शेयर बाजार ढेर

■ **सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत का गोता लगाकर 81896.79 अंक पर**

■ **निफ्टी 0.56 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24971.90 अंक पर बंद**

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान की संभावित जवाबी कार्रवाई को लेकर सहमे निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, ऑटो, टेक और फोकस्ड आईटी समेत बारह समूहों में हुई भारी बिकवाली से शेयर बाजार लुढ़क गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 511.38 अंक अर्थात 0.62 प्रतिशत का गोता लगाकर 81896.79 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 140.50 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24971.90 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई। इससे मिडकैप 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 45,571.69 अंक और स्मॉलकैप 0.57 प्रतिशत की तेजी लेकर 52,678.74 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4240 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2204 में लिवाली जबकि 1854 में बिकवाली हुई वहीं 182 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2995 कंपनियों के शेयरों में से 1545 में गिरावट जबकि 1364 में तेजी रही वहीं 86 में टिकाव रहा।

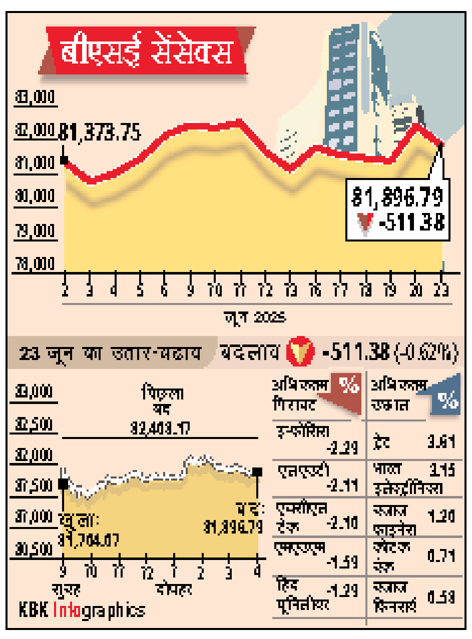

बीएसई के 12 समूहों में गिरवट का रुख रहा। इससे सीडी 0.03, एफएमसीजी 0.62, वित्तीय सेवाएं 0.15, हेल्थकेयर 0.10, आईटी 1.46, दूरसंचार 0.50, ऑटो 0.88, बैंकिंग 0.38, पावर 0.17, रियल्टी 0.19, टेक 1.10 और फोकस्ड आईटी के शेयर 1.48 प्रतिशत गिर गए। वहीं, कैपिटल गुड्स 0.94, धातु 0.71 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.73 प्रतिशत चढ़ गए।

वैश्विक स्तर मिलाजुला रुख रहा। इससे ब्रिटेन का एफटीएसई 0.09, हांगकांग का हैंगसेंग 0.67 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.65 प्रतिशत प्रतिशत चढ़ गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.27 और जापान के निक्केई में 0.13 प्रतिशत की गिरावट रही।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 704 अंक की भारी गिरावट के साथ 81,704.07 अंक पर खुला और बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 81,476.76 अंक के लिचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से दोपहर बाद 82,169.67 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 82,408.17 अंक के मुकाबले 0.62 प्रतिशत का गोता लगाकर 81896.79 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में इंफोसिस 2.29, एलटी 2.11, एचसीएल टेक 2.10, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.59, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.29, टीसीएस 1.19, पावरग्रिड 0.96, आईटीसी 0.92, मारुति 0.91, एचडीएफसी बैंक 0.91, एशियन पेंट 0.90, टेक महिंद्रा 0.85, एसबीआई 0.73, टाटा मोटर्स 0.71, रिलायंस 0.57, आईसीआईसीआई बैंक 0.54, टाइटन 0.51, एनटीपीसी 0.49, एक्सिस बैंक 0.47, सन फार्मा 0.14 और भारती एयरटेल 0.03 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, ट्रेंट 3.61, बीईएल 3.15, बजाज फाइनेंस 1.20, कोटक बैंक 0.71, बजाज फिनसर्व 0.58, इटरनल 0.43, टाटा स्टील 0.36, अडानी पोर्ट्स 0.31 और अल्ट्रासिम्को के शेयर 0.03 प्रतिशत लाभ में रहे।

मई में 97 सौदों के जरिए भारत में पीई, वीसी निवेश 2.4 बिलियन डॉलर तक पहुंचा

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। इस वर्ष मई में भारत में प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल (पीई-वीसी) निवेश 97 डील के जरिए 2.4 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। ईवाई-आईवीसीए की रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले महीने सबसे ज्यादा डील स्टार्टअप निवेश के माध्यम से हुई, इसके बाद ग्रोथ निवेश 0.7 बिलियन डॉलर रहा।

सेक्टर दृष्टिकोण से, मई में फाइनेंशियल सर्विस टॉप सेक्टर रहा, जिसमें 758 मिलियन डॉलर का निवेश दर्ज किया गया, इसके बाद रियल एस्टेट (380 मिलियन डॉलर) का स्थान रहा। ईवाई में प्राइवेट इक्विटी सर्विसेज के पार्टनर और नेशनल लीडर विवेक सोनी ने कहा कि पीई/वीसी एक्टिविटी में सुस्ती बनी हुई है, जैसा कि लिमिटेड डील के प्रवाह और बड़ी डील (100 मिलियन डॉलर से अधिक के सौदे) में कमी से पता चलता है। भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी टैरिफ नीति और अन्य बाहरी बाधाओं ने निवेशकों की धारणा को कमजोर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप निवेशक सतर्क और वेट-एंड-वॉच अप्रोच अपना रहे हैं। डील की संख्या के संदर्भ में, प्योर-प्ले इंवेस्टमेंट में 16 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट क्लासेस में सालाना आधार पर 64 प्रतिशत की गिरावट आई।

खाद्य तेलों में टिकाव, दालों में मिलाजुला रुख व अन्य जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 12 रिंगिट बढ़कर 4083 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.01 सेंट की बढ़त के साथ 54.47 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 100 रुपए, दाल चना 100 रुपए और अरहर दाल 200 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती जबकि मसूर दाल 300 रुपए, मूंग दाल 100 रुपए और उड़द दाल 200 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो गई।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5600-5700, दाल चना 6600-6700, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9450-9550, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

रिकॉर्ड निर्यात व एफटीए के साथ भारत आर्थिक समृद्धि की नई राह पर अग्रसर : गोयल

■ **निवेशकों का विश्वास बढ़ा है व अधिक प्रतिस्पर्धी व्यापार वातावरण बना**

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि रिकॉर्ड निर्यात आंकड़ों और कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के साथ भारत आर्थिक समृद्धि की नई राह पर अग्रसर है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम के समर्थन से प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित, त्वरित और अधिक पारदर्शी बनाया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि अत्याधुनिक भविष्योन्मुखी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास एक दूसरा मुख्य आकर्षण रहा है। फोकस पूरी तरह से व्यवसायों को सशक्त बनाने और अधिक निवेश आकर्षित करने पर है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, हितधारकों के

साथ परामर्श बढ़ाने, अनुपालन बोझ को कम करने और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार के परिणामस्वरूप छोटे व्यवसायों का सशक्तीकरण हुआ है, निवेशकों का विश्वास बढ़ा है और अधिक प्रतिस्पर्धी व्यापार वातावरण बना है।

इस वर्ष मई में भारत का कुल वस्तु और सेवाओं का निर्यात 71.12 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 2.77 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध में वृद्धि के बावजूद अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि हुई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष मई में सकारात्मक वृद्धि दर्शाने वाले भारत के शीर्ष 5 निर्यात गंतव्य 16.93 प्रतिशत के साथ अमेरिका, 25.04 प्रतिशत के साथ चीन, 35.35 प्रतिशत के साथ ऑस्ट्रेलिया, 48.11 प्रतिशत के साथ रूस और 17.05 प्रतिशत के साथ जर्मनी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वाणिज्य भवन को भारत के तेजी से बढ़ते वाणिज्य और इंडस्ट्री इकोसिस्टम के लिए एक मॉडर्न, कुशल, इंटीग्रेटेड और डेडिकेटेड हब के रूप में देखा गया है।

मस्तुरी बीईओ कार्यालय का कांग्रेस ने किया घेराव ,धरना और प्रदर्शन भी

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। ज़िला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को मस्तूरी विधान सभा के अन्तर्गत मस्तूरी और सीपत शिक्ष! विभाग में युक्तियुक्तकरण के नाम पर स्कूल को बंद करने ,शिक्षक पदों को समाप्त करने के विरोध में मस्तूरी स्थित बीईओ कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया ।

लगभग 11 .00 बजे से ही मस्तूरी और सीपत ब्लॉक के के कार्यकर्ताओ ने ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष विजय केशरवानी और विधायक दिलीप लहरिया के अगुवाई में धरना प्रारम्भ कर दिया था

ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष विजय केशरवानी ने सवाल उठाते हुए कहा कि दो ही शिक्षकों के द्वारा 18 कक्षाओं को पढ़ाना कैसे संभव हो पाएगा? सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रचा है। प्राथमिक शालाओं में पहली व दूसरी में तीन-तीन विषय एवं तीसरी, चौथी, पांचवी में चार-चार विषय के अनुसार कुल 18 विषय होते हैं। जिन्हें वर्तमान समय में तीन शिक्षकों को 40 मिनट का 6-6 कक्षा लेना होता है। सवाल यह भी है कि युक्तियुक्तकरण के नए नियम के बाद दो ही शिक्षकों के द्वारा 18 कक्षाओं को पढ़ाना कैसे संभव हो सकता है? मिडिल स्कूल में तीन क्लास और 6 विषय, इस हिसाब से कुल 18 क्लास और 60 बच्चों की कुल संख्या में एचएम और उसके साथ केवल एकमात्र शिक्षक कैसे 18 क्लास ले पाएंगे? इसके अतिरिक्त मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था, सरकारी डाक का जवाब और अन्य गैर शिक्षकीय कार्यों की जिम्मेदारी भी इन पर रहेगी।

बेरोजगारी का संकट खड़ा होगा

स्कूलों को जबरिया बंद किए जाने से न केवल शिक्षक बल्कि उन 10463 स्कूलों से हजारों रसोईया, स्वीपर और मध्यान्ह भोजन बनाने वाली महिला, स्वसहायता समूह की बहनों के समक्ष जीवन यापन का संकट उत्पन्न हो गया है। नए सेटअप के तहत प्राइमरी, मिडिल, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षकों के न्यूनतम पदों में के चलते युवाओं के लिए नियमित शिक्षक के पद पर नई भर्ती के अवसर भी कम होगा। जाहिर है शिक्षा के स्तर पर बुरा असर पड़ना निश्चित है।

अधिनायकवादी भाजपा सरकार ने बड़ा अव्यवहारिक निर्णय लेने से पहले ना प्रभावित वर्ग से चर्चा की, न ही प्रदेश के बारे में सोचा। इतना बड़ा निर्णय थोपने से पहले शिक्षक संगठनों की राय ली और ना ही पालक संघ से पूछा। सरकार के इस शिक्षा विरोधी फैसले के खिलाफ पूरे प्रदेश में आक्रोश है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही प्रदेश में 58000 से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं। हर महीने सैकड़ों शिक्षक रिटायर हो रहे हैं। कई वर्षों से शिक्षकों का प्रमोशन रुका हुआ है। समयमान वेतनमान का विवाद अब तक लंबित है।

मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया ने कहा कि भाजपा सरकार 10 हजार से अधिक स्कूलों को बंद करने जा रही तथा 45000 से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त कर रही है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों विशेषकर बस्तर, सरगुजा, जशपुर जैसे जगहों पर स्कूलों की कमी होगी। सरकार झूठ बोल रही कि स्कूल बंद नहीं होंगे। जबकि सच्चाई यह है कि मर्ज किये गये स्कूलों का डायस कोड विलोपित कर दिया गया है। भाजपा ने विधानसभा चुनावों में दावा किया था राज्य में 58000 शिक्षकों के पद खाली है। विधानसभा में घोषणा किया 35000 पद भरे जायेंगे। इस वर्ष बजट में भी 20000 शिक्षकों की भर्ती की बात की गयी है। यह भर्तियां नहीं करनी पड़े, इसलिये 45000 पद समाप्त किये जा रहे है। जब पद ही खाली नही रहेंगे तो भर्ती कहां से करेंगे। आज के धरना प्रदर्शन में ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष विजय केशरवानी

मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नागेंद्र राय, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सीपत व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र,जिला पंचायत सदस्य दामोदर कांत,पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शंकर यादव,अनुसूचित जाति प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार आंचल, पूर्व मंडी सदस्य प्रमोद जायसवाल, जनपद सदस्य देवेंद्र कृष्णा, अमित पांडे ,अनिल केवट ,लखन टंडन ,एनल धृतलहरे ,नरेंद्र दिनकर ,साहिल मधुकर ,किशन धूलिया ,छवि सेन बंजारे, शरद सूर्य,रामेश्वर साहू , भोला साहू , देव चंद्राकर, मेघनाथ खांडेकर ,बूटन पाटनवार, उमेश कश्यप, मनोहर कुर्रे, आदि उपस्थित थे।

होटल में जुआ खेलते शहर के नामी लोग गिरफ्तार,5 लाख 16हजार जब्त

होटल टाईम स्क्वेयर के बंद कमरे में जमी थी महफिल

तारबाहर पुलिस एवं एसीसीयू की संयुक्त कार्यवाही।

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। शहर के एक होटल के बंद कमरे में शहर के आधा दर्जन रईसजादे जुआ खेल रहे थे। पुलिस टीम ने छापा मारकर सभी जुआरियों को पकड़ा ।।उन लोगों से 5लाख 16 हजार रुपए जब्त किया गया है ।

बीती रात को मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि होटल टाईम स्क्वेयर के बंद कमरे में कुछ लोगो के द्वारा जुआ खेल रहे हैं । उक्त सूचना के संबंध में तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह को अवगत कराया गया जिनके द्वारा कार्रवाई करने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) राजेन्द्र जायसवाल के मार्गदर्शन एवं निरी. कृष्णचंद सिदार थाना प्रभारी थाना तारबाहर एवं एसीसीयू प्रभारी अजरूद्दीन के नेतृत्व में संयुक्त टीम बनाकर होटल टाईम स्क्वेयर मे छापा मारा गया। जहां पर उक्त आरोपीगणो के द्वारा 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहे थे जिसे तत्काल घेराबंदी कर आरोपीगणो को पकडा गया उन के पास से 52 पत्ती ताश एवं नगदी कुल 516000 रूप्ये को जप्त कर विधिवत कार्रवाई किया गया है। उक्त कार्रवाई में उपनिरी रामनरेश यादव, प्रआर 681 राहुल सिंह, देवमुन पुहुप एवं अन्य स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

आरोपी के नाम

सतीश गुप्ता पिता स्व. डी एल गुप्ता उम्र 52 वर्ष सा. बंगाली पार्क सरकंडा बिलासपुर। श्रवण श्रीवास्तव पिता गणेश श्रीवास्तव उम्र 42 वर्ष सा. गोल बाजार के पीछे। सुरेश कुमार पिता किशन लाल उम्र 71 वर्ष सा. 27 खोली। नरेश गुप्ता पिता आर डी गुप्ता उम्र 52 साल सा. विनोबा नगर। अमित सिंह पिता प्रमोद कुमार उम्र 45 वर्ष सा. बिल्हा थाना बिल्हा। शांतनु खंडेलवाल पिता सुधीर खंडेलवाल उम्र 47 साल सा. गोडपारा।

राजस्व विभाग की डिप्टी कलेक्टर पर दुर्व्यवहार और भेदभाव का आरोप

प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

अन्यत्र स्थानांतरण की मांग,मांग पूरी न होने पर करेंगे आंदोलन

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ ने राजस्व विभाग की अतिरिक्त कलेक्टर ज्योति पटेल पर सीनियर लिपिक से अभद्रता करने की शिकायत को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ ने उन्हें अन्यत्र ट्रांसफर करने की मांग की है। साथ ही इस तरह के घटना की पुनरावृत्ति होने पर हड़ताल की चेतावनी दी है।

संघ के लिपिक कर्मचारियों ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए संघ के प्रदेश महामंत्री डॉ सुनील यादव के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर अतिरिक्त कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

कोपरा जलाशय को शासन ने रामसर वेटलैण्ड घोषित किया

मछली पालन के लिए जारी टेंडर किया गया निरस्त

'पक्षी अभ्यारण' बनाये जाने का मार्ग हुआ प्रशस्त

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। बिलासपुर के तखतपुर विकास खंड में स्थित ग्राम- कोपरा के कोपरा जलाशय को अब पक्षी अभ्यारण बनाया जाएगा। शासन द्वारा इस दिशा में शुरुआत कर दी गई है ।

अब शासन द्वारा कोपरा जलाशय को रामसर वेटलैण्ड घोषित कर दिया गया है जिसके बाद कोपरा जलाशय को पक्षी अभ्यारण बनाए जाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। शासन द्वारा मछली पालन हेतु 10 वर्षीय पट्टे पर आबंटित की जाने जाने वाली लीज की प्रक्रिया को भी निरस्त कर दिया गया है।

बता दे कि कोपरा जलाशय में देश विदेश की कई दुर्लभ प्रजातियों की रंग बिरंगी पक्षियां आती है। इनमें कुछ पक्षियों ऐसे भी है जो प्रदेश में पहली बार देखी गई है। नवंबर दिसंबर के महीनों में इन प्रवासी पक्षियों का आगमन आरंभ हो जाता है, और वे फरवरी मार्च तक यहां प्रवास करते है। कोपरा जलाशय वाइल्ड लाइफ़ फोटोग्राफरों के लिए स्वर्ग के समान मन जाता है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार कोपरा जलाशय के अतिरिक्त आसपास लगभग 130 प्रजातियों की पक्षियों का निवास स्थल है। पक्षी प्रेमियों का कहना है कि कोपरा जलाशय प्रवासी पक्षियों के लिए बेहद अनुकूल है। यही कारण है कि यहां अक्सर बड़ी संख्याओं में पक्षियों का आगमन होता है,और उनकी संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है।

इतिहासकार एवं पक्षी प्रेमी डॉ. लोकेश शरण ने जब कोपरा जलाशय में पहली बार पक्षियों की फोटोग्राफी करने पहुंचे तो उन्हें बेहद आश्चर्य और दुख हुआ कि इतने विस्तृत एवं विशाल खूबसूरत जलाशय को अब तक सरकार द्वारा पक्षी अभ्यारण क्यों नहीं बनाया जा सका। इस दिशा में सरकार एवं जनप्रतिनिधियों को ईमानदारी से सार्थक पहल करनी चाहिए । अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कोपरा जलाशय को पक्षी अभ्यारण बनाने की दिशा में राज्य एवं केंद्र सरकार के पास शीघ्र ही प्रस्ताव भेजे जाएंगे।

बिना लाइसेंस शराब परोसने पर ढाबा संचालक के खिलाफ हुई कार्रवाई

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। जिले के कोटा थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेतना विरुद्ध नशा व प्रहार अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एक ढाबा संचालक को बिना लाइसेंस शराब सेवन कराने और अवैध सामग्री उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि राजस्थान ढाबा नामक होटल में अवैध रूप से शराब सेवन के लिए सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इस सूचना पर कोटा एसडीओपी नुपूर उपाध्याय एवं एएसपी ग्रामीण अर्चना झा के निर्देशन में रेड की गई।

रेड के दौरान ढाबा संचालक रमेश मेघवाल, पिता चंपालाल मेघवाल, उम्र 40 वर्ष, निवासी कोटा को मौके से पकड़ा गया। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 36(ग) के तहत केस दर्ज किया गया है।

NECC

24.06.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	543	85	165
चिल्हर	6.75	100	190
डिलीवरी	558 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 75 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर गोविल पुस्तक का विमोचन यूपी में

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। डीपी विप्र महाविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एमएस तंबोली द्वारा लिखित स्वंतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर गोविल के पुस्तक का विमोचन राष्टीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा नैक से ग्रेड प्र महर्रा ललितपुर उत्तरप्रदेश एवं इंटेक चेप्टर ललितपुर के संयुक्त तत्वावधान में कल किया गया, जो विधायक रामरतन कुशवाहा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

विधायक श्री कुशवाहा ने अपने उद्बोधन में डॉ. तंबोली द्वारा लिखित पुस्तक स्वंतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर गोविल जिसने भारत की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम में 11 वर्ष की आयु में अपने पिता विश्वम्भरनाथ जो कि स्वतंत्रता सेनानी थे के साथ मिलकर इस आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होने कहा कि ऐसे मानव सपूत चंद्रशेखर गोविल हमारे भारत देश के लिए अपने जीवन को समर्पित किया। चंद्रशेखर गोविल को 15 अगस्त 1972 को केंद्रीय सरकार के द्वारा स्वतंत्रता सेनानी को ताम्रपत्र भेंट किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. एस.के. दुबे पूर्व क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी झांसी ने चंद्रशेखर गोविल के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपने पं. जवाहरलाल नेहरू, पं. गोविंदवल्लभ पंत, रफी अहमद किदवई, हाफिज मोहम्मद, महावीर त्यागी, जगमोहन नेगी ने चंद्रशेखर के साथ जेल में रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ललितपुर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. द्विजेन्द्रनाथ ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में उत्तरप्रदेश के माटी में जन्में चंद्रशेखर गोविल एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे जिनको आज की पीढ़ी के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेकर देश की आजादी को बचाये रखने के लिए हमेश प्रयत्न रहना चाहिए तथा उन्होने ललितपुर के छात्र/छात्राओं को मेडिकल कालेज में पूरी सुविधा देने की बात कही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संतोष कुमार शर्मा जो कि कार्यक्रम के संयोजक थे तथा संयोजक इंटेक ललितपुर चेप्टर भी है ने अपने उद्बोधन में डॉ. एम.एस. तंबोली को स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी चंद्रशेखर गोविल को हम लोगों के समक्ष लेकर आये जिससे हमें ज्ञात हुआ कि हमारे उत्तरप्रदेश से भी ऐसे सेनानी पैदा हुए है जो देश की आजादी के लिए अपना योगदान दिये है। कार्यक्रम के अंत में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर गोविल के लेखक डॉ. एम.एस. तंबोली ने पुस्तक विमोचन में आये हुए समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नवीन शुक्ला एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती प्रीति जैन ने किया। इस अवसर पर राजकुमार व्यास, डी.पी. विप्र महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. निधिष चौबे एवं डॉ. ए.श्रीराम विशेष रूप से उपस्थिति थे। डॉ. तंबोल के पुस्तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर गोविल के प्रकाशन पर महाविद्यालय के प्रशासन समिति के अध्यक्ष अनुराग शुक्ला, प्रशासन समिति के वरिष्ठ सदस्य श राजकुमार अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. श्रीमती अंजू शुक्ला, डॉ. मनीष तिवारी, डॉ.विमल पटेल, अविनाश सेठी प्राध्यापक डॉ. संजय तिवारी, डॉ. एमएल. जायसवाल, डॉ. विवेक अम्बलकर, डॉ. सुषमा शर्मा डॉ. आशीष शर्मा, डॉ.खगेंद्र सोनी प्रोफेसर जयंत राय डॉ. अजय यादव, शैलेन्द्र कुमार तिवारी, डॉ. आभा तिवारी, डॉ. विश्वास विक्टर, डॉ. ऋचा हाण्डा, डॉ. किरण दुबे, डॉक्टर युपेश कुमार प्रो. रूपेन्द्र शर्मा, प्रो. दीपक , एस.आर. चन्द्रवंशी,, विकास सिंह ने बधाई एवं शुभकामनांएं प्रेषित की।

आईटीआई कोटा एवं नेवरा में प्रवेश हेतु आवेदन 25 तक

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोटा एवं नेवरा में सत्र 2025 में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 जून 2025 तक है। आईटीआई में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी 25 जून के रात 11.59 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आईटीआई कोटा में व्यवसाय कोपा के लिए 48, विद्युतकार के लिए 20, फिटर के लिए 20 एवं स्टेनो (हिन्दी) के लिए 48 सीटें है। इसी प्रकार नेवरा आईटीआई में व्यवसाय कोपा के लिए 48 सीटे उपलब्ध है।

जिले की सोसाइटियों में खाद की कमी,अमानक बीज की आशंका, किसान हो रहे परेशान, आप ने दिया ज्ञापन

बिलासपुर, 23 जून (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी जिला इकाई द्वारा जिले की सहकारी समितियों में डी ए पी खाद की कमी और अमानक बीज पर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सरदार जसबीर सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लगभग सभी सोसाइटियों में खाद की कमी है, छत्तीसगढ़ का किसान परेशान है। इस सम्बन्ध में प्रदेश के हर जिले में आज आम आदमी पार्टी द्वारा कलेक्टर/तहसीलदार को ज्ञापन दिया गया है।निजी विक्रेताओं द्वारा अमानक बीज बिक्री सम्बंधित कृषि विभाग की टीम कई जगहों पर प्रतिष्ठानों पर दबिश तो दे रही है, लेकिन इस खरीफ सीजन में कृषि विभाग के द्वारा नकली खाद और बीज की आशंका पर खानापूर्ति की जा रही है। कृषि विभाग के जांच दल की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। संबंधित विक्रेताओं के द्वारा किसानो को निर्धारित प्रारूप में बिक्री रसीद, बिल नहीं दिया जा रहा था और न ही बीज की कीमत और न कोई सूचना दीवार पर चस्पा की गई थी।

प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने कहा कि बिलासपुर जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों को झांसा दे नकली खाद और बीज थमाने का खेल शुरू हो गया है। कथित तौर पर जिम्मेदार विभाग के मैदानी अमले की मिली भगत से यह सारा खेल चल रहा है। निजी प्रतिष्ठानों में खाद बेच रहे व्यवसायियों के द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूल की जा रही है। वहीं धान सहित अन्य बीज भी तय कीमत से अधिक दर पर बेचे जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद अधिकारी इस ओर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। कभी-कभार सिर्फ कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। गड़बड़ी मिलने के बावजूद संबंधितों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। साथ ही राज्य के कृषि विभाग को जिले के किसानों को पर्याप्त बीज और खाद की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यही वजह है कि आदिवासी अंचल छत्तीसगढ़ में गरीब किसान लूट रहे हैं।

बिलासपुर लोकसभा के सचिव राकेश लुनिया ने कहा कि बिलासपुर जिले के मस्तूरी,सीपत, तखतपुर, मल्हार सहित जिले के 300 से ज्यादा गावों में खाद और बीज की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिससे किसानों को दर दर भटकना पड़ रहा है साथ ही किसानों की मांगो को समिति प्रबंधकों द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। कुछ जगह पर अमानक और नकली खाद की बिक्री की ख़बरें आयीं हैं।

आम आदमी पार्टी को ओर से ज्ञापन

देने प्रदेश संगठन मंत्री सरदार जसबीर सिंह चावला, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला, प्रदेश अध्ययक्ष यूथ विंग अरुण नायर, लोक सभा अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र देवांगन, लोक सभा सचिव राकेश लुनिया,जिला अध्यक्ष यूथ विंग नुरुल हुदा, मिडिया प्रभारी इरफ़ान सिद्धीकी, बलदेव सोनी, अशोक वस्त्रकार, परदेसी यादव, चिन्ता देवी, रोजी रानी, नाबू यादव, ललीत कुमार यादव , पकंज श्रीवास्तव , रवि यादव अनिलेश मिश्रा के साथ कई वरिष्ठ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771